

5 J
-123₁

THE
CALCUTTA
UNIVERSITY CALENDAR,
1858-59.



CALCUTTA:
BISHOP'S COLLEGE PRESS.
1858.

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

• 1/2 V

28754

12.10.2001

CONTENTS.

| — 0 — | | <i>Page.</i> |
|-------|--|--------------|
| I. | Calendar, | 5 |
| II. | Act II, of 1857, incorporating the University, .. | 17 |
| III. | Bye-Laws, | 29 |
| IV. | Regulations :— | |
| | Arts, | 34 |
| | Law, | 50 |
| | Medicine, | 54 |
| | Civil Engineering, | 63 |
| V. | Subjects in Languages for the Entrance Examination | |
| | in March, 1859, | 67 |
| | „ „ in December, 1859, | 68 |
| | „ „ B. A. Examination in 1859, | 70 |
| | „ „ „ in 1860, | 71 |
| VI. | The University — | |
| | The Senate, | 73 |
| | The Syndicate, | 75 |
| | The Faculty of Arts, | 76 |
| | „ of Law, | 76 |
| | „ of Medicine, | 76 |
| | „ of Civil Engineering, | 77 |
| | Examiners for 1858, | 76 |
| | Affiliated Institutions, | 78 |
| | Graduates, | 80 |
| | Under-graduates, | 81 |
| | Scholarships, | 89 |
| VII | B A Examination Papers for 1858, | 90 |
| | B L „ „ | 153 |
| | Lic. Med. & Sur. „ „ | 168 |
| | Entrance, „ „ | 172 |

I. Calcutta University Calendar. 1858.

MAY.

| | | |
|----|---|--|
| 1 | S | |
| 2 | S | |
| 3 | M | |
| 4 | T | Examination for Honors in Arts,—Mathematics. |
| 5 | W | <i>Id.</i> _____ |
| 6 | T | <i>Id.</i> _____ |
| 7 | F | |
| 8 | S | |
| 9 | S | |
| 10 | M | [Phy. Sciences. |
| 11 | T | Examination for Honors in Arts,—Nat. Hist. & |
| 12 | W | <i>Id.</i> _____ |
| 13 | T | <i>Id.</i> _____ |
| 14 | F | |
| 15 | S | |
| 16 | S | |
| 17 | M | [Moral Sciences. |
| 18 | T | Examination for Honors in Arts,—Mental and |
| 19 | W | <i>Id.</i> _____ |
| 20 | T | <i>Id.</i> _____ |
| 21 | F | |
| 22 | S | |
| 23 | S | |
| 24 | M | |
| 25 | T | |
| 26 | W | |
| 27 | T | |
| 28 | F | |
| 29 | S | Meeting of the Syndicate. |
| 30 | S | |
| 31 | M | Summer vacation of Govt. Colleges ends. |

JULY.

| | | |
|----|---|---------------------------|
| 1 | T | |
| 2 | F | |
| 3 | S | |
| 4 | S | |
| 5 | M | |
| 6 | T | |
| 7 | W | |
| 8 | T | |
| 9 | F | |
| 10 | S | |
| 11 | S | |
| 12 | M | |
| 13 | T | |
| 14 | W | |
| 15 | T | |
| 16 | F | |
| 17 | S | |
| 18 | S | |
| 19 | M | |
| 20 | T | |
| 21 | W | |
| 22 | T | |
| 23 | F | |
| 24 | S | |
| 25 | S | |
| 26 | M | |
| 27 | T | |
| 28 | W | |
| 29 | T | |
| 30 | F | |
| 31 | S | Meeting of the Syndicate. |

AUGUST.

| | |
|----|---|
| 1 | S |
| 2 | M |
| 3 | T |
| 4 | W |
| 5 | T |
| 6 | F |
| 7 | S |
| 8 | S |
| 9 | M |
| 10 | T |
| 11 | W |
| 12 | T |
| 13 | F |
| 14 | S |
| 15 | S |
| 16 | M |
| 17 | T |
| 18 | W |
| 19 | T |
| 20 | F |
| 21 | S |
| 22 | S |
| 23 | M |
| 24 | T |
| 25 | W |
| 26 | T |
| 27 | F |
| 28 | S |
| 29 | S |
| 30 | M |
| 31 | T |

Meeting of the Syndicate.

SEPTEMBER.

| | |
|----|---|
| 1 | W |
| 2 | T |
| 3 | F |
| 4 | S |
| 5 | S |
| 6 | M |
| 7 | T |
| 8 | W |
| 9 | T |
| 10 | F |
| 11 | S |
| 12 | S |
| 13 | M |
| 14 | T |
| 15 | W |
| 16 | T |
| 17 | F |
| 18 | S |
| 19 | S |
| 20 | M |
| 21 | T |
| 22 | W |
| 23 | T |
| 24 | F |
| 25 | S |
| 26 | S |
| 27 | M |
| 28 | T |
| 29 | W |
| 30 | T |

Meeting of the Syndicate.

OCTOBER.

| | | |
|----|---|--|
| 1 | F | |
| 2 | S | |
| 3 | S | |
| 4 | M | |
| 5 | T | |
| 6 | W | Dusserah vacation of 15 days for Govt. Colleges commences. |
| 7 | T | |
| 8 | F | |
| 9 | S | |
| 10 | S | |
| 11 | M | |
| 12 | T | |
| 13 | W | |
| 14 | T | |
| 15 | F | |
| 16 | S | |
| 17 | S | |
| 18 | M | |
| 19 | T | |
| 20 | W | |
| 21 | T | |
| 22 | F | |
| 23 | S | |
| 24 | S | |
| 25 | M | |
| 26 | T | |
| 27 | W | |
| 28 | T | |
| 29 | F | |
| 30 | S | Meeting of the Syndicate. |
| 31 | S | |

NOVEMBER.

| | | |
|----|---|--|
| 1 | M | |
| 2 | T | |
| 3 | W | |
| 4 | T | |
| 5 | F | |
| 6 | S | |
| 7 | S | |
| 8 | M | |
| 9 | T | |
| 10 | W | |
| 11 | T | |
| 12 | F | |
| 13 | S | |
| 14 | S | |
| 15 | M | Juggodhatri Poojah, Holiday in Govt. Colleges. |
| 16 | T | |
| 17 | W | |
| 18 | T | |
| 19 | F | |
| 20 | S | |
| 21 | S | |
| 22 | M | |
| 23 | T | |
| 24 | W | |
| 25 | T | |
| 26 | F | |
| 27 | S | Meeting of the Syndicate. |
| 28 | S | |
| 29 | M | |
| 30 | T | |

DECEMBER.

| | | |
|----|---|------------------------------|
| 1 | W | |
| 2 | T | |
| 3 | F | |
| 4 | S | |
| 5 | S | |
| 6 | M | M. D. Examination. |
| 7 | T | |
| 8 | W | |
| 9 | T | |
| 10 | F | |
| 11 | S | Annual Meeting of the Senate |
| 12 | S | University founded 1856. |
| 13 | M | |
| 14 | T | |
| 15 | W | |
| 16 | T | |
| 17 | F | |
| 18 | S | |
| 19 | S | |
| 20 | M | |
| 21 | T | |
| 22 | W | |
| 23 | T | |
| 24 | F | |
| 25 | S | |
| 26 | S | |
| 27 | M | |
| 28 | T | |
| 29 | W | |
| 30 | T | |
| 31 | F | |

JANUARY.

| | | |
|----|---|---|
| 1 | S | New Year's Day. |
| 2 | S | |
| 3 | M | |
| 4 | T | |
| 5 | W | |
| 6 | T | Last day for notice by Entrance Candidates to the |
| 7 | F | Secy. L. C. P. Inst. |
| 8 | S | |
| 9 | S | |
| 10 | M | |
| 11 | T | |
| 12 | W | |
| 13 | T | |
| 14 | F | |
| 15 | S | |
| 16 | S | |
| 17 | M | |
| 18 | T | |
| 19 | W | |
| 20 | T | |
| 21 | F | |
| 22 | S | |
| 23 | S | |
| 24 | M | |
| 25 | T | |
| 26 | W | |
| 27 | T | |
| 28 | F | |
| 29 | S | Meeting of the Syndicate. |
| 30 | S | |
| 31 | M | |

FEBRUARY.

| | | |
|----|---|---|
| 1 | T | |
| 2 | W | |
| 3 | T | |
| 4 | F | |
| 5 | S | |
| 6 | S | |
| 7 | M | |
| 8 | T | Sursutty Poojah, Hollday in Govt Colleges. |
| 9 | W | |
| 10 | T | |
| 11 | F | |
| 12 | S | |
| 13 | S | |
| 14 | M | |
| 15 | T | |
| 16 | W | |
| 17 | T | |
| 18 | F | |
| 19 | S | |
| 20 | S | |
| 21 | M | Last day for notice by Entrance, B. L. and M. C. E. |
| 22 | T | Candidates to the Registrar. |
| 23 | W | |
| 24 | T | |
| 25 | F | |
| 26 | S | Meeting of the Syndicate |
| 27 | S | |
| 28 | M | |

MARCH.

| | | |
|----|---|---|
| 1 | T | |
| 2 | W | |
| 3 | T | |
| 4 | F | |
| 5 | S | |
| 6 | S | |
| 7 | M | Entrance; B. L.; and M. C. E. Examinations. |
| 8 | T | <i>Id.</i> ——— <i>Id.</i> ——— <i>Id.</i> ——— |
| 9 | W | <i>Id.</i> ——— <i>Id.</i> ——— <i>Id.</i> ——— |
| 10 | T | <i>Id.</i> ——— <i>Id.</i> ——— |
| 11 | F | |
| 12 | S | |
| 13 | S | |
| 14 | M | First and Second Examinations in Medicine Com- |
| 15 | T | mence. |
| 16 | W | |
| 17 | T | |
| 18 | F | |
| 19 | S | |
| 20 | S | |
| 21 | M | Publication of results in B. L. and M. C. E. |
| 22 | T | Examinations, and last day for notice by B. A. |
| 23 | W | Candidates to the Registrar. |
| 24 | T | |
| 25 | F | |
| 26 | S | |
| 27 | S | |
| 28 | M | Examination for Honors in Law and Engineering. |
| 29 | T | <i>Id.</i> ——— <i>Id.</i> ——— |
| 30 | W | <i>Id.</i> ——— |
| 31 | T | Last day for notice by Candidates for Honors in
Arts to the Registrar. |

APRIL.

| | | |
|----|---|--|
| 1 | T | |
| 2 | S | |
| 3 | S | |
| 4 | M | Pubn. of Ent. Exmn. result; B.A. Exn. Commences. |
| 5 | T | <i>Id.</i> _____ |
| 6 | W | <i>Id.</i> _____ |
| 7 | T | <i>Id.</i> _____ |
| 8 | F | <i>Id.</i> _____ |
| 9 | S | <i>Id.</i> _____ |
| 10 | S | |
| 11 | M | Publication of the result of Honor Examination |
| 12 | T | in Engineering. |
| 13 | W | |
| 14 | T | |
| 15 | F | |
| 16 | S | Summer vacation for Govt. Colleges begins. |
| 17 | S | |
| 18 | M | Publication of the result of B. A. Examination. |
| 19 | T | |
| 20 | W | |
| 21 | T | |
| 22 | F | |
| 23 | S | |
| 24 | S | |
| 25 | M | |
| 26 | T | |
| 27 | W | |
| 28 | T | |
| 29 | F | |
| 30 | S | Meeting of the Syndicate. |

II.

ACT OF INCORPORATION.

ACT No. II. OF 1857.

Passed on the 24th January, 1857.

AN ACT TO ESTABLISH AND INCORPORATE AN UNIVERSITY AT CALCUTTA.

WHEREAS, for the better encouragement of Her
Preamble. Majesty's subjects of all classes
and denominations within the Presidency of Fort
William in Bengal and other parts of India in the
pursuit of a regular and liberal course of education,
it has been determined to establish an University at
Calcutta for the purpose of ascertaining, by means
of examination, the persons who have acquired pro-
ficiency in different branches of Literature, Science,
and Art, and of rewarding them by Academical De-
grees as evidence of their respective attainments, and
marks of honor proportioned thereunto; and whereas,
for effectuating the purposes aforesaid, it is expedient

OF INCORPORATION.

Hity should be incorporated : It is
(that is to say)—

I. The following persons, namely,
Honorable **CHARLES JOHN VISCOUNT**
CANNING,
Governor-General of India.

The Honorable **JOHN RUSSELL COLVIN,**
Lieutenant-Governor of the North-Western Pro-
vinces.

The Honorable **FREDERICK JAMES HALLIDAY,**
Lieutenant-Governor of Bengal.

The Honorable Sir **JAMES WILLIAM COLVILE,** Knight,
Chief Justice of the Supreme Court of Judicature in
Bengal.

The Right Reverend **DANIEL WILSON,**
Doctor of Divinity, Bishop of Calcutta.

The Honorable **GEORGE ANSON,** General,
Commander-in-Chief of the Forces in India.

The Honorable **JOSEPH ALEXANDER DORIN,**
Member of the Supreme Council of India.

The Honorable **JOHN LOW,** Major-General,
Companion of the Most Honorable Order of the
Bath, Member of the Supreme Council of India.

The Honorable **JOHN PETER GRANT,**
Member of the Supreme Council of India.

The Honorable **BARNES PEACOCK,**
Member of the Supreme Council of India.

CHARLES ALLEN, Esquire,
Member of the Legislative Council of India.

HENRY RICKETTS, Esquire,
Provisional Member of the Supreme Council of
India.

CHARLES BINNY TREVOR, Esquire,
Judge of the Sudder Court in Bengal.

Prince GHOLAM MUHAMMUD.

WILLIAM RITCHIE, Esquire,
Advocate-General in Bengal.

CECIL BEADON, Esquire,
Secretary to the Government of India.

Colonel HENRY GOODWYN, of the Bengal Engineers,
Chief Engineer in Bengal.

WILLIAM GORDON YOUNG, Esquire,
Director of Public Instruction in Bengal.

Lieutenant-Colonel WILLIAM ERSKINE BAKER,
• of the Bengal Engineers,
Secretary to the Government of India.

Lieutenant-Colonel ANDREW SCOTT WAUGH,
of the Bengal Engineers,
Surveyor-General of India.

KENNETH MACKINNON, Esquire,
Doctor in Medicine.

HODGSON PRATT, Esquire,
Inspector of Schools in Bengal.

ACT OF INCORPORATION.

HENRY WALKER, Esquire,
Professor of Anatomy and Physiology in the Medical
College of Bengal.

THOMAS THOMSON, Esquire,
Doctor in Medicine, Superintendent of the Botanical
Garden at Calcutta.

FREDERICK JOHN MOUAT, Esquire,
Doctor in Medicine, and Fellow of the Royal College
of Surgeons.

Lieutenant **WILLIAM NASSAU LEES,**
of the Bengal Infantry.

The Reverend **WILLIAM KAY,**
Doctor of Divinity,
Principal of Bishop's College.

The Reverend **ALEXANDER DUFF,**
Doctor of Divinity.

THOMAS OLDHAM, Esquire,
Superintendent of the Geological Survey of India.

HENRY WOODROW, Esquire,
Inspector of Schools in Bengal.

LEONIDAS CLINT, Esquire,
Principal of the Presidency College.

PROBONNO COOMAR TAGORE,
Clerk Assistant of the Legislative Council of India.

RAMAPERSHAD ROY,
Government Pleader in the Sudder Court of Bengal.

The Reverend **JAMES OGILVIE,**
Master of Arts.

The Reverend JOSEPH MULLENS,
Bachelor of Arts.

Moulavy MUHAMMUD WUJEEH,
Principal of the Calcutta Mudrasah.

ISHWAR CHUNDRA BIDYA SAGUR,
Principal of the Sanskrit College of Calcutta.

RAMGOPAUL GHOSE,
Formerly Member of the Council of Education.

ALEXANDER GRANT, Esquire,
Apothecary to the East India Company.

HENRY STEWART REID, Esquire,
Director of Public Instruction in the North-Western
Provinces,

being the first Chancellor, Vice-Chancellor, and Fellows of the said University, and all the persons who may hereafter become or be appointed to be Chancellor, Vice-Chancellor, or Fellows as hereinafter mentioned, so long as they shall continue to be such Chancellor, Vice-Chancellor or Fellows, are hereby constituted and declared to be one Body Politic and Corporate by the name of the University of Calcutta; and such Body Politic shall by such name have perpetual succession, and shall have a common seal, and by such name shall sue and be sued, implead and be impleaded, and answer and be answered unto, in every Court of Justice within the territories in the possession and under the Government of the East India Company.

II. The said Body Corporate shall be able and Power to hold and capable in law to take, purchase, dispose of property. and hold any property, moveable

or immoveable, which may become vested in it for the purposes of the said University by virtue of any purchase, grant, testamentary disposition, or otherwise; and shall be able and capable in law to grant, demise, alien, or otherwise dispose of, all or any of the property, moveable or immoveable, belonging to the said University; and also to do all other matters incidental or appertaining to a Body Corporate.

III. The said Body Corporate shall consist of one Constitution of Body Chancellor, one Vice-Chancellor, Corporate. and such number of ex-officio and other Fellows as the Governor-General of India in Council hath already appointed, or shall from time to time, by any order published in the *Calcutta Gazette*, hereafter appoint; and the Chancellor, Vice-Chancellor, and Fellows for the time being shall constitute the Senate of the said University.

Senate. Provided that if any person being Chancellor, Vice-Chancellor, or Fellow of the said University, shall leave India without the intention of returning thereto, his office shall thereupon become vacant.

IV. The Governor-General of India for the time Chancellor. being shall be the Chancellor of the said University, and the first Chancellor shall be the Right Honorable Charles John Viscount Canning.

V. The first Vice-Chancellor of the said University shall be Sir James William

Colville, Knight. The office of Vice-Chancellor shall be held for two years only ; and the Vice-Chancellor hereinbefore nominated shall go out of office on the first day of January 1859. Whenever a vacancy shall occur in the office of Vice-Chancellor of the said University by death, resignation, departure from India, effluxion of time, or otherwise, the Governor-General of India in Council shall, by notification in the *Calcutta Gazette*, nominate a fit and proper person, being one of the Fellows of the said University, to be Vice-Chancellor in the room of the person occasioning such vacancy. Provided that on any vacancy in the said office which shall occur by effluxion of time, the Governor-General of India in Council shall have power to reappoint the Vice-Chancellor hereinbefore nominated or any future Vice-Chancellor to such office.

VI. The Lieutenant-Governors of Bengal and the North-Western Provinces, the Fellows, the Chief Justice of the Supreme Court of Judicature at Fort William in Bengal or of any Court of Judicature hereafter to be constituted to or in which the powers of the said Supreme Court may be transferred or vested, the Bishop of Calcutta and the Members of the Supreme Council of India, all for the time being, shall be ex-officio Fellows of the said University. The whole number of the Fellows of the said University, exclusive of the Chancellor and Vice-Chancellor for the time being, shall never be less than thirty ; and whenever the number of the said Fellows, exclusive as aforesaid, shall by death, resignation, departure from India, or otherwise, be

reduced below thirty, the Governor-General of India in Council shall forthwith, by notification in the *Calcutta Gazette*, nominate so many fit and proper persons to be Fellows of the said University as, with the then Fellows of the said University, shall make the number of such Fellows, exclusive as aforesaid, thirty. But nothing herein contained shall prevent the Governor-General of India in Council from nominating more than thirty persons to be Fellows of the said University if he shall see fit.

VII. The Governor-General of India in Council

The appointment of ~~may~~ cancel the appointment of Fellow ~~may be can-~~ any person already appointed, or called. hereafter to be appointed a Fellow of the University, and as soon as such order is notified in the *Gazette*, the person so appointed shall cease to be a Fellow.

VIII. The Chancellor, Vice-Chancellor, and Fel-

Chancellor, Vice-Chancellor, and Fel- lows for the time being shall have the entire management of and superintendence over the affairs, concerns, and property of the said University; and in all cases unprovided for by this Act, it shall be lawful for the Chancellor, Vice-Chancellor, and Fellows to act in such manner as shall appear to them best calculated to promote the purposes intended by the said University. The said Chancellor, Vice-Chancellor, and Fellows shall have full power from time to time to make and alter any bye-laws and regulations (so as the same be not repugnant to law,

or to the general objects and provisions of this Act) touching the examination for degrees and the granting of the same; and touching the examination for honors and the granting of marks of honor for a higher proficiency in the different branches of Literature, Science, and Art; and touching the qualifications of the candidates for degrees and the previous course of instruction to be followed by them, and the preliminary examinations to be submitted to by them; and touching the mode and time of convening the meetings of the Chancellor, Vice-Chancellor, and Fellows; and, in general, touching all other matters whatever regarding the said University. And all such bye-laws and regulations, when reduced into writing, and after the common seal of the said University shall have been affixed thereto, shall be binding upon all persons, members of the said University, and all candidates for degrees to be conferred by the same, provided such bye-laws and regulations shall have been first submitted to and shall have received the approval of the Governor-General of India in Council.

IX. All questions which shall come before the Meetings of the Senate, Chancellor, Vice-Chancellor, and Fellows, shall be decided at a meeting of the Senate by the majority of the members present; and the Chairman at any such meeting shall have a vote, and, in case of an equality of votes, a second or casting vote. No question shall be decided at any meeting, unless the Chancellor, or Vice-Chancellor, and five Fellows, or, in the absence of the Chancellor and Vice-Chancellor, unless six Fellows at the least, shall be present at the time of the

decision. At every meeting of the Senate, the Chancellor, or in his absence the Vice-Chancellor, shall preside as Chairman; and, in the absence of both, a Chairman shall be chosen by the Fellows present, or the major part of them.

X. The said Chancellor, Vice-Chancellor, and Fellows for the time being shall have full power from time to time to appoint, and, as they shall see occasion, to remove all Examiners, Officers, and servants of the said University.

XI. The said Chancellor, Vice-Chancellor, and Fellows, shall have power, after examination, to confer the several degrees of Bachelor of Arts, Master of Arts, Bachelor of Laws, Licentiate of Medicine, Doctor of Medicine, and Master of Civil Engineering; they shall also have power, after examination, to confer upon the candidates for the said several degrees marks of honor for a high degree of proficiency in the different branches of Literature, Science, and Art, according to rules to be determined by the bye-laws to be from time to time made by them under the power in that behalf given to them by this Act.

XII. Except by special order of the Senate, no person shall be admitted as a candidate for the degree of Bachelor of Arts, Master of Arts, Bachelor of Laws, Licentiate of Medicine, Doctor of Medicine, or Master of Civil Engineering, unless he shall

present to the said Chancellor, Vice-Chancellor, and Fellows, a certificate from one of the Institutions authorized in that behalf by the Governor-General of India in Council, to the effect that he has completed the course of instruction prescribed by the Chancellor, Vice-Chancellor, and Fellows of the said University, in the bye-laws to be made by them under the power in that behalf given by this Act.

XIII. The said Chancellor, Vice-Chancellor, and Examination for de- Fellows shall cause an examina-
grees. tion for degrees to be held at least once in every year ; on every such examination the candidates shall be examined either by Examiners appointed for the purpose from among the Fellows by the said Chancellor, Vice-Chancellor, and Fellows, or by other Examiners so to be appointed ; and on every such examination, the candidates, whether candidates for an ordinary degree or for a degree with honors, shall be examined on as many subjects and in such manner as the said Chancellor, Vice-Chancellor, and Fellows shall appoint.

XIV. At the conclusion of every examination of Grant of degrees. the candidates, the Examiners shall declare the name of every candidate whom they shall have deemed entitled to any of the said degrees, and his proficiency in relation to other candidates ; and also the honors which he may have gained in respect of his proficiency in that department of knowledge in which he is about to graduate ; and he shall receive from the said Chancellor a certificate, under the seal of the said University of Calcutta and

signed by the said Chancellor or Vice-Chancellor, in which the particulars so stated shall be declared.

XV. The said Chancellor, Vice-Chancellor, and
Fees. Fellows shall have power to charge such reasonable fees for the degrees to be conferred by them, and upon admission into the said University, and for continuance therein, as they, with the approbation of the Governor-General of India in Council, shall from time to time see fit to impose. Such fees shall be carried to one General Fee Fund for the payment of expenses of the said University, under the directions and regulations of the Governor-General of India in Council, to whom the accounts

Annual accounts. of income and expenditure of the said University shall once in every year be submitted for such examination and audit as the said Governor-General of India in Council may direct.

III.

BYE-LAWS.

THE SENATE.

THE Senate, as constituted by Act No. II. of 1857, consists of the Chancellor, Vice-Chancellor, and as many Ex-officio and other Fellows, not being less than thirty in all, as may be from time to time appointed by the Governor-General of India in Council.

The Senate shall meet ordinarily once a year, on the second Saturday in December, and at other times when convened by the Vice-Chancellor.

The Vice-Chancellor shall convene a meeting of the Senate on the requisition of any six of the Members.

Nine Members of the Senate shall constitute a quorum, and all questions shall be decided by a majority of the votes of the Members present.

By the 8th Section of Act No. II. of 1857, the Senate has power to make and alter Bye-laws and Regulations, subject to the approval of the Governor-General of India in Council.

THE FACULTIES.

The Senate shall be divided into four Faculties, namely, Arts, Law, Medicine, and Engineering. Every Member of the Senate shall be a Member of one Faculty at least, and any Member of the Senate may be a Member of more than one Faculty.

The Faculties shall be appointed by the Senate at its Annual Meeting.

Each Faculty shall elect its own President. Every Meeting of a Faculty shall be convened by its President, or, in his absence, by the Senior Fellow belonging to that Faculty.

If any Faculty omit to elect a President for one month after its appointment, or after a vacancy occurs, the Vice-Chancellor may appoint any Member of such Faculty to be its President.

Three Members of any Faculty shall constitute a quorum of that Faculty.

THE SYNDICATE.

The Executive Government of the University shall be vested in a Syndicate, consisting of the Vice-Chancellor and six of the Fellows who shall be elected for one year by the several Faculties, in the following proportions:—

Three by the Faculty of Arts.

One by the Faculty of Law.

One by the Faculty of Medicine.

One by the Faculty of Engineering.

The elections to take place within one month before the Annual Meeting of the Senate, and the names

of the persons to be elected to be declared at such Meeting.

The Syndicate shall meet ordinarily once a month, and at other times when convened by the Vice-Chancellor.

All the elected Members of the Syndicate must be resident in or near Calcutta, and if any such Member is absent from Calcutta for more than three months, his place shall become vacant.

On every vacancy in the Syndicate, caused by death, resignation, absence from Calcutta, or otherwise, the Faculty, by whom the Member causing the vacancy was elected, shall proceed to elect a new Member for the remainder of the current year.

If any Faculty omit to elect a Member of the Syndicate within one month after a vacancy occurs, the Vice-Chancellor may appoint one from among the Members of that Faculty.

Four Members of the Syndicate shall constitute a quorum, and all questions shall be decided by a majority of the votes of the Members present.

The Vice-Chancellor, or, in his absence, the Senior* Fellow present shall preside at all Meetings of the Syndicate, and if the votes, including that of the President, are equally divided, the President shall have a casting vote.

It shall be the duty of the Syndicate to appoint, and, if necessary, to remove the Examiners and all

* The ex-officio Fellows of the University are always the Senior Fellows in order of official precedence. The seniority of the other Fellows mentioned in the Act of Incorporation is according to the order in which their names appear there. The seniority of all other Fellows is according to the date and order of their appointment.

other Officers of the University, except the Registrar; to order Examinations in conformity with the Regulations; to grant Degrees, Honors, and Rewards; to keep the Accounts of the University; and to correspond on the business of the University with the Government and all other authorities and persons.

During the year, between the Annual Meetings of the Senate, the Syndicate may appoint any Member of the Senate to any one or more of the Faculties, and may transfer any Member from one Faculty to another.

The Syndicate shall from time to time frame such Bye-laws and Regulations as may be necessary, subject to the approval of the Senate. Each Faculty shall report on any subject that may be referred to it by the Syndicate.

Any Faculty, or any Member, or number of Members of the Senate, may make any recommendation to the Syndicate, and may propose any Bye-Law or Regulation for the consideration of the Syndicate.

The decision of the Syndicate on any such recommendation or proposition, or any matter whatever, may be brought before the Senate by any Member of the Senate at one of its Meetings, and the Senate may approve, revise, or modify any such decision, or may direct the Syndicate to review it.

No question shall be considered by the Senate that has not, in the first instance, been considered and decided on by the Syndicate.

THE REGISTRAR.

The Registrar shall be appointed by the Senate. He shall be appointed for two years only, but at the end of that term he may be re-appointed. If a vacancy occurs in this office between two Annual Meetings of the Senate, a Special Meeting of the Senate shall be convened for the purpose of appointing a Registrar, and in the meanwhile the Syndicate may appoint a Registrar *pro-tempore*.

The Registrar shall be the custodian of the Records, Library, Common Seal, and such other property of the University as the Syndicate shall commit to his charge.

All Meetings of the Senate, the Syndicate, and the Faculties, shall be convened through the Registrar, who shall keep a record of the proceedings of such Meetings.

IV.

REGULATIONS.

ARTS.

ENTRANCE EXAMINATION.

1. **THE** Entrance Examination shall take place once a year, and shall commence on the first **M**onday in **M**arch.

2. The chief Examination will be held in Calcutta, but Candidates may be examined at any of the under-mentioned places, *viz.*, Berhampore, Kishnaghur, **D**acca, Chittagong, Cuttack, Bhaugulpore, Patna, **B**enares, Agra, Delhi, Bareilly, Ajmere, Lahore, and any other places hereinafter to be appointed by the Syndicate.

3. No Candidate shall be admitted to the Entrance Examination, unless he shall have completed his sixteenth year, but any one above the age of sixteen may be a Candidate wherever he may have been educated.

4. Every Candidate must apply, either to the Registrar at least fourteen days, or to the Secretary to the Local Committee of Public Instruction at any of the places above-mentioned, at least two months, before the Examination begins, and, with his application, must produce satisfactory testimony that he is at least sixteen years old and of good moral character. He must also give notice in writing of the languages in which he wishes to be examined.

5. A fee of five Rupees shall be paid by each Candidate, and no Candidate shall be examined unless he have previously paid this fee either to the Registrar, or to the Secretary to the Local Committee at one of the above-mentioned places. If a Candidate fail to pass the Examination, the fee shall not be returned to him. He may be admitted to any one or more subsequent Entrance Examinations on payment of a like fee of five Rupees on each occasion.

6. The Examination shall be conducted by means of printed papers, which shall be the same for all places in the interior as for Calcutta.

7. Candidates for Entrance shall be examined in the following subjects :—

I. LANGUAGES.

Two of the following Languages, of which English must be one, viz. :—

ENGLISH.

| | |
|-----------|----------|
| Greek. | Bengali. |
| Latin. | Oorya. |
| Arabic. | Hindi. |
| Persian | Urdu. |
| Hebrew. | Burmese. |
| Sanskrit. | |

Candidates shall be examined in each of the Languages in both Prose and Poetry, the subjects being selected by the Senate at least one year and a half previous to the Examination, from any approved classical or standard works or authors, such as the following :—

English.

Pope, Cowper, Scott, Campbell, Addison, Johnson, Goldsmith, Southey, DeFoe.

Greek

Homer, Xenophon.

Latin.

Horace, Virgil, Sallust, Cæsar, Livy, Cicero

Hebrew.

Book of Genesis.

Arabic.

Alif Lailah, Nafhat-al-Yaman.

Persian.

Gulistan, Bostan, Yusuf-o-Zulaikha, Akhlah-i-Muhsini, Anvari Subaoili.

Sanskrit.

Raghuvansa, Kumara Sambhava.

Bengali.

Tota Itihas, Life of Raja Krisna Chunder Roy, Arabian Nights, Ramayun.

Oorya.

Bishnu Surma's Hitopodesh.

Hindi.

The Ramayun.

Urdu.

Bagh-o-Bahar and Gul-i-Bakawali.

Burmese.

The Thoodhamma Tsarie.

The Dhamma Pada.

The papers in each Language shall include Questions in Grammar and Idiom.

Easy sentences in each of the Languages in which the Candidate is examined, shall be given for translation into the other Languages.

II. HISTORY AND GEOGRAPHY.

The outlines of General History as contained in the first volume of Marshman's Brief Survey and the outlines of Indian History as contained in Murray's History of India to the end of the year 1815.

A general knowledge of Geography, and a more detailed knowledge of the Geography of India.

III. MATHEMATICS.

ARITHMETIC AND ALGEBRA.

The ordinary Rules of Arithmetic, Vulgar and Decimal Fractions, Extraction of the Square-root

Addition, Subtraction, Multiplication, and Division of Algebraical Quantities.

Proportion.

Simple Equations.

GEOMETRY.

The first three Books of Euclid, with such easy deductions and applications as arise directly out of those books.

In Branches II., and III., the answers may be given in any living Language in which the Candidate is examined.

8. The Examinations of the candidates shall extend over four days, and shall be held in the morning from 10 to 1½, and in the afternoon from 2 to 5½. . .

9. At the close of each day's Examination, at any places in the interior above-mentioned, the answers of each Candidate shall be sealed up by the Secretary to the Local Committee of Public Instruction, and forwarded immediately to the Registrar.

10. Candidates will not be approved by the Examiners, unless they show a competent knowledge of all the subjects in which they are examined.

11. On the morning of the fourth Monday after the Examination, the Syndicate shall publish a list of such Candidates as have passed, arranged by the Examiners in two divisions, each in alphabetical order, such of the Candidates as have passed, and to every such passed Candidate shall be given a Certificate signed by the Registrar, setting forth his age, and the division assigned him by the Examiners, such Certificate being in the form following, *viz* :—

CALCUTTA UNIVERSITY

ENTRANCE EXAMINATION—185 .

I Certify that _____, who was a Candidate at the late Entrance Examination of the Calcutta University, and who then produced a Certificate that he had attained the age of 16 years and was of good moral character, has been declared by the Board of Examiners to have passed such Examination, and has been placed in the Division.

| | | |
|----------------------|---|------------|
| Calcutta University, | } | Registrar. |
| The of 185 . | | |

BACHELOR OF ARTS.

1. The Examination for the Degree of Bachelor of Arts shall take place once a year, shall commence on the first Monday in April, and shall be held only in Calcutta.

2. The Degree of B. A. shall not be conferred on any Candidate within four academical years of the time of his passing the Entrance Examination, but Candidates may be admitted to the Examination for

the Degree after three years from the time of their passing the Entrance Examination.

3. No Candidate shall be admitted to this Examination unless he produce satisfactory testimonials from the authorities of one of the Colleges or schools affiliated to the University, (1) of moral character, and (2) of having prosecuted, during the period that has elapsed since his passing the Entrance Examination, a course of study in one of such Institutions.

4. Any person who has passed the Entrance Examination at either of the Universities of Madras or Bombay, may be admitted to the Examination for the Degree of B. A. in the Calcutta University, provided he shall produce satisfactory testimony that he is of good moral character, and that he has prosecuted, during the period that has elapsed since his passing the Entrance Examination, a regular course of study in one of the Institutions affiliated to either of those Universities.

5. Applications must be made, and Certificates forwarded to the Registrar, at least fourteen days before the Examination begins. Notice in writing must also be given by the Candidates, of the Languages in which they wish to be examined.

6. A fee of twenty-five Rupees shall be paid by each Candidate. No Candidate shall be admitted to the examination unless he have previously paid this fee to the Registrar. If a Candidate fail to pass the Examination, the fee shall not be returned to him. He may be admitted to any one or more subsequent Examinations on payment of a like fee of twenty-five Rupees on each occasion.

7. The Examination shall be conducted chiefly by means of printed papers, but the Examiners may also put *vivâ voce* questions to any Candidate in the subjects in which they are severally appointed to examine.

8. Candidates for the Degree of B. A. shall be examined in the following subjects :—

I. LANGUAGES.

Two of the following Languages, of which English must be one :—

ENGLISH.

| | |
|-----------|----------|
| Greek | Bengali. |
| Latin. | Oorya. |
| Hebrew. | Hindi. |
| Arabic. | Urdu. |
| Persian. | Burmese. |
| Sanskrit. | |

Candidates shall be examined in each of the Languages in both Prose and Poetry, the subjects being selected by the Senate two years previous to the Examination, from any approved classical or standard works or authors, such as the following :—

English.

~~Milton~~, Shakespeare, Dryden, Pope, Young, Thomson
Bacon, Swift, Addison, Johnson, Goldsmith, Burke, Southey,
Macaulay.

Greek.

Homer, Sophocles, Euripides, Herodotus, Thucydides,
Xenophon, Demosthenes, Plato.

Latin.

Virgil, Horace, Cæsar, Cicero, Livy, Tacitus.

*Hebrew.**Arabic.*

Alif Lailah, Nafhat-al-Yaman, Ikhwan-al-Safa, Soyuti's Tarikh-al-Kholfa, Tarikh Yamini.

Persian.

Sekandar Nameh, Gulistan, Dewan of Hafiz, Akhlaq-i-Jalali (or Nasiri), Dewan of Orfi, Abu-al-Fazl's Letters.

Sanskrit.

Raghuvansa, Kumaru Sambhava Kiratarjuniya, Viracharita Uttaracharita, Mudrarakshasa.

Bengali.

Bartrish Singhasan, Purush Parikhya, Betal Panchabingshati, Probodh Chandrika, Mahabharat, Ramayan, Meghaduta, Sakantala, Annada Mangal.

Oorya.

Bishnu Surma's Hitopodesh.

Hindi.

Tulsee Krit Ramayan (the Balkhand and Ayadhya-khand.) Subhabilas.

Oordoo.

Bagh-o-Bahar, Davani Souda (Kassedah's.)

Burmese.

The papers in each Language shall include Questions on Grammar and Idiom.*

Sentences in each of the Languages in which the Candidate is examined shall be given for translation into the other Language.

II. HISTORY.

The principles of historic evidence, as treated in Isaac Taylor's two works on the subject, or other similar books.

* Instead of the older Grammars, such works as Ishwar Chandra Sharma's, or Mr. Williams's for Sanskrit, and Rammohun Roy's, Dr. Yates's, or Shamachurn Sircar's for Bengali, will be used in the Ex

The History of England (including that of British India,) to the end of 1815.

Elphinstone's History of India.

Ancient History, with special reference to the History of Greece to the death of Alexander, the History of Rome to the death of Augustus, and the History of the Jews.

The Historical Questions will include the Geography of the Countries to which they refer.

III. MATHEMATICS AND NATURAL PHILOSOPHY

ARITHMETIC AND ALGEBRA.

The ordinary Rules of Arithmetic.

Vulgar and Decimal Fractions.

Extraction of the Square-root.

Addition, Subtraction, Multiplication, and Division of Algebraical Quantities.

Simple and Quadratic Equations, and questions producing them.

Algebraical Proportion and Variation.

Permutations and Combinations.

Arithmetical and Geometrical Progression.

Binomial Theorem.

Simple and Compound Interest, Discount, and Annuities for terms of years.

The nature and use of Logarithms.

GEOMETRY.

The first Six Books of Euclid, and the Eleventh Book to Proposition XXI., with deductions.

Conic Sections.

PLANE TRIGONOMETRY.

Solution of all cases of Plane Triangles. The expression for the Area of a Triangle in terms of its sides.

MECHANICS.

Composition and Resolution of Forces.

The Mechanical Powers.

The Centre of Gravity.

The general Laws of Motion.

The motion of falling bodies in free space and down inclined planes.

HYDROSTATICS, HYDRAULICS, AND PNEUMATICS.

Pressure of liquids and gases, its equal diffusion and variation as the depth.

Specific Gravity.

Description and explanation of the barometer, siphon, common pump, forcing-pump, air-pump and steam-engine.

OPTICS.

Laws of Reflection and Refraction.

Formation of images by simple lenses

ASTRONOMY.

Elementary knowledge* of the Solar System, including the phenomena of Eclipses.

IV. PHYSICAL SCIENCES.**CHEMISTRY.**

The Atmosphere, its general nature and condition ; its component parts—Oxygen and Nitrogen ; their properties. Water and carbonic acid ; proportion of these substances in the air.

Chlorine and Iodine, as compared with Oxygen.

Water ; its general relation to the atmosphere and earth ; its natural states and relative purity ; sea water, river water, spring water, rain water, pure water ; effects of heat and cold on it ; its compound nature ; its elements.

Hydrogen ; its nature and proportion in water ; its presence in most ordinary fuels ; its product when burnt.

Sulphur ; phosphorus, and carbon, generally.

Nitric acid, sulphuric acid, carbonic acid ; their elements. Hydrochloric or muriatic acid.

Alkalies, earths, oxides, generally.

Salts ; their nature generally ; sulphates ; nitrates ; carbonates.

Metals generally ; iron, copper, lead, tin, zinc, gold, silver, platinum, mercury.

Powers of matter ; aggregation ; crystallization ; chemical affinity ; definite equivalents.

* By this is meant a knowledge of Descriptive as distinguished from Practical and Physical Astronomy.

Combustion; flame; nature of ordinary fuel; chief results of combustion, i. e., the bodies produced.

Heat; natural and artificial sources; its effects; expansion; solids; liquids, gases, thermometer, conduction, radiation, capacity, change of form, liquefaction, steam.

ANIMAL PHYSIOLOGY.

As contained in the first part of Knox's translation of Milne Edwards's *Zoology*, or other similar works.

PHYSICAL GEOGRAPHY.

Physical Geography, as contained in Hughes or other similar works.

V. MENTAL AND MORAL SCIENCES.

LOGIC.

The Elements of Logic, as contained in *Whately* or other similar works.

MORAL PHILOSOPHY.

Moral Philosophy, as contained in *Wayland*, *Abercrombie*, or other similar works.

MENTAL PHILOSOPHY.

Mental Philosophy as contained in *Abercrombie*, *Dr. Payne*, or other similar works.

9. Candidates shall not be approved by the Examiners unless they show a competent knowledge in each of the above-mentioned branches of Examination, and exhibit a special acquaintance with the subjects which are printed in *Italics*.

10. The Examination of the Candidates for the Degree of B. A. shall extend over six days, and shall be held in the morning from 10 to 1½, and in the afternoon from 2 to 5½.

11. On the morning of the second Monday after the Examination, the Examiners shall arrange in two divisions, each in alphabetical order, such of the Candidates as have passed. Those in the first division shall be recommended for the Examination for Honors.

12. For the first three years after the establishment of the University, the only requirement from Candidates for the Degree of B. A., shall be that they produce Certificates showing that they have passed the Entrance Examination, and are of good moral character.

HONORS.

13. Any Candidate who has been placed in the first division at the Examination for the Degree of B. A., provided he have not delayed proceeding to the Examination for that Degree more than five years from the date of passing the Entrance Examination, may be examined for Honors in any one or more of the following branches:—

1.—Languages.

2.—History.

3.—Mathematics and Natural Philosophy.

4.—Natural History and the Physical Sciences.

5.—The Mental and Moral Sciences.

14. Candidates for Honors must give notice in writing to the Registrar, on or before the last day of March, of their wish to enter into the Examination, specifying the branch or branches in which they desire to be examined.

15. I. Candidates for Honors in **LANGUAGES**, shall be examined in Latin and Greek, or in English and Arabic, or in English and Sanskrit.

In Latin, Greek, and English, a limited range of subjects shall be selected by the Senate from approved classical authors ; and in Arabic and Sanskrit the Examination shall be in the following works :—

Arabic.

Alif Lailah, Nafhat-al-Yaman, Ikhwan-al-Safa, Tarikh-al Kholfah, Tarikh Yamini, Hamasah, Maqamat Hariri (one-half), Dewan Ibn Fariz.

Sanskrit.

Raghuvansa, Kumaru Sambhava, Kiratarjuniya, Sisupalavadha, Viracharita, Uttaracharita, Mudrarakshasa, Sakantala, Kadambari, Part I.

The Examination shall include translation into any Vernacular Language, and re-translation from any Vernacular Language. It shall also include Composition in any Vernacular Language upon questions arising out of the authors selected for Examination. The Candidates will also be examined in Comparative Grammar and Philology, the principles of Composition, and the History of English Literature.

The Examination shall be so conducted as to test the exact and critical acquaintance of the Candidates with the subjects selected by the Senate, and also their general acquaintance with the literature of the Languages in which they are examined.

16. II. Candidates for Honors in **HISTORY** shall be examined in the following subjects :—

The History, political, constitutional, social, and religious, of the principal ancient and modern nations of the world.

The History of modern civilization.

Chronology.

Ethnology.

Geography, in its bearing on History.

Political Philosophy.

Political Economy.

17. III. Candidates for Honors in **MATHEMATICS** and **NATURAL PHILOSOPHY** shall be examined in the following subjects:—

Algebra, including the theory of Equations.

Plane Analytical Geometry

Solid Geometry, treated geometrically and analytically

Differential and Integral Calculus.

Spherical Trigonometry.

Statics and Dynamics.

Hydrostatics.

Hydraulics and Pneumatics.

Optics.

Astronomy.

18. IV. Candidates for Honors in **NATURAL HISTORY** and the **PHYSICAL SCIENCES** shall be examined in the following subjects:—

Zoology and Animal Physiology.

Botany and Vegetable Physiology.

Geology and Mineralogy.

Chemistry.

Electricity and Magnetism.

Meteorology.

Physical Geography.

19. V. Candidates for Honors in the **MENTAL AND MORAL SCIENCES** shall be examined in the following subjects:—

Logic

Philosophy of Rhetoric.

Natural Theology.

Moral Philosophy.

Mental Philosophy.

20. They shall also be examined in one at least of the following subjects, to be selected by the Candidate himself:—

Philosophy of the Inductive Sciences.

Elements of Jurisprudence.

Philosophy of Education.

Evidences of Revealed Religion, as contained in Butler's Analogy and Paley's Evidence.

21. The Examinations for Honors shall take place in the following order, *viz.*, Languages in the first week, History in the second, Mathematics and Natural Philosophy in the third, Natural History and the Physical Sciences in the fourth, and the Mental and Moral Sciences in the fifth week; after the general Examination for the B. A. Degree.

22. The Examinations shall take place on the Tuesday, Wednesday and Thursday of each week, in the mornings from 10 A. M. to 1½ P. M., and in the afternoons from 2 to 5½ P. M.

23. The Examiners shall publish, in the week following each Examination for Honors, a list of the Candidates who acquit themselves to their satisfaction, in order of proficiency, and in three classes. Candidates shall be bracketed together, unless the Examiners are of opinion that there is a clear difference between them.

24. In determining the relative position of Candidates for Honors in the several branches, the

Examiners shall have regard to their proficiency in the corresponding subjects at the B. A. Examination.

25. The first Student of the first class in each branch shall receive a Gold Medal and a Prize of Books to the value of one hundred Rupees, and the second Student of the first class in each branch shall receive a Silver Medal and a Prize of Books to the value of one hundred Rupees, provided that their answers are considered by the Examiners to possess sufficient merit.

MASTER OF ARTS.

26. Every person who, immediately after passing the B. A. Examination, obtains Honors in any one or more of the above-mentioned five branches of knowledge, shall be entitled to the Degree of MASTER OF ARTS without further examination or fee.

27. Any other Graduate of this or any other Indian University, or of any of the Universities of the United Kingdom, may be admitted to the Examination for the Degree of M. A. on payment of a fee of fifty Rupees.

28. No Special Examination will be held, but the Candidate must pass the Honor Examination in at least one of the prescribed branches of knowledge. He must give notice in writing to the Registrar, on or before the last day of March, of his intention to enter into the Examination, specifying the branch in which he desires to be examined, and must at the same time furnish a Certificate of having received the Degree of B. A.

29. Every Candidate for the Degree of M. A. is expected to possess a complete knowledge of every subject included in the branch in which he is examined.

30. If a Candidate fail to pass the examination, the fee will not be returned to him. He may be admitted to any one or more subsequent Examinations on payment of a like fee of fifty Rupees on each occasion.

31. The names of the successful Candidates for the Degree of M. A. shall be published in an alphabetical list, and each successful Candidate shall receive with his Degree a Certificate setting forth the branch in which he was examined.

GENERAL.

No question shall be put at any University Examination, so as to require an expression of religious belief on the part of the Candidate; and no answer or translation given by any Candidate shall be objected to on the ground of its expressing any peculiarity of religious belief.

LAW.

BACHELOR OF LAW.

1. The Examination for the Degree of Bachelor of Law shall take place once a year, shall commence on the first Monday in March, and shall be held only in Calcutta.

2. No Candidate shall be admitted to the Examination for the Degree of B. L., until after the expiration of one academical year from the time of his obtaining the Degree of B. A. in one or other of the Indian or European Universities, and until he produce Certificates of his having attended Lectures in some School of Law recognized by the Senate for a period of three years in the whole.

3. Special provision is made for those Students who in the Session of 1856-57 were, or at any previous time had been, Members of the Law Classes in the Presidency College. All such shall be admitted to the Examination for the Degree of Bachelor of Law on the production of a Certificate that they have attended during a period of three years in the whole at the Lectures delivered in the Law Department of the Presidency College, or previous to its establishment, by the Law Professors in the Hindu College, Calcutta. The result of such Examination shall be recorded, but the Degree of Bachelor of Law shall itself not be conferred until the Candidate shall have obtained his Degree of Bachelor of Arts.

4. Every Candidate must apply to the Registrar at least fourteen days before the Examination begins; and with his application must produce the Certificates aforesaid.

5. A fee of twenty-five Rupees shall be paid by each Candidate, and no Candidate shall be admitted to the Examination, unless he have previously paid this fee to the Registrar. If a Candidate fail to pass the Examination, the fee shall not be returned to him. He may be admitted to any one or more subsequent

Examinations on payment of a like fee of twenty-five Rupees on each occasion.

6. The Examination shall be conducted entirely by means of printed papers.

7. Candidates for the Degree of Bachelor of Law shall be examined in the following subjects:—

I. The General Principles of Jurisprudence.

II. The several systems of Municipal Law which obtain in India, as they concern—

a.—Personal rights and status.

b.—The rights of property, the modes of its acquisition, and herein the Law of Contracts and Successions, as well testamentary as *ab intestato*.

c.—The Sanctions of Law, and herein the general Principles of Procedure, the Law of Evidence, and the Criminal Law.

8. The Examinations of the Candidates shall extend over three days, and shall be held in the morning from 10 to 1½, and in the afternoon from 2 to 5½.

9. There shall be six papers, namely:—

I.—*One Paper* on the general Principles of Jurisprudence

II.—*One Paper* on personal rights and status, and the infringement of such rights.

III.—*One Paper* on the rights of property, and the infringement of them, the modes of its acquisition, and the Law of Successions, as well testamentary as *ab intestato*.

IV.—*One Paper* on the Law of Contracts.

V.—*One Paper* on Procedure and the Law of Evidence.

VI.—*One Paper* on the Criminal Law.

10. On the morning of the second Monday, after the commencement of the Examination, the Examiners shall declare in alphabetical order the names of such of the Candidates as shall have passed.

EXAMINATION FOR HONORS.

11. Any Candidate who has passed the Examination for the ordinary Degree of B. L., may be examined for Honors.

12. The Examination shall commence on the morning of the third Monday after the commencement of the Examination for the Degree of Bachelor of Law, it shall extend over three days, and shall be held in the morning from 10 to 1½, and in the afternoon from 2 to 5½.

13. The Examination shall be conducted entirely by means of written papers.

14. Candidates for Honors shall be examined in two or more of the following Subjects, to be selected by the Candidates:—

a.—Hindoo and Mahomedan Law.

b.—Law of England as administered in the Supreme Courts.

c.—General Law as administered in the Courts of the East India Company.

d.—Mercantile Law.

e.—Roman Civil Law, as contained in the Institutes; and the Conflict of Laws.

f.—International Law.

15. A separate Paper shall be set on each of the six Subjects; and in addition to the two Subjects in which they must of necessity elect to be examined, Candidates shall be permitted to enter for all or for any number of the others.

16. In determining the relative position of Candidates, the Examiners shall have regard to the proficiency evinced by them at the B. L. Examination.

17. The Examiners shall publish, in the course of the ensuing week, lists of the Candidates who acquit themselves to the satisfaction of the Examiners, in the order of proficiency; Candidates shall be bracketed together, unless the Examiners are of opinion that there is a clear difference between them.

MEDICINE.

LICENTIATE IN MEDICINE AND SURGERY.

1. CANDIDATES for the Degree of Licentiate in Medicine and Surgery shall be required.

a.—To have been engaged during five years in their professional studies at a School of Medicine.

b.—To have passed the Entrance Examination of the Faculty of Arts in the University of Calcutta.

c.—To pass two Examinations.

FIRST EXAMINATION.

2. The first Examination shall take place once a year, shall commence in the third week of March, and shall be held only in Calcutta.

3. No Candidate shall be admitted to this Examination, unless he have produced Certificates to the following effect :—

a.—Of having completed his eighteenth year.

b.—Of having been engaged in Medical Studies for at least two academic years.

c.—Of having attended Courses of Lectures on the following subjects :—

| | | | |
|------------------------------------|--|----|---|
| Descriptive and Surgical Anatomy . | Two Courses, Each of at least 70 Lectures. | | |
| Chemistry | Two Courses, | 70 | „ |
| Botany | One Course, Of at least | 40 | „ |
| Materia Medica | One Course, | 70 | „ |
| Physiology | One Course, | 70 | „ |

Practical Chemical Exercises in testing the nature of ordinary poisons, and in examination of Animal Secretions and Urinary Deposits . } One Course.

Practical Pharmacy for at least three months, producing a Certificate of having acquired a practical knowledge of preparation and compounding of Medicines.

d.—Of having dissected during two Winter Terms, and of having completed at least Twelve Dissections during each of those Terms.

4. These Certificates shall be transmitted to the Registrar at least fourteen days before the Examination begins.

5. A fee of five Rupees shall be paid by each Candidate, and no Candidate shall be admitted to the Examination, unless he have previously paid this fee to the Registrar. If a Candidate fail to pass the Examination, the fee shall not be returned to him. He may be admitted to any one or more subsequent Examinations on payment of a like fee of five Rupees on each occasion.

6. The Examination shall be written, oral, and practical.

7. Candidates shall be examined in the following subjects :—

Descriptive and Surgical Anatomy.
Chemistry.
Botany.
Materia Medica and Pharmacy.

Practical Chemistry, so far as regards the testing of the presence and nature of ordinary poisons, and the examination of Animal Secretions and Urinary Deposits.

8. The days and hours of the Examinations shall be publicly notified at least one fortnight before they are held.

9. At the end of one week from the day of the last Examination, the Examiners shall arrange the successful Candidates in two divisions, whereof the first shall be arranged in order of merit and the second in alphabetical order.

10. If, in the opinion of the Examiners, sufficient merit be evinced, the Candidate who shall distinguish himself the most in Descriptive and Surgical Anatomy, the Candidate who shall distinguish himself the most in Chemistry, the Candidate who shall distinguish himself the most in Materia Medica and Pharmaceutical Chemistry, and the Candidate who shall distinguish himself the most in Botany, shall each receive a Scholarship of sixteen Rupees a month for the next three years.

11. No Candidate shall receive more than one such Scholarship, and if any Candidate shall be the most distinguished in more than one of the above-mentioned subjects, the Examiners may award a like Scholarship to the Candidate who shall have passed the second-best Examination in any such subject, provided they think that he has evinced sufficient merit.

SECOND EXAMINATION.

12. The second Examination shall take place once a year, shall commence in the third week of March, and shall be held only in Calcutta.

13. No Candidate shall be admitted to this Examination within three years of the time of his passing the first Examination, nor unless he have produced Certificates to the following effect :—

a.—Of having passed the first Examination.

b.—Of having subsequently to having passed the first Examination, attended Lectures on :—

| | | | | |
|---|-------------------------|----|------------------|--------------|
| Comparative Anatomy .. | One Course, | .. | Of at least | 40 Lectures. |
| General Anatomy and Physiology .. | } One Course, | .. | " | 70 " |
| Medicine (including Hygiene and General Pathology) .. | } Two Courses, | | Each of at least | 70 " |
| Surgery .. | Two Courses, | .. | " | 70 " |
| Diseases of the Eye .. | One Course of 6 months, | | Of at least | 20 " |
| Midwifery .. | Two Courses, | | Each of at least | 70 " |
| Medical Jurisprudence .. | One Course, | .. | Of at least, | 50 " |

c.—Of having subsequently to having passed the first Examination dissected during one Winter Term, and of having performed operations on the dead subject during the other : the Certificate of the latter to state the number and nature of the operations so performed.

d.—Of having conducted at least six Labors.

Certificates on this subject will be received from any legally qualified Practitioner in Medicine.

e.—Of having attended Hospital Practice for a period of three years in the following manner, viz :—

Three months of attendance at the Out-door Dispensary of a recognized Hospital or Hospitals.

Fifteen months of attendance at the Surgical Practice of a recognized Hospital or Hospitals, and Lectures on Clinical Surgery during such attendance.

Fifteen months of attendance at the Medical Practice of a recognized Hospital or Hospitals, and Lectures on Clinical Medicine during such attendance.

Three months of attendance at the practice of an Eye Infirmary.

f.—The Candidate shall produce Reports of six Medical and of six Surgical Cases, drawn up and written by himself, during his period of service as Clinical Clerk and Dresser.

The said cases to be duly authenticated by the Professors attached to the Hospital.

g.—The Candidate shall also produce a Certificate of general character and conduct from a Teacher, as far as the Teacher's opportunity of knowledge has extended.

14. These Certificates shall be transmitted to the Registrar at least fourteen days before the Examination begins.

15. The fee for this Examination shall be twenty-five Rupees. No Candidate shall be admitted unless he have previously paid this fee to the Registrar. If a Candidate fail to pass the Examination, the fee shall not be returned to him. He may be admitted to any one or more subsequent Examinations on payment of a like fee of twenty-five Rupees on each occasion.

16. The Examination shall be written, oral, and practical.

17. Candidates shall be examined in the following subjects:—

Physiology.

N. B.—The Papers in Physiology include questions in Comparative Anatomy.

General Pathology.

General Therapeutics.

Hygiene.

Surgery (including Diseases of the Eye.)

Medicine.

Midwifery.

Medical Jurisprudence.

18. The days and hours of the Examinations shall be publicly notified at least one fortnight before they are held.

19. The Practical (Clinical) Examination in Medicine and Surgery shall be conducted in the Wards of a Hospital by the Examiners of those Branches.

20. In Medicine and Surgery, each Candidate shall be required to examine, diagnose, and treat six cases of Acute or Chronic Diseases, to be selected by the Examiners; to draw up careful histories of those cases, and to perform and report in detail necroscopical examinations, should any of the selected cases end fatally. Should none so terminate, the *post-mortem* examination of any other cases that may have died in Hospital shall be performed and reported by the Candidates.

21. The Candidates shall in addition perform such of the minor operations of Surgery as may be required in the Out-door Dispensary of the Hospital at the time of the Examination, and as the Examiners may select.

22. They shall also each perform three capital operations upon the dead subject, after detailing to the Examiners the pathological conditions in which such operations are necessary, the different modes of operation adopted, and their reasons for preferring any particular mode of procedure.

23. They shall also apply apparatus for great surgical injuries, and explain the objects to be attained by them, as well as the best manner of effecting those objects.

24. They shall also, in the Medical Wards, examine morbid products chemically and by the aid of the Microscope, in the presence of the Examiners, demonstrating the results obtained.

25. On Monday, in the week following the conclusion of the Clinical Examination, the Examiners shall arrange in two divisions, each in alphabetical order, such of the Candidates as have passed, and a Certificate, under the Seal of the University and signed by the Chancellor, shall be delivered to each Candidate.

26. Such Candidates only as, in the opinion of the Examiners, are admissible to the Examination for Honors, shall be placed in the first division.

EXAMINATION FOR HONORS.

27. Any Candidate, who has been placed in the first division at the Second Examination, may be examined for Honors in any or all of the following subjects:—

Physiology and Comparative Anatomy.

Candidates may illustrate their answers by sketching the parts they describe.

Surgery.

Medicine.

Midwifery.

Medical Jurisprudence.

28. The Examination shall take place in the week following the completion of the Second Examination. They shall be conducted by means of printed papers and practical tests, and Examiners shall not be precluded from putting *viva voce* questions upon the

written answers of the Candidates, when they appear to require explanation.

29. The Examinations shall be conducted in such order as will be made known annually by the Senate of the University.

30. In determining the relative position of the Candidates, the Examiners shall have regard to the proficiency evinced by the Candidates in the same subjects, at the Pass Examination.

31. Candidates who pass the Examination and acquit themselves to the satisfaction of the Examiners, shall be arranged according to the several subjects, and according to their proficiency in each; and Candidates shall be bracketed together, unless the Examiners are of opinion that there is a clear difference between them.

32. If, in the opinion of the Examiners, sufficient merit be evinced, the Candidate who shall distinguish himself the most in Physiology and Comparative Anatomy, the Candidate who shall distinguish himself the most in Surgery, and the Candidate who shall distinguish himself the most in Medicine, shall each receive a Scholarship of forty Rupees per mensem for the next two years, with the style of University Medical Scholar. No Candidate shall receive more than one such Scholarship, and if any Candidate shall be the most distinguished in more than one of the above-mentioned subjects, the Examiners may award a like Scholarship to the Candidate who shall have passed the second-best Examination in any such subject, provided they consider that he has evinced sufficient merit.

DOCTOR OF MEDICINE.

33. The Examination for the Degree of Doctor of Medicine shall take place once a year, and commence on the first Monday in December.

34. No Candidate shall be admitted to this Examination unless he have produced Certificates to the following effect:—

a.—Of having attained the Degree of Bachelor of Arts in this or any other University; of having been engaged two years in the study or practice of the profession, subsequent to his having taken the Degree of Licentiate in Medicine and Surgery in this University, or a Degree in Medicine or in Surgery at a University, the Degrees granted by which are recognized by the Senate of this University.

b—Of moral character, signed by two persons of respectability.

35. Candidates shall be examined in the following subjects:—

Medicine, including Practice of Physic, Surgery, and Midwifery.

36. The Examinations shall be conducted by means of printed papers and *vivâ voce* interrogations.

37. The Examinations shall be conducted in such order as will be made known annually by the Senate of the University.

38. On Monday morning in the following week, the Examiners shall arrange in two divisions, each in alphabetical order, such of the Candidates as shall have passed, and a Certificate, under the Seal of the University and signed by the Chancellor, shall be delivered to each Candidate.

CIVIL ENGINEERING.

MASTER OF CIVIL ENGINEERING.

1. THE Examination for the Degree of Master of Civil Engineering shall take place once a year, shall commence on the first Monday in March, and shall be held only in Calcutta.

2. No Candidate shall be admitted to the Examination for the Degree of M. C. E. until after the expiration of one academical year from the time of his obtaining the Degree of B. A. in one or other of the Indian or European Universities, and until he produce Certificates of having passed four years in the study and practice of the profession, and that of such four years two have been passed in actual professional practice under an Engineer in charge of works.

3. Every Candidate must apply to the Registrar at least fourteen days before the Examination begins, and with his application must produce the Certificates aforesaid.

4. A fee of twenty-five Rupees shall be paid by each Candidate, and no Candidate shall be admitted to the Examination unless he have previously paid this fee to the Registrar. If a Candidate fail to pass the Examination, the fee shall not be returned to him. He may be admitted to any one or more subsequent Examinations on payment of a like fee of twenty-five Rupees on each occasion.

5. The Examination shall be conducted chiefly by means of printed papers.

6. Candidates for the Degree of Master of Civil Engineering shall be examined in the following subjects:—

MATHEMATICS.

Spherical Trigonometry, as applied to Geodesy.

Composition and Resolution of Forces.

Equilibrium of Arches.

Strength and Stress of Material.

NATURAL PHILOSOPHY.

Steam, its power, properties, and various applications.

Fuel of various kinds, estimation of calorific power; Electricity, and the various appliances for making it economically useful.

Meteorology .. } especially of India.
Physical Geography }

Chemistry, as applicable to Cements and other materials; conditions and effects of fermentation, causes of decay and preservatory processes.

Geology .. { The nature of soils and earths, the selection
Mineralogy { of building and road materials, influence of
Geological structure on drainage, on cuttings, on embankments. &c.

Botany—vegetable products, timber, fibres, oils.

Hydrodynamics and Theory of Rivers.

ARCHITECTURE

The Classic orders and their parts, their application, principles of composition.

Styles { Peculiarities of different styles, and the principles
which regulate their adoption.

PRACTICAL SCIENCE.

Drawing in all its branches, geometrical, perspective and isometrical.

Hydrography.

Machinery and Mill-work.

Animal power.

Various Mechanical Arts, *viz*, carpentry, building, smith-work, iron-founding, and forging.

Preparation of material.

Brick-making,

Lime-burning.

Pottery.

Modelling.

Timber-cutting.

Artificial Foundations.

Specifications, Contracts, &c.

7. There shall be Eight Papers of questions, *namely*:—

Two Papers on Mathematics.

Two Papers on Natural Philosophy.

One Paper on Architecture.

Two Papers on Practical Science.

One General Paper on all the subjects of Examination.

8. The examination of the Candidates shall extend over four days, and shall be held in the morning from 10 to 1½, and in the afternoon from 2 to 5½.

9. On the morning of the second Monday after the commencement of the Examination, the Examiners shall arrange in two divisions, each in alphabetical order, such of the Candidates as shall have passed.

EXAMINATION FOR HONORS.

10. Any Candidate who has been placed in the first of the two divisions, may be examined for Honors.

11. The Examination shall commence in the morning of the third Monday after the commencement of the ordinary Examination.

12. Candidates for Honors shall be examined in the same subjects as those for the ordinary Examination, but with a view to test their higher proficiency in them.

13. There shall be four papers of Questions, and the Examination shall extend over two days, being held in the morning from 10 to 1½, and in the afternoon from 2 to 5½.

14. On the morning of the second Monday after the commencement of the Examination, the Examiners shall arrange in three divisions, each in the order of merit, such of the Candidates as shall have passed.

V.

SUBJECTS IN LANGUAGES FOR THE ENTRANCE EXAMINATION OF MARCH, 1859.

English.

| | | |
|------------|----|-------------------------|
| Goldsmith | .. | Vicar of Wakefield. |
| Johnson | .. | Vanity of Human Wishes. |
| Parnell .. | .. | The Hermit. |

Greek.

Homer's Iliad, Books I, II and III.
Xenophon Cyropædia, Books I and II.

Latin.

Horace, Odes, Book III.
Sallust, Jugurtha.

Hebrew.

Book of Genesis.

Arabic.

Alif Laila.
Nafhat-al-Yaman.

Persian.

Gulistan.
Bostan.

68 SUBJECTS IN LANGUAGES—ENTRANCE IN 1859.

Sanscrit.

Raghuvansa.

Kumar Sumbhava.

Bengali.

Life of Raja Krishna Chunder Roy.

Ramayun.

Hindi.

The Ramayun.

Oordoo.

Bagh-o-Bahar and Gul-i-bakawali.

Oorya.

Bishnu Surma's Hitopodesh.

SUBJECTS IN LANGUAGES FOR THE
ENTRANCE EXAMINATION OF
DECEMBER, 1859.

*English.**

Thomson. .

Winter.

Heber . . *

Passage of the Red Sea.

Johnson . .

Rasselas.

Herschel. .

Natural Philosophy, Part 1st,
3rd Chapter.

Paley . .

Natural Theology, Chapter XII,
(last Edition.)

Todd . .

Student's Guide, Chapter 1st.

Greek.

Homer

Iliad, Books IV and V.

Xenophon . .

Books I and II.

* These Selections, contained in a single Volume, may be had at the British Library, Calcutta, for one Rupee a copy.

| | | |
|----------------------------|-------|---|
| | | <i>Latin.</i> |
| Cæsar | .. | From the beginning of the 20th
Chapter of Book IV to the
end of Book V. |
| Virgil | | <i>Æneid</i> , Book VI. |
| | | <i>Hebrew.</i> |
| Book of Genesis. | . | |
| | | <i>Arabic.</i> |
| Alif Laila. | | |
| Nafhat-al-Yaman. | | |
| | | <i>Persian.</i> |
| Gulistan. | | |
| Bostan. | | |
| | | <i>Sanscrit.</i> |
| Raghuvansa. | | |
| Kumar Sumbhava. | | |
| | | <i>Bengali.</i> |
| Jibun Churitra | .. | Lives of Duval, Grotius and
Herschel. |
| Telemachus | .. | Books I, II and III. |
| Sakoontola | .. | 4th, 5th, 6th and 7th Chapters. |
| Mahabharat | .. | Pages 131 to 142 of the 1st
Volume. |
| | | <i>Hindee.</i> |
| The Ramayun. | | |
| | | <i>Oordoo.</i> |
| Bagh-o-Bahar. | | |
| | | <i>Oorya.</i> |
| Bishnu Surma's Hitopodesh. | | |
| | | <i>Burmese.</i> |
| The Thoodhamma Tsarie. | | |
| The Dhamma Pada. | | |

SUBJECTS IN LANGUAGES FOR THE B. A. EXAMINATION, 1859.

English.

| | |
|------------------------|---|
| Milton's Paradise Lost | Books I to VI inclusive. |
| Pope | Essay on Criticism. |
| Gray | As contained in Richard-
son's Selections. |
| Defoe | History of the Plague. |
| . | <div style="display: inline-block; vertical-align: middle; font-size: 4em; line-height: 1;"> { </div> |
| Macaulay's Essays | |
| | |
| | |

Greek.

| | |
|-------------|---------------|
| Demosthenes | .. De Coronâ. |
| Æschines | .. De Coronâ. |
| Euripides | .. Medea. |

Latin.

| | |
|---------|---|
| Horace | .. { Odes, Books I to IV, in-
clusive. |
| Tacitus | .. { Agricola.
Germania. |

Hebrew.

Genesis, with the Targum of Onkelos, on the last
Nine Chapters.
Isaiah XL—LXVI.
Psalms XLII—LXXXIX.
Job.

Arabic.

Ikhwân-al-Safa, Soyuti's Tarîkh-al-Kholfa.

Persian.

Sekandar Nameh, Abu-al-Fazl's Letters.

Sanscrit.

Kiratarjuniya, Viracharita.

Bengali.

Probodh Chandrika, Ramayun, Books I, II, III.

Hindee.

Tulsee Krit Ramayun, (The Balkhand and Ayodhya-khand.) Subha-bilas.

Urdu.

Bagh-o-Bahar, Davan-i-Souda. (Kasseedah's.)

Oorya.

Bishnu Surma's Hitopodesh.

SUBJECTS IN LANGUAGES FOR THE B. A.
EXAMINATION, 1860.

English.

Shakespeare

.. Julius Cæsar.

.. { As in Richardson's Se-
lections.

Scott

Marmion.

Johnson ..

.. { Lives of—1. Milton, 2.
Dryden, 3. Addison, 4.
Pope, 5. Swift.

Greek.

Sophocles

.. Ajax.

Herodotus

.. Book II. Euterpe.

Latin.

Virgil Georgics, Books I and II.
Cicero In Verrem.

Hebrew.

Deuteronomy Daniel I.—VII.
Isaiah XXXIX. Proverbs.
Psalms I.—XLI.

Arabic.

Ikhwán-al-Safa, Soyuti's Taríkh-al-Kholfa.

Persian.

Sekandar Nameh, Abu-al-Fazl's Letters.

Sanscrit.

Kiratarjuniya, Viracharita.

Bengali.

Butrish Singhasan, Purush Parikhya, Mahabharat,
Books I to III.

Hindee.

Tulsee Krit Ramayun (Balkhand and Ayodhya-
khand.) Subha-bilas.

Urdu.

Bagh-o-Bahar, Davan-i-Souda (Kassedah's.)

Oorya.

Bishnn Surma's Hitopodesh.

N. B. For subjects in other branches see the regulations preced-
ing as to Arts.

VI.

THE UNIVERSITY.

THE SENATE.

CHANCELLOR.

The Right Hon'ble Charles John Viscount Canning.

VICE-CHANCELLOR.

The Hon'ble Sir J. W. Colville, *Kt.*

FELLOWS.

The Hon'ble the Lieut.-Governor of
Bengal,

The Hon'ble the Lieut.-Governor N.
W. Provinces,

The Right Rev. the Lord Bishop of
Calcutta,

The Hon'ble the Commander-in-Chief } *Ex-Officio:*
of the Forces in India,

The Hon'ble J. P. Grant,

The Hon'ble Barnes Peacock,

The Hon'ble H. Ricketts,

The Hon'ble General Sir J. Outram. }

C. B. Trevor, Esq.

Prince Golam Muhammad.

W. Ritchie, Esq.
Cecil Beadon, Esq.
Col. H. Goodwyn.
W. Gordon Young, Esq.
Lt. Col. A. S. Waugh.
Hodgson Pratt, Esq.
T. Thomson, Esq., M.D.
F. J. Mouat, Esq., M.D.
Capt. W. N. Lees.
The Rev. W. Kay, D.D.
The Rev. A. Duff, D.D.
T. Oldham, Esq.
H. Woodrow, Esq.
J. Sutcliffe, Esq.
Baboo Prosonno Coomar Tagore.
Baboo Ramapersaud Roy.
The Rev. J. Mullens.
The Rev. J. Ogilvie.
Moulvie Mohammed Wuzeeh.
Pundit Eshwar Chunder Bidyasagur.
Baboo Ramgopaul Ghose.
A. Grant, Esq., M.D.
H. S. Reid, Esq.
W. D. Arnold, Esq.
E. Goodeve, Esq., M.D.
W. C. B. Eatwell, Esq., M.D.
Capt. E. C. S. Williams.
Geo. Turnbull, Esq.
Capt. H. Yule.
E. Lodge, Esq.
Geo. Smith, Esq.

THE SYNDICATE.

President.

The Hon'ble Sir J. W. Colville, Vice-Chancellor.

Members.

Cecil Beadon, Esq.

W. Gordon Young, Esq.

The Rev. A. Duff, D. D.

W. Ritchie, Esq.

A. Grant, Esq, M.D.

Captain E. C. S. Williams.

THE FACULTY OF ARTS.

President.

The Rev. A. Duff, D.D.

Members.

| | |
|---------------------------------|----------------------|
| The Right Rev. the Lord Bishop, | } <i>Ex-Officio.</i> |
| The Hon'ble J. P. Grant, | |
| Prince Golam Mohammed, | |

Cecil Beadon, Esq.

W. Gordon Young, Esq.

Capt. W. N. Lees.

The Rev. W. Kay, D.D.

The Rev. J. Mullens.

The Rev. J. Ogilvie.

H. Woodrow, Esq.

J. Sutcliffe, Esq.

Baboo Ramgopaul Ghose.

Pundit Eshwar Chunder Bidyasagur.

H. S. Reid, Esq.
 W. D. Arnold, Esq.
 T. Oldham, Esq.
 E. Lodge, Esq.
 Geo. Smith, Esq.

THE FACULTY OF LAW.

President.

The Hon'ble Sir J. W. Colville, } *Ex-Officio.*

Members.

The Hon'ble Barnes Peacock, } *Ex-Officio.*
 W. Ritchie, Esq.
 C. B. Trevor, Esq.
 Baboo Prosunno Coomar Tagore.
 Baboo Ramapersaud Roy.
 H. Pratt, Esq.
 Moulvie Mohammed Wuzeeh.

THE FACULTY OF MEDICINE.

President.

A. Grant, Esq., M.D.

Members.

The Hon'ble the Lieut.-Governor of } *Ex-Officio.*
 Bengal,
 F. J. Mouat, Esq., M.D.
 T. Thomson, Esq., M.D.
 E. Goodeve, Esq., M.D.
 W. C. B. Eatwell, Esq., M.D.

THE FACULTY OF CIVIL ENGINEERING.

President.

The Hon'ble H. Ricketts.

Members.

The Commander-in-Chief, } *Ex-Officio.*

Col. H. Goodwyn.

Col. A. S. Waugh.

T. Oldham, Esq.

Geo. Turnbull, Esq.

Captain E. C. S. Williams.

Capt. H. Yule.

*Registrar.**

W. Grapel, Esq., M.A.

EXAMINERS—1858.

ARTS.

| | | |
|----------------------|--|---|
| <i>I. Languages,</i> | English, Greek,
and Latin, | { W. Grapel, Esq.,
M.A., Prof., Presi-
dency College. |
| | Persian, Urdu,
and Arabic, | { Capt. W. N.,
Lees, Principal,
Mudrissa College. |
| | Sanskrit, Benga-
lee, Hindee,
and Oorya, | { Pundit Eshwar
Chandra Bidya-
sagur, Principal,
Sanskrit College. |

* Mr. Grapel having resigned, H. Scott-Smith, Esq., A.B. has been appointed in his place.

- II. *History and Geography*, .. { E. B. Cowell, Esq.,
M.A., Prof., Presi-
dency College.
- III. *Mathematics and Natural
Philosophy*, .. { The Rev. T. Smith,
Prof., Free-Church
Inst.
- IV. *Natural History and Physi-
cal Sciences*, .. { H. Scott Smith,
Esq., B.A., Prof.,
Civil Eng. Coll.
- V. *Mental and Moral Sciences*, { The Rev. A. Duff,
D.D.

LAW.

W. A. Montriou, Esq.,
W. Grapel, Esq., M.A.

MEDICINE.

Descriptive and Surgical Anatomy.—J. Harrison,
Esq., M.D.
Materia Medica.—S. G. Chuckerbutty, Esq., M. D.
Chemistry.—F. N. Macnamara, Esq., M. D.
Botany.—T. Thomson, Esq., M. D.

INSTITUTIONS AFFILIATED WITH THE
UNIVERSITY.

(*Connected with Government.*)

1. Presidency College, (General and Law Depts.),
Calcutta.
2. Medical College, Calcutta.
3. Civil Engineering College, Calcutta.

4. Hooghly College, Hooghly.
5. Dacca College, Dacca.
6. Kishnagur College, Kishnagur.
7. Berhampore College, Berhampore.

(Unconnected with Government.)

8. Doveton College, Calcutta.
9. St. Paul's School, Calcutta.
10. Free Church Institution, Calcutta.
11. La Martinière College, Calcutta.
12. London Missionary Society's Ins., Bhowanipore.
13. Serampore College, Serampore.

AFFILIATION.

All Applications for Affiliation must be accompanied with, viz :—

1. A statement shewing the present instructive Staff, and the course of Study in all branches during the last two years at least, provided the Institution have existed for such a period.

2. A declaration from the Managers, Principal, or Head Master, that the Institution has the means of educating up to the Standard of the B. A. Degree ; and such declaration, before being sent to the Registrar for the ratification of the Senate, must be countersigned by at least two members of the Senate.

GRADUATES.

GRADUATES WHO HAVE PASSED THE B. A. EXAMINATION,

SECOND DIVISION.

Bunkim Chunder Chatterjea, 1858 Presy. Coll. (Law Dept.)
 Judunath Bose, .. 1858 Presy. Coll. (Genl. Dept.)

CANDIDATES WHO HAVE PASSED THE B. L. EXAMINATION AND
 WILL BE ENTITLED TO THE DEGREE SO SOON AS THEY PASS
 THE B. A. EXAMINATION.

Amrit Loll Banerjea, . 1858 Presy. Coll. (Law Dept.)
 Ashootosh Dhur, .. 1858 Presy. Coll. (Law Dept.)
 Dwarkanath Chuckerbutty, .. 1858 Presy. Coll. (Law Dept.)
 Forbes, Thomas, .. 1858 Presy. Coll. (Law Dept.)
 Greeja Sunker Doss, .. 1858 Presy. Coll. (Law Dept.)
 Hurryhur Mookerjea, .. 1858 Presy. Coll. (Law Dept.)
 Kadernath Chatterjea, .. 1858 Presy. Coll. (Law Dept.)
 Nilmadhub Bose, .. 1858 Presy. Coll. (Law Dept.)
 Probha Chunder Ghose, . 1858 Presy. Coll. (Law Dept.)
 Rutten Loll Ghose, 1858 Presy. Coll. (Law Dept.)
 Sreenath Mitter, .. 1858 Presy. Coll. (Law Dept.)

UNDER-GRADUATES.

UNDER-GRADUATES WHO HAVE PASSED THE FIRST EXAMINATION
 IN MEDICINE.

FIRST DIVISION.

Bensley, E. C., .. 1857 Cal. Medical College.
 Daly, J., .. 1857 Cal. Medical College.
 Doorgadoss Roy, .. 1858 Cal. Medical College.
 Gopaul Chunder Dutt, .. 1857 Cal. Medical College.
 Kopeeshar Chowdhry, .. 1858 Cal. Medical College.
 Khetter Mohun Mitter, . 1857 Cal. Medical College.
 Luckhenarain Roy, .. 1858 Cal. Medical College.
 Mackertich, S., .. 1857 Cal. Medical College.
 McReddie, G. D., .. 1858 Cal. Medical College.

| | | | |
|-------------------------|----|------|-----------------------|
| Mohendrololl Sirkar, | .. | 1858 | Cal. Medical College. |
| Nobin Chunder Mitter, | . | 1858 | Cal. Medical College. |
| Obhoy Churn Bugche, | .. | 1858 | Cal. Medical College. |
| Oma Churn Mitter, | .. | 1858 | Cal. Medical College. |
| Rajkristo Banerjea, | .. | 1858 | Cal. Medical College. |
| Vanderstraatten, W. J , | .. | 1857 | Cal. Medical College. |

SECOND DIVISION.

| | | |
|----------------------------|---------|--------------------------|
| Anundo Chunder Mookerjea, | 1857 | Cal. Medical College. |
| Anund Chunder Sen, | .. 1858 | Cal. Medical College. |
| Beepenbehary Bose, | .. 1857 | Cal. Medical College. |
| Bholanath Mullic, | . 1858 | Cal. Medical College. |
| Bhoobun Mohun Chatterjea, | 1858 | Cal. Medical College |
| Bhoobun Mohun Mitter, | . 1857 | Cal. Medical College. |
| Bhoobun Mohun Sirkar, | 1858 | Cal. Medical College. |
| Cally Brommo Banerjea, | .. 1858 | Cal. Medical College. |
| Dhurmodoss Bose, | .. 1858 | Cal. Medical College. |
| Guddadhur Ghose, | .. 1858 | Cal. Medical College. |
| Gungádhur Kurmocar, | . 1858 | Cal. Medical College. |
| Hoff, G , | .. 1858 | Cal. Medical College. |
| Hurris Chunder Banerjea, | .. 1858 | Cal. Medical College. |
| Kaleeprossunno Mitter, | 1858 | Cal. Medical College. |
| Nim Chunder Goopto, | .. 1857 | Cal. Medical College. |
| Poorno Chunder Bysack, | . 1858 | Cal. Medical College. |
| Radhicapersaud Chatterjea, | .. 1858 | Cal. Medical College. |
| Rajkristo Ghosaul, | . 1857 | Cal. Medical College. |
| Ramloll Ghose, | .. 1858 | Cal. Medical College. |
| Sumbho Chunder Goopto, | .. 1858 | Cal. Medical College. |
| Tariney Churn Dutt, | 1857 | Cal. Medical College. .. |

UNDER-GRADUATES.

WHO HAVE PASSED THE ENTRANCE EXAMINATION.

FIRST DIVISION.

| | | |
|----------------|---------|--------------------|
| Abdool Jubber, | . 1857 | Calcutta Mudrissa. |
| Abdool Razack, | .. 1857 | Calcutta Mudrissa. |

82 UNDER-GRADUATES.—ENTRANCE EXAMINATION.

| | | | |
|-----------------------------------|----|------|-----------------------------------|
| Abdool Rohaman, | .. | 1857 | Calcutta Mudrissa. |
| Ahmed, | .. | 1857 | Calcutta Mudrissa. |
| Ankund Coomar Subbadhi- | | | |
| carry, | | 1857 | Presidency College. |
| Ankund Loll Roy, | .. | 1858 | Presidency College. |
| Arratoon, J. H. W., | .. | 1857 | La Martinière. |
| Ashootosh Mookerjea, | .. | 1858 | Presidency College. |
| Bhoirub Chunder Banerjea, | .. | 1857 | Hindu School. |
| Bhoirub Chunder Bose, | .. | 1857 | Free Church Instn. |
| Bholanath Banerjea, | . | 1857 | Civil Engineering Coll. |
| Bholanath Dutt, | .. | 1857 | Hindu School. |
| Bholanath Paul, | .. | 1858 | H. Master, Ranag ^t Sch |
| Bhoobun Chunder Mookerjea, | | 1858 | Presidency College. |
| Bhugwan Chunder Bose, | .. | 1858 | Hd. Master Mym ^s Sch. |
| Bhugwan C. Chuckerbutty, | . | 1857 | Dacca College. |
| Biprodass Banerjea, | .. | 1858 | Chittagong School. |
| Biresbur Bose, | | 1857 | Presidency College |
| Biresbur Mitter, | .. | 1857 | Hindu School. |
| Boikantonath Dey, | | 1857 | Presidency College. |
| Boikantonath Paul, | . | 1857 | Hindu School. |
| Bonomally Dutt, | .. | 1857 | Colootollah Branch Sch. |
| Brojindro Coomar Banerjea, | .. | 1857 | Serampore College. |
| Brojo Mohun Roy, | .. | 1857 | Dacca College. |
| Budry Doss, | . | 1857 | Delhi College. |
| Bunkim Chunder Chatterjea, | | 1857 | Presidency College. |
| Busunto Coomar Ghose, | . | 1857 | Jessore School. |
| Cally Churn Ghose, | .. | 1857 | Presidency College. |
| Cally Krishna Ghose, | . | 1857 | Genl. Assembly's Inst |
| Callynath Dey, | .. | 1857 | Dacca College. |
| Chunder Madhub Ghose, | | 1857 | Presidency College |
| Chundi Churn Bose, | .. | 1857 | Dacca College. |
| Chundoo Loll, | .. | 1857 | Delhi College. |
| Deare, W., | .. | 1857 | St. Paul's School. |
| Debendernarain Bose, | .. | 1857 | Presidency College. |
| DeCruz, H., | .. | 1857 | Doveton College. |
| DeCruz, L. W., | .. | 1857 | Doveton College. |
| DeCruz, R., | | 1857 | Doveton College. |
| De Liviera, H., | .. | 1857 | Bishop's College |
| Denonath Sen, | .. | 1858 | Dacca College & School. |

UNDER-GRADUATES.—ENTRANCE EXAMINATION.

| | | | |
|----------------------------|----|------|--|
| Dwarkanath Banerjea, | .. | 1857 | Presidency College. |
| ✓Dwarkanath Bhattacharjea, | .. | 1857 | Teacher Otterparah Sch. |
| Dwarkanath Bysack, | .. | 1857 | Colootollah Branch Sch. |
| Dwarkanath Dey, | .. | 1857 | Head Master Garden Reach aided School. |
| Dwarkanath Roy, | .. | 1857 | Dacca College. |
| Evans, R. W., | .. | 1857 | Bishop's College. |
| Gilbert, Edwin, | .. | 1858 | Patna High School. |
| Gopaul Chunder Banerjea, | .. | 1858 | Chittagong School. |
| Gopaul C. Chuckerbutty, | .. | 1858 | Presidency College. |
| Gooroodoyal Sing, | .. | 1857 | Teacher, Sanskrit Coll. |
| Gour Mohun Bysack, | .. | 1857 | Dacca College. |
| Govind Chunder Mitter, | .. | 1858 | Berhampore College. |
| Gray, H. D. | .. | 1857 | Doveton College. |
| Greesh Chunder Coondoo, | .. | 1857 | Colootollah Branch Sch. |
| Gungapersaud Mokerjea, | .. | 1857 | Colootollah Branch Sch. |
| Gunendernath Tagore, | .. | 1857 | Hindu School |
| ✓Hem Chunder Banerjea, | .. | 1857 | Otterparah School. |
| Heraloll Banerjea, | .. | 1857 | Hindu School. |
| Hurrololl Roy, | .. | 1858 | Colootollah Branch Sch. |
| Ishan Chunder Ghose, | .. | 1857 | Free Church Inst. |
| Ishan Chunder Sing, | .. | 1857 | Free Church Inst. |
| Ishen Chunder Nundee, | .. | 1857 | Teacher Hindu Charitable Institution. |
| Isher Chunder Naug, | .. | 1857 | Dacca College. |
| Isser Chunder Bose, | .. | 1858 | Chittagong School. |
| Jadub C. Chuckerbutty, | .. | 1858 | Dacca College and Sch. |
| Jadub Chunder Doss, | .. | 1857 | Burdu. Maharajh's Sch. |
| Janokinath Sein, | .. | 1857 | Colootollah Branch Sch. |
| Joggender Chunder Ghose, | .. | 1857 | Hindu School. |
| Judunath Bose, | .. | 1857 | Presidency College. |
| Juggesher Mookerjea, | .. | 1858 | Metropolitan College. |
| Kallachand Holdar, | .. | 1857 | Presidency College. |
| Kally Churn Chatterjea, | .. | 1858 | Burrisal School. |
| Kally Mohun Goopto, | .. | 1857 | Presidency College. |
| Kasseenath Mookerjea, | .. | 1857 | Dacca College. |
| Khetternath Bhattacharjea, | .. | 1857 | Civil Engineering Coll. |
| Khetter Pal Doss, | .. | 1857 | Baraset School. |
| Khettersad Mookerjea, | .. | 1858 | Presidency College. |

84 UNDER-GRADUATES.—ENTRANCE EXAMINATION.

| | | | |
|----------------------------|------|--------------------------|--------------------------|
| Kisto Chunder Roy, | .. | 1857 | Presidency College. |
| Kisto Kamul Bhutticharjea, | 1857 | Sanskrit College. | • |
| Kisto Mohun Mookerjea, | .. | 1857 | Hindu School. |
| Lall Gopaul Dutt, | .. | 1858 | Presidency College. |
| Lethbridge, W. M., | .. | 1857 | Bishop's College. |
| Lolit Mohun Chatterjea, | .. | 1857 | Doveton College. |
| Lukhi Chunder Doss, | .. | 1857 | Chittagong School. |
| Mohammed Ali, | .. | 1857 | Calcutta Mudrissa. |
| Mohammed Azghur, | .. | 1858 | Dacca College and Sch. |
| Mohendar Chunder Dutt, | .. | 1857 | Hindu School. |
| Mohendronath Bose. | .. | 1857 | Presidency College. |
| Mohendronath Mitter, | .. | 1857 | Hindu School. |
| Mohiney Mohun Roy, | .. | 1857 | Presidency College. |
| Mothooranath Burmono, | .. | 1858 | Medical College, |
| Mutty Loll Mookerjea, | .. | 1858 | Privately Educated. |
| Mutty Lall Sircar, | .. | 1858 | Kishnar. College & Sch] |
| Nil Madhub Mitter, | .. | 1857 | Free Church Inst. |
| Nilmoney Banerjea, | .. | 1857 | Presidency College. |
| Nilmoney Coowar, | .. | 1858 | Presidency College. |
| Nittanund Nundee, | .. | 1857 | Genl. Assembly's Inst. |
| Nobin Chunder Dey, | .. | 1857 | Colootollah Branch Sch. |
| Nullitbullub Seal, | .. | 1858 | Presidency College. |
| Nundo C. Bhutticharjea, | .. | 1857 | Baraset School. |
| Oma Churn Addy, | .. | 1857 | Colootollah Branch Sch. |
| Oma Churn Dutt, | .. | 1857 | Chittagong School. |
| Omesh Chunder Sirkar, | .. | 1857 | Cal. Free Church Inst. |
| Omritololl Mitter, | .. | 1857 | Hindu School. |
| Opendronath Mitter, | .. | 1857 | Colootollah Branch Sch. |
| Parbutty Churn Roy, | .. | 1858 | Dacca College and Sch. |
| Parbutty Coomar Mitter, | .. | 1857 | Presidency College. |
| Partridge, S. C., | .. | 1857 | Doveton College. |
| Philips, A., | .. | 1857 | La Martinière. |
| Phillips, D. H. | .. | 1857 | Doveton College. |
| Preonath Dutt, | .. | 1857 | Presidency College. |
| Prosunno Coomar Doss, | .. | 1857 | Chittagong School. |
| Prosunno Coomar Sen, | .. | 1857 | Lon. Miss. Socy.'s Inst. |
| Protab Chunder Chatterjea, | .. | 1857 | Presidency College. |
| Radhabinode Dutt, | 1857 | Burdwan Maharajah's Sch. | |
| Radhagovind Moitree, | 1857 | Presidency College. | |

| | |
|----------------------------|---------------------------------|
| Radhanath Bysack, | .. 1857 Oriental Summary. |
| Radhicaprossuno Mookerjea, | 1858 Privately Educated. |
| Rajendronath Bose, | .. 1857 Presidency College. |
| Rajendronath Roy, | .. 1857 Presidency College. |
| Ramloll Bose, | .. 1857 Colootollah Branch Sch. |
| Ramloll Mishee, | . 1857 Patna High School. |
| Ramloll Mookerjea, | .. 1858 Presidency College. |
| Rohim Buksh, | . 1857 Calcutta Mudrissa. |
| Romanath Nundee, | .. 1857 Colootollah Branch Sch. |
| Rujoonee Coomar Dutt, | .. 1857 Dacca College. |
| Sarodpersad Banerjea, | .. 1857 Cossipore Aided Sch. |
| Sham Loll Mitter, | .. 1857 Hindu School. |
| Shiseer Coomar Ghose, | .. 1857 Colootollah Branch Sch. |
| Shomenath Mookerjea, | . 1857 Sanskrit College. |
| Shreesh Chunder Ghose, | .. 1857 Presidency College. |
| Stephen, A. J., | .. 1857 Dacca College. |
| Stephen, M. J., | .. 1857 Dacca College. |
| Sturmer, E., | .. 1857 Doveton College. |
| Sumboo Chunder Roy, | .. 1857 Privately Educated. |
| Suttendernath Tagore, | .. 1857 Hindu School. |
| Sykes, G. S , | .. 1857 Doveton College. |
| Tarachand, | . 1857 Delhi College. |
| Tariney Persaud Roy, | .. 1857 Dacca College. |
| Tarrapersaud Chatterjea, | .. 1858 Presidency College. |
| Twidale, H., | .. 1857 Doveton College. |
| Tyler, J. W., | .. 1857 Doveton College. |
| Umbica Churn Bose, | .. 1858 Hindu School. |
| Waller, E. D., | .. 1858 Doveton College. |

SECOND DIVISION.

| | |
|-----------------------|-----------------------------|
| Adwalut Khan, | 1857 Calcutta Mudrissa. |
| Adwalut Khan, | 1858 Calcutta Mudrissa. |
| Audhor Chunder Doss, | 1857 Genl. Assembly's Inst. |
| Aughorenath Ghose, | 1858 Hooghly Coll. and Sch. |
| Bama Churn Banerjea, | 1857 Hindu School. |
| Bhoirub Chunder Addy, | 1857 Doveton College. |
| Binodebehary Biswas, | 1858 Burda Maharajah's Sch. |
| Biprodooss Bhadoory, | 1858 Furreedpore School. |
| Banerjea, | 1858 Otterparah School. |

86 UNDER-GRADUATES.—ENTRANCE EXAMINATION.

| | | | |
|-----------------------------|----|------|------------------------------------|
| Brojendro Coomer Seal, | .. | 1858 | Hooghly Coll. and Sch. |
| Brojonath Mookerjea, | .. | 1858 | Cal. Free Church Inst. |
| Bussunt Chunder Doss, | .. | 1857 | Dacca College. |
| Callybur Mookerjea, | .. | 1857 | Colootollah Branch Sch. |
| Callypersaud, | .. | 1857 | Patna High School. |
| Cassinath Ghosaul, | . | 1857 | Baraset School. |
| Chunder Kant Roy, | .. | 1858 | Kishnagur College and School. |
| Chunder Mohun Goswamy, | . | 1858 | Dacca Coll. and Sch. |
| Dennonath Banerjea, | .. | 1858 | Cal. Free-Church Inst. |
| Dennonath Sen, | .. | 1858 | Hindu School. |
| Dinesh Chunder Roy, | .. | 1858 | Hindu School. |
| Dinnonath Bose, | .. | 1857 | Hindu School. |
| Doorga Doss Dutt, | .. | 1858 | Kishnagur College and School. |
| Doyanath Ghose, | .. | 1858 | Hindu School. |
| Ducoury Ghose, | .. | 1857 | Colootollah Branch Sch. |
| Dwarkanath Banerjea, | .. | 1858 | Burd ⁿ Maharajah's Sch. |
| Dwarkanath Mookerjea, | .. | 1857 | Colootollah Branch Sch. |
| Ethrington, William, | . | 1858 | Serampore College. |
| Fakeer Chand Roy, | .. | 1857 | Colootollah Br. School. |
| Gopaul Chunder Banerjea, | .. | 1858 | Metropolitan College. |
| Gopaul Chunder Biswas, | . | 1857 | Cal. Free Church Inst. |
| Gopaul Chunder Bysack, | .. | 1857 | Hindu School. |
| Gopaul Chunder Mookerjea, | .. | 1858 | Berhampore Coll. & Sch. |
| Gopaul Chunder Sirkar, | .. | 1858 | Presidency College. |
| Gopauldoss Sein, | .. | 1858 | Hindu School. |
| Greesh Chunder Mitter, | .. | 1858 | Colootollah Br. School |
| Haran Chunder Doss, | .. | 1858 | Chinsurah Free-Church Institution. |
| Hem Chunder Chatterjea, | .. | 1858 | Chinsurah Free-Church Institution. |
| Herumbo Chunder Chatterjea, | | 1858 | Kishnagur Col. & Sch. |
| Hickey, Robert, | .. | 1858 | Bishop's College. |
| Hookoomut Roy, | . | 1857 | Delhi College. |
| Hurrish Chunder Sirkar, | .. | 1858 | Dacca College & Sch. |
| Hurrokanth Bagchee, | .. | 1857 | Berhampore College. |
| Hurrynath Mosoomdar, | .. | 1858 | Berhampore College. |
| Hurrypersaud Ghattuck, | . | 1858 | Commillah School. |

| | |
|-----------------------------|---------------------------------|
| Jodoonath Ghose, | .. 1857 Colootollah Br. School. |
| Jodoonath Mitter, | .. 1857 Privately Educated. |
| Juggobundo Roy, | .. 1857 Dacca College. |
| Kally Coomar Koondoo, | . 1858 Burdu. Maharajah's Sch. |
| Kally Podo Chatterjea, | .. 1858 Cal. Free-Church Inst. |
| Kally Prosunno Ghosaul, | .. 1858 Sanskrit College. |
| Kamikhanath Acharjee, | .. 1858 Medical College. |
| Kedarnath Chatterjea, | .. 1857 Bally Aided School. |
| Kedarnath Mozoomdar, | .. 1858 Cossipore Aided School. |
| Khetter Mohun Ghose, | .. 1858 Colootollah Br. School. |
| Kiernander, W. | .. 1858 St. Paul's School. |
| Koylash Chunder Sirkar, | .. 1858 Dacca Coll. and School. |
| Luckhey Churn Bose, | .. 1858 Presidency College. |
| Luckhenarain Bose, | .. 1857 Baraset School. |
| Mohendro Loll Chunder, | .. 1858 Cal. Free-Church Inst. |
| Mohendro Loll Goopto, | .. 1857 Colootollah Br. School. |
| Mohendro Loll Seal, | .. 1858 Hindu School |
| Mohendronath Ghosaul, | .. 1857 Baraset School. |
| Mohendronath Gossain, | .. 1858 Serampore College |
| Mohendronath Mitter, | . 1857 Baraset School. |
| Mohesh Chunder Bose, | .. 1858 Colootollah Br. School. |
| Mohesh Chunder Dan, | .. 1858 Metropolitan College. |
| Mohesh Chunder Surma, | .. 1858 Dacca Coll. and School. |
| Mohim Chunder Halder, | . 1858 Colootollah Br. School. |
| Mohiney Mohun Chuckerbutty, | 1857 Beaulah School. |
| Mudden Mohun Mullic, | . 1858 Dacca Coll. and Schl |
| Mudusudan Ghose, | .. 1857 Baraset School. |
| Nitro Gopal Chuckerbutty, | .. 1858 Privately Educated |
| Nobocomar Chuckerbutty, | . 1858 Otterparah School. |
| Nobogopaul Mitter, | 1857 Hindu School. |
| Nundololl Dhole, | .. 1857 Privately Educated |
| Nundololl Ghosaul, | . 1857 Hindu School. |
| Nurender Coomar Doss, | . 1857 Privately Educated. |
| Obhoy Churn Ghose, | .. 1858 Hindu School. |
| Okhoy Coomar Sein, | . 1858 Dacca Coll. & School. |
| Omachurn Bannerjee, | .. 1857 Colootollah Br. School. |
| Oman, John, | .. 1858 La Martinière. |
| Omesh Chunder Chatterjee, | .. 1857 Cal. Free Church Inst. |
| Omesh Chunder Dutt, | .. 1858 General Assembly's In. |

| | | |
|-----------------------------|------|-------------------------|
| Tariney Churn Mozoomdar, .. | 1858 | Metropolitan College. |
| Tarraprosunno Doss, .. | 1858 | Jessore School. |
| Tarrucknath Sen, .. | 1858 | Dacca Coll. & School. |
| Tiery, F T., .. | 1858 | Doveton College. |
| Tuolsee Doss Dutt, .. | 1857 | Hindu School. |
| Troyluckhonath Dey, .. | 1858 | Berhampore Coll. & Sch. |
| Umbica Churn Mookerjee, .. | 1858 | Hooghly Coll. & School. |

SCHOLARSHIPS.

University Medical Scholarships of 16 Rs. each per mensem, tenable for three years

DESCRIPTIVE SURGERY AND ANATOMY.

| | | |
|-----------------------------|----|---------------------------|
| 1857 E C. Bensley, .. | .. | Calcutta Medical College. |
| 1858 Rajkristo Banerjee, .. | .. | Calcutta Medical College. |

MATERIA MEDICA.

| | | |
|-------------------------------|----|---------------------------|
| 1857 Khetter Mohun Mitter, .. | .. | Calcutta Medical College. |
| 1858 G D. McReddie, .. | .. | Calcutta Medical College |

CHEMISTRY.

| | | |
|-------------------------------|----|---------------------------|
| 1857 Gopal Chunder Dutt, .. | .. | Calcutta Medical College |
| 1858 Nobin Chunder Mitter, .. | .. | Calcutta Medical College. |

BOTANY.

| | | |
|------------------------------|----|---------------------------|
| 1857 S. Mackertich, .. | .. | Calcutta Medical College. |
| 1858 Mohindrololl Sirkar, .. | .. | Calcutta Medical College. |

VII.
EXAMINATION PAPERS.
1858.

BACHELOR OF ARTS.

Pass Examination.

Examiner,—W. GRAPEL, ESQ., M.A.

MONDAY, April 5th.

ENGLISH.

Morning, 10 A. M. to 1½ P. M.

1. Give a rapid sketch, with dates, of Shakspeare's life. What are the probabilities as to the extent of his classical education?

2. What was the immediate source from which Shakspeare took the plot of Macbeth? What play of a contemporary dramatist has been thought to have given him hints in certain portions of this tragedy?

3. Account for the very unsatisfactory state in which we find the text of Shakspeare's plays. When and by whom was published the first folio edition? and when and by whom the second?

4. In what year do you hold Macbeth to have been written? Support your opinion first by internal, and next by external evidence.

5 Shew by an accurate comparison the truth of Schlegel's remark that, in the progress of the action, Macbeth is altogether the reverse of Hamlet.

6. Explain fully the following passages :—

a. ————— Bellona's bridegroom, lapp'd in proof
Confronted him with self-comparisons,
Point against point, rebellious arm 'gainst arm
Curbing his lavish spirit.

b. ————— That, trusted home,
Might yet enkindle you unto the crown
Besides the thane of Cawdor.

c. ————— Present fears
Are less than horrible imaginings ;
My thought, whose murder yet is but fantastical,
Shakes so my single state of man, that function
Is smother'd in surmise ; and nothing is
But what is not.

d. The love that follows us, sometime is our trouble,
Which still we thank as love. Herein I teach you
How you shall bid God yield us for your pains
And thank us for your trouble.

e. Let your remembrance apply to Banquo ;
Present him eminence, both with eye and tongue :
Unsafe the while, that we
Must leave our honours in these flattering streams ;
And make our faces vizards to our hearts
Disguising what they are.

f. ————— Whiles I threat, he lives.
Words to the heat of deeds too cold breath gives.

7. In what words of the Porter-Scene does Coleridge recognise the certain hand of Shakspeare? The same words occur in Hamlet, and the same idea in All's Well, &c ; quote the lines in both these dramas.

8. Analyse the character of Lady Macbeth ; quoting the passages in which her woman's tenderness appears.

9. What different readings have been proposed in the following passages; state which you prefer, with the reasons which influence your choice:—

a. ——— Fortune on his damned quarry shining
Show'd like a rebel's whore.

b. MACB. ——— Pr'y thee peace
I dare do all that may become a man
Who dares do more, is none.

LADY M. ——— What beast was 't then
That made you break this enterprise to me?

c. ——— or be alive again,
And dare me to the desert with thy sword,
If trembling I inhabit then, protest me
The baby of a girl.

d. ——— This push
Will chair me ever, or disseat me now.
I have liv'd long enough; my way of life
Is fall'n into the sere, the yellow leaf.

e. ——— And all our yesterdays havelighted fools
The way to dusty death.

10. What is the vulgar idea as to the characteristic of the English genitive case? Advance what arguments you can in disproof of it.

11. a. Though bladed corn be lodg'd, and trees blown down;

b. Though bladed corn is lodg'd, and trees blown down;
— Which of these expressions is correct? or may both be so? If the latter, distinguish between the meanings in the two cases. State the general rule as to the mood which should follow a conditional conjunction.

12. In what several ways may the plurals of English nouns be formed? Give examples.

13. Is there any and what peculiarity in the plural form 'children'? What distinction in modern use prevails between 'brothers' and 'brethren'?

14 What examples of true gender are to be found in the English Language; How far may 'that,' 'it,' 'what,' be so considered?

15. Paraphrase very accurately the following passage:—

If it were done, when 'tis done, then 't were well

It were done quickly: if the assassination

Could trammel up the consequence, and catch,

With his surcease, success; that but this blow

Might be the be-all, and the end-all here,

But here, upon this bank and shoal of time

We'd jump the life to come.—But, in these cases,

We still have judgment here; that we but teach

Bloody instructions, which, being taught, return

To plague the inventor; this even-handed justice

Commends the ingredients of our poison'd chalice

To our own lips.

MONDAY, April 5th — Afternoon, 2 to 5½.

ENGLISH.

Examiner, — W. GRAPEL, Esq., M.A.

1. Give the date of Dryden's appointment as Poet-Laurate. Who preceded, and who succeeded him in this office?

2. Waller was smooth; but Dryden taught to join

The varying sense, the full resounding line,

The long majestic march, and energy divine.

What are the peculiarities of Dryden's versification?

Shew the peculiar fitness of the above lines of Pope.

3. What was for a long period the distinctive feature of Dryden's dramatic writing? Upon what model is he said to have constructed his tragedies?

4. In one of his dedications Dryden says :—" I answered "not the *Rehearsal* because I know the author sat to himself when he drew the picture, and was the very Bayes of his own farce ; because also I knew that my betters were more concerned than I was in that satire, and, lastly, because Mr. Smith and Mr. Johnson, the main pillars of it, were two such languishing gentlemen in their conversation, that I could liken them to nothing but their own relations, those noble characters of men of wit and pleasure about town."

Explain fully the several allusions.

5. Give such explanation as the following lines may seem to require :—

- a. Known each, they know ; but each with change of cheer ;
The vanquished side exults ; the victors fear ;
Not them, but theirs, made prisoners ere they fight,
Despairing conquest, and deprived of flight.
- b. What worse to Cymon could his fortune deal,
Rolled to the lowest spoke of all her wheel ?
It rested to dismiss the downward weight,
Or raise him upwards to his former height,
- c. How much he durst he knew by what he dar'd
The less he had to lose ; the less he car'd
To manage loathsome life when love was the reward.
- d. Who bear the bows were knights in Arthur's reign,
— Twelve they, and twelve the peers of Charlemagne :
For bows the strength of brawny arms imply,
Emblems of valour and of victory.
Behold an order yet of newer date,
Doubling their number, equal in their state ;
Our England's ornament, the crown's defence
In battle brave, protectors of their prince :

6. Give the transitive verbs derived from the intransitive *wake, rise, sit, lie, fall, drink*. These transitives form the proterite in one way, and their intransitives in another.

8. Which of the following is correct?

- a.* { They **hanged** the criminal.
 { They **hung** the criminal.
- b.* { They **digged** a trench.
 { They **dug** a trench.

Apply this to explain the following instances, and shew how the variation of the word varies the meaning of the passages :—

- a. We ~~with~~ the fair $\left\{ \begin{array}{l} \text{shall} \\ \text{will} \end{array} \right\}$ sail before the wind ;
b. ————— My chosen few
With arms administer'd $\left\{ \begin{array}{l} \text{shall} \\ \text{will} \end{array} \right\}$ aid thy crew
Then entering unexpected $\left\{ \begin{array}{l} \text{will} \\ \text{shall} \end{array} \right\}$ we seize
Our destin'd prey from men dissolv'd in ease.
c. Unbidden, though I am, I $\left\{ \begin{array}{l} \text{will} \\ \text{shall} \end{array} \right\}$ be there
And join'd by thee intend to joy the fair.

Amid the plain a spreading laurel stood,
The grace and ornament of all the wood :
That pleasing shade they sought, a soft retreat,
From sudden April showers, a shelter from the heat :
Her leafy arms with such extent were spread,
So near the clouds was her aspiring head,
That hosts of birds, that wing the liquid air,
Perch'd in the boughs, had nightly lodging there :

And flocks of sheep beneath the shade from far
 Might hear the rattling hail, and wintry war;
 From heaven's inclemency here found retreat,
 Enjoyed the cool, and shunned the scorching heat:
 A hundred knights might here at ease abide;
 And every knight a lady by his side:
 The trunk itself such odours did bequeath,
 That a Moluccan breeze to these was common breath.

11. Give a brief account of the rise of Periodical Literature in England, and state who were the principal writers in the several series of papers which appeared during the eighteenth century.

12. What poem brought Addison to the notice of the Lord Treasurer? Quote from it the simile of the angel; and give Johnson's criticism upon it.

13. Give a rapid sketch of the method which Addison pursues in his criticisms on the *Paradise Lost*. What main defect does he observe in the fable?

14. State the distinction which Addison draws between discretion and cunning.

15. State and discuss the several views which Macaulay, Thackeray, and others have taken of the dissension between Addison and Pope; and give your own opinion as to its causes.

TUESDAY, *April 6th*.—*Morning*, 10 to 1½

GREEK.

Examiner,—W. GRAPEL, Esq., M.A.

1. What improvements in the dramatic art were introduced by Sophocles?

2. Give an analysis of the *Antigone*; in what year did it gain the first prize?

3. Derive and explain the following terms : ὑποκριτής, κορυφαῖος, χορηγός, σκηνή, ὀρχήστρα, λογεῖον, θεατρώνης, θεωρικά.

4. Translate into English :—

ΤΕΙ. 'ἀλλ' εὖ γέ τοι κάτισθι μὴ πολλοὺς ἔτι
τροχοὺς ἀμιλλητῆρας ἡλίου τελῶν,
'ἐν οἷσι τῶν σῶν αὐτὸς ἐκ σπλάγχνων ἓνα
νέκυν νεκρῶν ἀμοιβὸν 'αντιδούς ἔσει,
'ανθ' ὧν ἔχεις μὲν τῶν ἄνω βαλὼν κάτω,
ψυχὴν τ' 'ατίμως ἐν τάφῳ κατῴκισας.
ἔχεις δὲ τῶν κάτωθεν ἐνθάδ' αὖ θεῶν
ἄμοιρον, 'ακτέριστον ἀνόσιον νέκυν.
ὧν οὔτε σοι μέτεστιν οὔτε τοῖς ἄνω
θεοῖσιν, 'ἀλλ' ἐκ σὸν βιάζονται τάδε.
τούτων σε λωβητῆρες ὑστεροφθόροι
λοχῶσιν 'Αδου κῆι θεῶν 'Εριννύες,
ἐν τοῖσιν αὐτοῖς τοῖσδε ληφθῆναι κακοῖς.
καὶ ταῦτ' ἄθρησον εἰ κατηργυρωμένος
λέγω. φανεῖ γάρ, ὅν μακροῦ χρόνου τριβή,
'ανδρῶν, γυναικῶν σοῖς δόμοις κωκύματα.
ἐχθραὶ δὲ πᾶσαι ξυνταράσσονται πόλεις,
ὅσων σπαράγματ' ἢ κυνὲς καθηγισαν,
ἢ θῆρες, ἢ τις πτηνὸς οἰωνὸς, φέρων
'ανόσιον ὀσμὴν ἐστιῶυχον ἐς πόλιν.
τοιᾶντά σου, λυπῆις γάρ, ὥστε τοξοτης,
'αφῆκα θυμῷ καρδίας τοξεύματα
βέβαια, τῶν σὺ θάλλπος 'ουχ ὑπεκδραμεῖ.
ὦ παῖ, σὺ δ' 'ημᾶς ἄπαγε πρὸς δόμους, ἵνα
τὸν θυμὸν οὗτος ἐς νεωτέρους 'αφῇ,

καὶ γυνῶ τρέφειν τὴν γλῶσσαν ἡσυχω-
 τέραν,
 τὸν νοῦν τ' ἁμεινω τῶν φρενῶν, ὧν νῦν
 φέρει.

5. Explain the etymology of the following words in the above extract:—

τροχούς, ἀμιλλητήρας, ἀκτέριστον, κατηργυρωμέ-
 νος, λωβητήρες, πτηνός, ἐστιοῦχόν.

6. Give the future, perfect, and second aorist in use of
 ὀφλισκάνω, πάσχω, πίνω, πίπτω, βρίνω, κτείνω.

7. What are the general uses of the Greek Middle Voice? Distinguish between δανείζω and δανείζομαι ;
 χρῆσαι χρήσασθαι ; φυλάξαι and φυλάξασθαι.

Are there in Latin any instances of verbs with passive form and reflective signification?

8. Translate the following chorus ;

Ἔρωσ ἀνίκατ', ἀμάχαν'
 Ἔρωσ, ὃς ἐν κτήμασι πίπτεις,
 ὃς ἐν μαλακαῖς παρειῶις
 νέανιδος ἐννυχεύεις,
 φοιτᾷς δ' ὑπερπόντιος, ἐν τ'
 ἄγρονόμοις ἀυλαῖς.
 καί σ' οὔτ' ἀθανάτων
 φύξιμος οὐδεὶς,
 οὔθ' ἀμερίων ἔπ' ἄν—
 θρώπων. ὃ δ' ἔχων, μέμνη.
 σὺ καὶ δικαίων ἀδίκους
 φρένας παρασπᾶς ἐπὶ λῶβα.

σὺ καὶ τόδε νεῖκος ἄνδρῶν
 ζύναιμον ἔχεις ταραξας.
 νικᾷ δ' ἐναργῆς βλεφάρων
 ἥμερος εὐλέκτρου
 νύμφας, τῶν μεγάλων
 πάρεδρος ἐν ἄρχαῖς
 θεσμῶν. ἄμαχος γὰρ ἐμ
 παίζει θεὸς Ἀφροδιτα.
 νῦν δ' ἤδη γὼ καὶ αὐτος θεσμῶν
 ἔξω φέρομαι τάδ' ὀρῶν, ἴσχειν δ'
 οὐκ ἔτι πηγὰς δύναιμι δακρύων,
 τὸν παγκόϊταν ὅθ' ὀρῶ θάλαμον
 τήνδ' Ἀντιγόνην ἀνύτουσαν.

9. What were the four Attic festivals of Dionysus, and in what months celebrated? At which of them were new tragedies celebrated.

10. What is the construction of the particles ἵνα, ὥς, ὅπως, ὅφρα, followed by the indicative mood?

TUESDAY, April 6th.—Afternoon, 2 to 5½.

GREEK.

Examiner,—W. GRAPEL, Esq., M.A.

1. Give a brief account, with dates, of the first Persian war.

2. By what extraordinary λειτουργία was the Athenian navy maintained? State what you can of its origin and development. How was it strengthened by Themistocles during the Persian war?

3. ἦν γὰρ κατὰ τὸντὸ Ὀλυμπιάς τούτοις τοῖσι.

What were the four great national festivals of the Greeks? How often were they celebrated? and what was the prize in each? What was the πεντάθλον?

4. Who was Gelon? State how he acquired his great power, and why he was unable to join the allied forces of the Greeks?

5. Juvenal says (X. 174.)

————— Creditur olim
Velificatus Athos :

Explain the allusion, by a reference to Herodotus.

6 πρόφασιν τὴν Πausανίῳ ὕβριν προῖσχύμενοι, ἀπέειπον τὴν ἡγεμονίην τοὺς Λακεδαιμόνιους.

Explain fully the allusion to Pausanias; when and under what circumstances did he die?

7. Translate into English :—

Ξέρξης δὲ, ἐπεὶ ἡλίου ἀνατείλαντος σπονδὰς ἐποίησατο, ἐπισχὼν χρόνον, ἐς ἀγορῆς κού μάλιστα πληθῶρην πρόσδοον ἐποιέετο· καὶ γὰρ ἐπέσταλτο ἐξ Ἐπιάλτεω οὕτω, ἀπὸ γὰρ τοῦ οὔρεος ἡ κατάβασις συντομωτέρη τέ ἐστι, καὶ βραχύτερος ὁ χώρος πολλὸν ἤπερ ἡ περίοδος τε καὶ ἀνάβασις. Οἱ τε δὴ βαρβαροὶ οἱ ἀμφὶ Ξέρξεα προσήϊσαν. καὶ οἱ ἀμφὶ Λεωνίδην Ἕλληνας, ὡς τὴν ἐπὶ θανάτῳ ἔξοδον ποιούμενοι, ἤδη πολλῶ μᾶλλον ἢ κατ' ἀρχὰς ἐπεξήϊσαν ἐς τὸ εὐρύτερον τοῦ ἀνέχοντος. τὸ μὲν γὰρ ἔρνος τοῦ τείχεος ἐφυλάσσετο. οἱ δὲ ἀνὰ τὰς προτέρας ἡμέρας ὑπεξιόντες ἐς τὰ στεινόπορα ἐμάχοντο. τότε δὲ συμμίσγοντες ἔξω τῶν στεινῶν, ἐπιπτον πλῆθει πολλοὶ τῶν βάρβαρων. ὀπίσθε γὰρ οἱ ἡγεμόνες τῶν τελέων

ἔχοντες μάστιγας, ἐρράπιζον πάντα ἄνδρα, αἰεὶ ἐς τὸ πρόσω ἐποτρύνοντες. πολλοὶ μὲν δὴ ἐσέπιπτον αὐτέων ἐς τὴν θάλασσαν, καὶ διεφθείροντο· πολλῶ δ' ἔτι πλεῦνες κατεπατέοντο ζωοὶ ὑπ' ἀλλήλων· ἦν δὲ λόγος οὐδεὶς τοῦ ἀπολλυμένου. ἄτε γὰρ ἐπιστάμενοι τὸν μέλλοντά σφι ἔσεσθαι θάνατον ἐκ τῶν περικύοντων τὸ οὖρος, ἀπεδείκνυντο ῥώμης ὅσον εἶχον μέγιστον ἐς τοὺς βαρβάρους, παραχρεώμενοί τε καὶ ἀτέοντες.

8. Explain the etymology of the following words in the above extract;—

σπονδὰς, ἀγορῆς, συντομωτέρη, ἔρουμα, ἀτέοντες, στεινύπορα.

9. What is the difference between διὰ when it governs the genitive, and when it governs the accusative case.

10. Translate into Attic Greek the following sentences:

a. They therefore tarried in Eubœa, and had a sea-fight; it came about in this wise.

b. Themistocles having picked out the best sailing ships, went to the springs of drinkable water, and carved on the stones inscriptions, which the Ionians might read, when at an after day they came to Artemisium.

c. Xerxes, having left Mardonius in Thessaly, made his way in person with all speed to the Hellespont. . .

TUESDAY, April 6th.—Morning, 10 to 1½

LATIN.

Examiner,—W. GRAPEL, ESQ., M.A.

1. In whose consulship was Virgil born, and at what place? State what particulars you know of his life.

2. ——— Veniet lustris labentibus ætas,

Quum domus Assaraci Phthiam clarasque Mycenæ
Servitio premet, ac victis dominabitur Argis.

Nascetur pulchra Trojanus origine Cæsar,

Imperium Oceano, famam qui terminet astris,

Julius, a magno demissum nomen Iulo.

Hunc tu olim, coelo, spoliis Orientis onustum,

Accipies securus; vocabitur hic quoque votis.

Aspera tum positis mitescent secula bellis;

Cana Fides, et Vesta, Remo cum fratre Quirinus,

Jura dabunt; diræ ferro et compagibus arctis

Claudentur Belli portæ. Furor impius intus,

Sæva sedens super arma, et centum vinctus ænæ

Post tergum nodis, fremet horridus ore cruento.

a. Translate this passage.

b. Why are Phthia, Mycenæ, and Argos particularly mentioned?

c. Explain the allusions; especially that in the last four lines.

3. Derive *lustrum*; *discrimen*; *solicitus*; *incautus*; *egregius*; *præceptum*; *exultans*; *convulsus*; *vestibulum*; *consul*; *supplex*; *expeditus*; *prudens*.

4. Distinguish between *vereor ut veniat*; and *vereor ne veniat*; between *veni ut videam*; and *veni ut viderem*. When does *donec* take the indicative, and when the subjunctive? Give examples.

5. What classes of verbs govern the dative? What verbs govern two datives? Give examples of verbs which take either the datives of the person and accusative of the thing, or accusative of the person and ablative of the thing.

6. ——— Neque te teneo, neque dicta refello;

I, sequere Italiam ventis pete regna per undas

Spero equidem mediis, si qua pia numina possunt,

Supplicia hausurum scopulis, et nomine Dido
 Sæpe vocaturum. Sequar atris ignibus absens,
 Et quam frigida mors anima seduxerit artus,
 Omnibus umbra locis adero. Dabis improbe poenas.
 Audiam, et hæc Manes veniet mihi fama sub imos'.

- a. Translate this passage.
- b. What do you here understand by *Manes*? State the ordinary distinction between *Manes* and *Lares*.
- c. Explain the difference between 'dare poenas' and 'solvere poenas.'

7. In what cases does *quum* govern the indicative? Give instances.

8. a. ——— Via prima salutis,
 Quod minime reris, Graia pandetur ab urbe.
- b. — Natosque pater nova bella moventes
 Ad poenam pulchra pro libertate vocabit
 Infelix.
- c. Aggeribus socer Albinis atque arce Monoeci
 Descendens; gener adversis instructus Eois.
- d. Quo fessum rapitis Fabii? tu Maximus ille es,
 Unus qui nobis cunctando restituis rem.

Explain fully these allusions.

9. The verb *potior* governs at times the genitive and at times the ablative; with what change of meaning? Give an example of each.

10. Describe the construction of a Roman ship, and explain the following terms *prora*, *puppis*, *malus*, *antenna*, *cornua*, *velum*, *aplustre*, *transtra*, *gubernaculum*, *clavus*, *rostrum*, *remus*, *contus*, *oculus*.

11. Translate the following passage:—

Quaecunque in foliis descripsit carmina virgo,
 Digerit in numerum, atque antro seclusa relinquit.

Illa manent immota locis, neque ab ordine cedunt ;
 Verum eadem verso tenuis quum cardine ventus
 Impulit, et teneras turbavit janua frondes,
 Nunquam deinde cavo volitantia prendere saxo,
 Nec revocare situs, aut jungere carmina curat.
 Inconsulti abeunt, sedemque odere Sibyllæ ;
 Hic tibi ne qua moræ fuerint dispendia tanti ;
 Quamvis increpitent socii, et vi cursus in altum
 Vela vocet, possisque sinus implere secundos ;
 Quin adeas vatem, precibusque oracula poscas.
 Ipsa canat, vocemque volens atque ora resolvat.

12. Translate into Latin prose :—

"They pass the bitter waves of Acheron,
 Where many soules sit wailing woefully ;
 And come to fiery flood of Phlegeton,
 Whereas the damned ghosts in torment fry,
 And with sharp, shrilling shriekes do bootlesse cry,
 Cursing high Jove, the which them thither sent.
 The House of endlesse Paine is built thereby,
 In which ten thousand sorts of punishment
 The cursed creatures doe eternally torment."

Spenser.

TUESDAY, April 6th.—Afternoon, 2 to 5½.

LATIN.

Examiner.—W. GRAPEL, Esq., M.A.

1. When was Cicero born, and when elected Consul ?
 Who was his colleague in the Consulship ?

2. State the days of the month, according to English computation, on which the four orations against Catiline were respectively delivered.

3. Translate the following passage :—

O conditionem miseram, non modo administrandæ, verum etiam, conservandæ reipublicæ! Nunc si L. Catilina, consiliis, laboribus, periculis meis circumclusus ac debilitatus, subito timuerit, sententiam, mutaverit, deseruerit suos, consilium belli faciundi abjecerit, ex hoc cursu sceleris, et belli, iter ad fugam, atque in exsilium convenerit; non ille a me spoliatus armis audaciæ, non obstupefactus ac perterritus mea diligentia, non se spe conatuque depulsus, sed indemnatus, innocens, in exsilium ejectus a consule vi et minis esse dicetur; et erant, qui illum, si hoc fecerit, non improbum, sed miserum; me non diligentissimum consulem, sed crudelissimum tyrannum existimari velint. Est mihi tanti, Quirites, hujus invidiæ falsæ et iniquæ tempestatem subire, dummodo a vobis hujus horribilis belli ac nefarii periculum depellatur. Dicatur sane ejectus esse a me, dummodo eat in exsilium; sed mihi credite, non est iturus. Nunquam ego a diis immortalibus optabo, Quirites, invidiæ meæ levandæ causa, ut L. Catilinam ducere exercitum hostium, atque in armis volitare audiat; sed triduo tamen audietis; multo magis illud timeo, ne mihi sit invidiosum aliquando, quod illum emiserim potius, quam quod ejecerim; sed cum sint homines, qui illum, cum propectus est, ejectum esse dicant, iudem si interfectus esset, quid dicerent.

4. Distinguish accurately between *exsilium* and *relegatio*; between *municipia* and *coloniæ*; between *ingenuus* and *liber*; and between *rogatio*, *lex*, *plebiscitum*, and *senatus-consultum*.

5. State the means by which Cicero learned the nature of Catiline's conspiracy, and next obtained the legal evidence in proof of it.

6. State the general uses of the Latin supine, and give examples of sentences in which it is introduced.

7. Derive etymologically *locuples*; *atrox*; *diligentia*; *iniquus*; *callidus*; *nudius*; *infensus*.

8. Nihil me mutum potest delectare, nihil tacitum, nihil denique hujus modi, quod etiam nimis digni assequi possint. Memoria vestra, Quirites, nostræ res alentur, sermonibus crescent, litterarum monumentis inveterascent, et corroborabuntur; eandemque diem intelligo, quam spero æternam fore, et ad salutem urbis, et ad memoriam consularis mei, propagatam; unoque tempore in hac republica duos cives extitisse, quorum alter fines vestri imperii, non terræ, sed coeli regionibus terminaret; alter ejusdem imperii domicilium sedemque servaret.

a. Translate this passage.

b. To whom is allusion made in the concluding lines?

9. What Latin adjectives are joined with the genitive? What with the ablative? What with either?

10. State the difference in meaning between *opportunitas* and *occasio*; between *accuso* and *incuso*; between *incendo*, *accendo*, and *succendo*; between *sodalis*, *comes*, *consors* and *socius*.

11. Translate into Latin prose:

“When a government flourishes in conquests, and is secure from foreign attacks, it naturally falls into all the pleasures of luxury; and as these pleasures are very expensive, they put those who are addicted to them upon raising fresh supplies of money, by all the means of rapaciousness and corruption; so that avarice and luxury very often become one complicated principle of action, in those whose hearts are set upon ease, magnificence and pleasure. The most elegant and correct of all the Latin historians observes that, in his time, when the most formidable States in the world were subdued by the Romans, the republic sank into those two vices of a quite different nature, luxury and avarice; and accordingly describes Catiline as one

who coveted the wealth of other men, at the same time that he squandered away his own. This observation on the Commonwealth, when it was at the height of power and riches, holds good of all governments that are settled in a state of ease and prosperity."

Addison.

TUESDAY, April 6th.—Morning, 10 to 1½.

PERSIAN.

Examiner,—CAPTAIN W. NASSAU LEES.

1. Translate the following passage into English, adhering closely to the text, and explaining all allusions, metaphors, &c., that occur therein:—

نه بيني که فردا من پيل زور
 سرش ۲ چون سپارم بسم ستور
 که باشد زبوني خراج آوري
 که همسر شود با بلند افسري
 نشينند بر بزگاۃ کيان
 منم تاج بر سر کمر بر ميان
 کرا يارگي کز مر گفتو گوي
 زمين جاي آبا کند جست و جوي
 کلاه کيان هم کيان را مزد
 درين خرتن روميلن کي خزد
 من از قحمة بهمن و پشت کي
 کچا ترمم از رومي مست بي

زروئین تن درع اسفندیار
 بر اورنگ زرین منم یادگار
 اگر باز گردد به پیشینه راه
 برو روز روشن نگرده سیاه
 وگر کشتی آرد بدریای من
 سري بیند افتاده در پای من
 چو دریا به تلخی جوابش دهم
 ز خاکش ستانم بآبش دهم
 ازان ابر عاصی چنان رزم آب
 که نارد دگر دست بر آفتاب
 ۲ یعنی دشمن

2. What are the meanings of the words and sentences underlined in the following passages :—

فرستادهٔ خاص پروردگار
 رسانندهٔ حجت استوار
 سیاهی ده خال عباسیان
 سپیدی بر چشم شماسیان
 فراخی بدو دعوت تنگ را
 گواهی بر اعجاز او سنگ را
 پیمبر بران ختلی ره نورد
 برآورد ازین آب گودنده گرد

به ار گوهر جان نثارش کنم
 ثنا خوانی چار یارش کنم
 گهر خر چهار اند و گوهر چهار
 فروشنده را با فضولی چه کار
 بان چار درویش سلطان نام
 شده چار تکبیر دولت تمام

N. B.—The above lines have been selected from various parts of the *Sekandar Námeh*, the sense of each couplet, however, is complete.

3. Give a brief outline of the life of Alexander as contained in the *Sekandar Námeh*.

4. *Nizami* opens his account of Alexander's march into Persia in these words :—

سپندی بیار ای جهان‌دیده پیر
 بر آتش فگن در شبستان میر

What allusion is contained in the words *سپندی بر آتش*—Who are meant also by the *جهان‌دیده پیر* of the first, and the *میر* of the second *Misrah*?

5. Explain the meaning of the word *bár* in the following passage. State also who were the *Kaián*, and who was *Isfandiyár*; and by what epithet the latter is usually distinguished?

موخت کیان را فرو ریخت بار
 کفی دوخت بر درج اسفندیار

6. Describe the death of Dárá according to *Nizámi*.

7. What account does *Nizámi* give of the origin of his poem the *Sekandar Náme*.

8. Allusion is made in the following *distich* to the story of *Haroot* and *Zohrah*,—translate the couplet, and relate the legend.

دلم با زبان در سخن پروري
چو هاروت و زهره با فسونگري

TUESDAY, April 6th.—Afternoon, 2 to 5½.

PERSIAN.

Examiner.—CAPTAIN W. NASSAU LEES.

1. Translate the following passage into English :—

ایلچی سلطنت پناه عبد الله خان بدوگاه آسمان
جاء رسید و اقسام نفایس و هدایا و اصناف تحف
به نظر اشرف گذرانید و ارسال انواع کبوتران دیوان
بیگی و نسل و نژاد کبوتران سلطان حسین مرزائی را
ضمیمه اسباب یگانگی و یک جهتی ساخت الحق
که مشاهده کبوتران پری پرواز و آمدن جوانان عشق
باز باعث مسرت خاطر اشرف شد خصوصا حبیب
عشق باز که سرخیل عشق بازان ماوراءالنهر بلکه سر
دفتر هنر پردازان دهر است عشق بازی است که
پیش از آنکه زرده بیضه با سفیده پیوندد در می یابد

که این گیوٲر چند چرخ خواهد زد و قبل ازان که
مرٲی طبیعت روح حیوانی در بیضه بی مددکاری
روزن در قالب کبوتر در آرد می داند که پروازش
تا کجا است

a. Where is *Mawaraalnahr*,—and why was it so called?

b. What is there remarkable about the passage

که مرٲی طبیعت روح حیوانی در بیضه بی مددکاری
روزن در قالب الخ

2. Translate the following passage :—

a. Give also an explanation of the terms *roz-i-Farwardeen*, and *Mah-i-Ilāhi*.

b. What is the exact meaning of the word *Mashshāeen* ; what word is it used in opposition to, and what is the difference between them when compounded with the word *Hokama* ?

بروز فروردین بست و چهارم امرداد ماه الهی
تذکره اعظم حکمای مشائین تبصره اکابر قدمای
متبحرین امیر فتح الله ازن ظلمت کده فنا رحلت

: نمود

3. Explain the meaning of the expressions :

غبار الودگان خطه خاک - مقدمان عالم بالا - نقطه

in the following passage :— اعتدال ربیعی - و نیراعظم

درین وقت که هنگام رسیدن نیراعظم است
به نقطه اعتدال ربیعی مقدسان عالم بالا را بغبار
الودگان خطه خاک چه قدر نظر اُفت زباده میگردد

4. What is the derivation and meaning of the word *Mawdūd* in the following passage:—
 اما نظر بعالم بشریت که اقتضای ترکیب عناصر و موالید است از جدائی ظاهری آن عظیم المثال اثار تالم و تحسیر در شهرستان باطن بنوعی راه یافته که عبارت در تعبیر آن حال کوتاه است

5. Translate into Persian the following passage, adopting, as far as you can, Aboo-al-Fazl's style:—

"He that is too desirous to be loved," says Dr. Johnson, "will soon learn to flatter; and when he has exhausted all the variations of honest praise, and can delight no longer with the civility of truth, he will invent new topics of panegyric, and break out into raptures at virtues and beauties conferred by himself. It is scarcely credible to what degree discernment may be dazzled by the mist of pride, and wisdom infatuated by the intoxication of flattery; or how low the genius may descend by successive gradations of servility, and how swiftly it may fall down the precipice of falsehood."

TUESDAY, April 6th.—Morning, 10 to 1½

OORDOO.

Examiner,—CAPTAIN W. NASSAU LEE.

1. Translate into English the following passages:—

شوکت و شان کہوں گیا میں تیرے ہاتھی کی
 چرخ پر چون مدنوماتیہ پد پوں اس کے کجک

وصف میں اُسکی بزرگی کے پڑھوں اک مطلع
 گوش دل سے جو سخن رس متوجہ هوتنک
 اسکی کجگاہ کی اللہ رہ چہرے پہ لتک
 کہکشان جون شب یلدا میں نمایان بفلک
 بیتھنے میں ہی وہ کوہ اٹھنے میں ہی ابر سیاہ
 عرش رفعت میں ہی اور چلنے میں جون چرخ اتھک
 شجر طور کا ہی چہرے پر اسکے جلوہ
 رنگین تزئین کے لئے جسگھڑی اسکی مستک
 جہول پر اسکے ستاروں کا کہوں مہن کیا حسن
 تارے جسطرح رہیں رات اندھیریمیں چھتک
 لیکے خرطوم میں زنجیر پھراوہ وہ اگر
 اُسکے دانتوں کو یہہ سمجھے جو کوئی ہو زیرک
 لیلی نے ہاتھ نکالے ہیں سیہ خیم سے
 ملنے کو مچنوں کے سن سلسلئے پاکی جھنک
 روز میدان اسے دیکھو تو دلاور اتنا
 سرکے وہان سے نہ جہان سے کہ زمین جائے سرک
 سامنے اسکے وہ چھوٹے ہی پتاخون کی لری
 داغین سو توپ جو یکمرتبه ہمسنگ اٹک

کہنے لگا ہاں وہ کیا یہہ دگا دے گیا
 سو نگد اور دوکی جنس گھر سے مہبت لیگیا

سوچے دلمیں کیا بنئے نے پھر یہ خیال
 کیوں ہیں اے بیچئے بات کو شہرے میں دال
 پاس میرے ہونیکے بات جو اسکی چلے
 اور بھی شاید کوئی مجسا ہی احمق ملے
 کھوتے پہ الو کو باندھے بیٹھے تھا دوکان پر
 صبح سے لے تا شام شام سے لے تا صبح
 پوچھے تھا جس سودیکو جو کوئی ہی غیرے یہاں
 لاوے تھا بنیا وونہیں تب یہ سخن بر زبان
 سانچ بتا میرے باپ لینے پر کچھ تو بھی ہی
 سب ہی دیا رام کا یہ بھی ہی الو بھی ہی

2. Translate the following passage, and explain fully the meaning of the words مصحف and آرسی بدھاوے

کیا کروں شادی قاسم کا میں احوال رقم
 واسطے دیکھنے کے آرسی مصحف جس دم
 بیاہ کی رات رکھا تخت پہ نوشہ نے قدم
 گائے تقدیر و قضا نے یہ بدھاوے باہم

3. Give the meaning of the words - فلک - زہ - فرق - ملک - احسنت - سرکنت - موفار - کھدنت - زہرہ برق - توسن - کرکنت in the following passage:—

فرق پر جب عدو کے وہ بیٹھے
 زہ فلک بولے اور ملک احسنت

گترے تجھے تیر کا جہان پیکان
 قوت بازو سے تیری مرکزنت
 ہاتھ سو فار تک نہ پہنچے کبھو
 کرے بھر عمر وہاں کوئی جو کھدنت
 زھرہ برق آب ہو جاوے
 تیرے توسن کی گر سنے کرکنت

4. Paraphrase the following lines :—

مچ کہو کسے تمہاری نئی لاگی ہی لگن
 کیا ہوا کسکو تھگا کسکا لیا ہاتھ میں من
 ہو گئے اور تنک ہی میں کچھ اب پھیر نین
 کیا ہوئے تمنے جو ہم ساتھ کئے تھے وہ بچن
 دل مرا ٹوٹ گیا تجسے اپ ای عہد شکن
 حیف صد حیف کہ قدر اسکی نہ تو جانی سچن
 دل کہ طومار ونا بود من محزون را
 پارہ کردند ندانستہ بتان مضمون را

5. Translate the following couplet :—

صحن چمن میں گلگون گر تیرے زیر ران ہو
 ہر گل پیادہ ہو کر وہاں طرقتوا کنان ہو

6. What is the meaning of the phrase یادانا چھتی کا دود in the following lines; give the meaning also of the

word 'aaq (عاق) and state how many kinds of *talâq* (طلاق) there are, and the difference between them :—

تسپہ یون پیش آیا یہہ مردود
یاد آیا اُسے چھٹی کا دود
چاہتا تھا کرے یہہ اسکو عاق
اور ما کو بھی اسکی دیوے طلاق

TUESDAY, April 6th.—Afternoon, 2 to 5½.

OORDOO.

Examiner.—CAPTAIN W. NASSAU LEE.

1. Translate into English the following passage :—

القصة جسدن وہ دن آیا صبح کو جوگی مانند
آفتاب کے نکل آیا اور دریا میں نہایا اور پیرا پار
جا کر پھرایا اور بہبہوت بہسم تمام بدن میں لگایا
وہ گورا بدن مانند انگارے کے راکھ میں چھپایا
اور ماتھے پر ملا گیر کا ٹیکا دیا لنگوٹ باندھے کز
انگوچھا کاندھے پر ڈالا بالوں کا جورا باندھا
موچھوں پر تاؤ دیکو چڑھوان اڑایا اس کے چہرے سے
یہہ معلوم ہوتا تھا کہ ساری دنیا اس کے نزدیک کچھ
قدر نہیں رکھتی ایک قلمدان جڑاؤ بغل میں لے کر
ایک ایک کی طرف دیکھتا اور نسخہ دیتا ہوا میرے

نزدیک آہنچاجب میری اور اسکی چارنظرین ہوئیں
کھڑا رہ کر غور میں گیا اور مجھ سے کہنے لگا ہمارے
ساتھ او میں ہمراہ ہوا

تب ملکہ نے کہا کہ قبلہ عالم اپ سنا ہی کہ سچا
بات کروا لگاہی سو اس وقت میں اپنے زندگی سی
ہاتھ دھو کر عرض کرتے ہیں اور جو کچھ میری
تسمت میں لکھنے والے نے لکھی ہی اسکا متانی والے
کوئی نہیں

Point out the inaccuracies in the above written passage,—explain also the literal and metaphorical sense of the words قبلہ عالم and how they are generally used ?

3. Translate the following *distich*, and show accurately the connection between the two *misrahs*. (a) Point out the peculiarity in the use of the words بدولت

اس عشق کی بدولت کیا خرابیاں ہیں
دل میں اداسیاں ہیں اور اضطرابیاں ہیں

4. What is the meaning of the expression جیسی پری کا سایہ ہوتا in the following passage:—

جب نظروں سے غائب ہوا یہ حالت ہو گئی
جیسی پری کا سایہ ہوتا

5. Translate the following *distich* accurately, and give the English phrase in use for expressing the sentiment it contains. (a) Why is the verb دی in the feminine gender.

تہیں محتاج زیور کا جسی خوبی خدانے دی
کہ جیسی خوشنما لگتا ہی دیکھو چاند بن گہنے

6. Translate into elegant, and at the same time idiomatic, Hindoostani prose, the following passages from *Cicero* :—

“I shall soon treat of the means to acquire this art of winning and retaining the affections of mankind ; but first a few things must be premised. Who is insensible what great influence fortune has in both ways, either upon our prosperity or adversity ? When we sail with her favouring breeze we are carried to the most desirable landing-places. When she opposes us we are reduced to distress. Some of the accidents of fortune herself, however, are more unfrequent ; for instance storms, tempests, shipwrecks, ruins or burnings, which spring from inanimate things—blows, bites, or attacks of brutes. These accidents, I say, happen more seldom.”

7. Explain the meaning of and allusion contained in the words طاق کسریٰ and قصر نعمان in the following passage :—

اور مزدور جلدست بلاؤ جو اس مکان پر ایک
عمارت پادشاہانہ کہ طاق کسریٰ کا جفت ہو اوزر
قصر نعمان سے سبقت لیجائے اور شہر پناہ اور باغ
اور باولی تیار ہو

TUESDAY, April 6th.—Morning, 10 to 1½.

ARABIC.

Examiner.—CAPTAIN W. NASSAU LEES.

1. Relate fully the circumstances which attended the death of 'Omar-ibn-al-Khattáb; the year (A. H.) in which it took place; his age at the time; and any differences of opinion that may have existed on the point, as cited by *Sayooti*.

2. What were the causes which led to the murder of 'Othman b'Affán? Give also the date (B. A.) of this occurrence, and the place of his burial.

3. When and where was *Ally* proclaimed *Khalifah*, and at the time of his accession were there any others who divided with him popular favor?

(a.) Give an account of the battle of the *Camel* (وقعة الجمل) stating why it was so called.

(b.) Give in *Arabic* a brief and concise sketch of the lives of *Ally* and his two sons by *Fatimah*, as contained in *Sayooti's History*.

4. Translate into English the following passage:—

عليك سلام الله يا خير من علا
على منبر قد حف اعلامه النصر
و افضل من عم الانام و عنهم
بسيرته الحسنى و كان له الامر
و افضل اهل الارض شرقا و مغربا
و من جده من اجله نزل القطر

لقد شنت اسماعنا منك خطبة
و موعظة فصل يلين له الصخر
ملأت بها كل القلوب مهابة
فقد رجفت من خوف تخويقها مصر
وزدت بها عدنان مجدا موثلا
فاضحى بها بين الانام لك الفخر
وسدت بنى العباس حتى لقد غدا
يباهى بك السجاد و العالم البحر
قللة عصر انت فيه امامنا
ولله دين انت فيه لنا الصدر
بقيت على الايام و الملك كلما
تقدم عصر انت فيه اتى عصر
و اصبحت بالعيد السعيد مهناً
تشرفنا فيه صلوتك و النجر

5. Translate the following *Hadith* :—

ان الدجال يخرج بالشرق من ارض يقال لها
خراسان يتبعه اقوام كان وجوههم المجان المطرقة

6. In what manner did the Khalifah *Motawakkil Ala-Allah* show his hatred and contempt for Ally and his progeny?

(a.) What was his treatment of *Yaqoob-b-Al Sakkit*?

7. Sayooti mentions that in one night a *Khalīfah* was born, one succeeded to the *Khalīfat*, and one died. Give the date (A. H.) and the names of the *Khalīfahs*.

8. Render the following passage into English :—

طيف الّمْ بذى ملّم بين الخيم يطوى الّاكم جار نعم
يشفى القسم ممن لّم و ملتزم فيه هضم اذا يضم
ذاوي اللّم ثم انصرم فلم انم شونا و هم اللوم ذم كم
ثم كم يوم الاضم اجدّ لم كل العلم قما انهدم هو العلم
و المعتصم خير النسم خالا و عم حوى الهمم وما احتلم
طود اشم سمح الشيم جلى الظلم كالندر تم رعى الذمم
حمى الحرم فلم يرم خصّ و عم بما تسم له النعم مع
النقم و الخير جم اذا ابتسم و الماء دم اذا انتقم

TUESDAY, April 6th.—Afternoon, 2 to 5½.

ARABIC.

Examiner.—CAPTAIN W. NASSAU LEES.

1. Translate the following passage; and explain the meanings of the terms *Ba'i* (بيع) and *'Itq* (عتق) taken in their literal, and technical or legal sense. State also how many species of *Ba'i* there are?

فان القاضي سمحكم لهم اما بالبيع او بالعتق او
بالتخفيف و الاحسان اليهم اى البهائم

2. Construe and parse the following sentence, pointing out specially which of the proper names contained therein are *inflective* (منصرف) and which *uninflective* (غير منصرف) nouns.

و كان في من اخذ اسيرا عزازيل ابليس اللعين
فرعون آدم و حواء و هو اذ ذاك صبي لم يدرك

3. Translate into English the following passage :—

و منها ما تدفع المكاره و المضار بالتحصن و الاختفاء
في الاحجرة و الثقب مثل النمل و الفار كما قال الله تعالى
حكاية عن النملة قالت نملة يا ايها النمل ادخلوا
مساكنكم لا يحطمنكم سليمان و جنوده و هم لا يشعرون
و منها ما قد ابسه الله تعالى من الجلود الثخينة
الخرقية كالسلحفاة و السرطان و الحلزون و ذوات
الاصداف من حيوان البحر و منها ما تدفع المكاره
و الضرر عن انفسها بادخال رؤسها تحت اذنانها
كالقنفذ

4. Paraphrase in Arabic the following passage, giving the vowel points throughout. N. B.—The meaning of any word or words that may be retained must be fully given.

و لما فرغ الببغاء زعيم الجوارح من كلامه قال الملك
لمن حوله من حكماء الجن و الانس اخبروني من الذي
يحمل الى الارضة فلك الطين الذي به تبني على

نفسها تلك الازاج والعقود مثل الرواق والدهاليز
 وهي دابة ليس لها رجلان تعدو بهما ولا جناحان تطير
 بهما فقال رجل من العبرانيين نعم ايها الملك سمعنا
 ان الجن تحمل اليها ذلك الطين مكافاة لها على ما
 اسند اليها من الاحسان في اليوم الذي اكلت منسأة
 سليمان بن داود فخرّ وعلمت الجن بموته وهربت
 . ونجت من العذاب المهين

5. Translate into Arabic the following passage :—

“An oath is that whereby we call God to witness the truth of what we say, with a curse upon ourselves, either implied or expressed, should it prove false. Now while the sacredness of oaths is still held as a principle of morals, the lawfulness of their administration is doubted by many, and their efficacy perhaps by the majority of modern society.”

TUESDAY, April 6th.—Morning, 10 to 1½

SANSKRIT.

Examiner,—PUNDIT ESHWAR CHANDRA BIDYASAGAR. . .

ततः स सम्प्रेक्ष्य शरद्वृक्षत्रयं
 शरद्वृक्षालोकनलोलचक्षुषम् ।
 उवाच बक्षस्तमनोदितोऽपि मां
 गहीकृतज्ञोऽवसरेऽवसीदति ॥
 इयं शिवाया निबतेरिवायतिः
 ह्यतार्चयन्ती जगतः प्रज्ञैः शिवाः ।

अन्नश्रियं पार्थ पृथक्करोतु ते
 शरत् प्रसन्नाम्बरनम्बुवारिदा ॥
 उपैति प्रस्थं परिणामरम्यता
 त्रदीरगौडत्यमपङ्कता महीम् ।
 नवैर्गुणैः संप्रति संस्तवस्थिरं
 तिरोहितं प्रेम घनागमश्रियः ॥
 पतन्ति नास्मिन् विषदाः पतन्निबो
 धृतेन्द्रचापा न पयोदपङ्क्तयः ।
 तथापि युष्माति नमः श्रियं
 परां न रम्यमाहार्यमपेक्षते गुणम् ॥
 विज्ञाय वाङ्मामुदिते मदात्यया
 दरक्तकंठस्य गते शिखंडिनः ।
 अतिः श्रयत्युन्मदहंसनिस्सनं
 गुणाः प्रियत्वेऽधिक्कता न संस्तवः ॥
 अमी पृथुस्तम्बभृतः पिशंगतां गता
 विपाकेन फलस्य शालयः ।
 विक्ताग्नि वप्राभसि गंधसूचितं
 नमन्ति विघ्रातुमिवासितोत्पन्नम् ॥
 ऋद्धाक्षिणीनामनुजितं त्विषा
 विभिन्नमम्भोजप्रचाप्रशोभया ।
 पयः स्फुरच्छाशिश्चिह्नापिभंगितं
 कृतं धनुष्कण्डमिवाहिविदिबः ॥
 अदीपितं वैद्युतजातवेदसा
 सिताम्बुदण्डेदतिरोहितावपम् ।

ततान्तरं सान्तरवारिणीकरैः
 शिवं नभोवर्त्म सरीजवायुभिः ॥
 सितच्छदानामपदिश्य धावतां
 रत्नैरमीषां ग्रथिताः वतचिह्नान् ।
 प्रकुर्वन्ते वारिदरोधनिर्गताः
 परस्परास्त्रापमिवामला दिग्गः ॥

Answer the following questions :—

1. नदीकृतञ्चोऽवसरेऽवसीदति—अस्य कोऽर्थः—
 कश्चिदत्रालङ्कारोऽस्ति न वा ।
2. इयं शिवाया इत्यादि—अस्य श्लोकस्य व्याख्यां
 लिख ।
3. नवैर्गुणैः संप्रति संस्तवस्थिरं तिरोहितं प्रेम घना-
 गमश्चियः—अस्य कोऽर्थः ।
4. न रम्यमाह्वयमपेक्षते गुणम्—अस्य कोऽर्थः ।
5. विहाय वाञ्छामित्यादि—अस्य श्लोकस्य व्याख्यां
 लिख ।
6. निघ्रातुमिवेत्यत्र इवशब्दः कस्यालङ्कारस्य द्योतकः ।
7. सितच्छदानामित्यादि—अस्य श्लोकस्य व्याख्यां
 लिख ।
8. शरद्गुहालोकनलीलचक्षुषम्—अमम्बवारिदा—
 स्फुरच्छाणिशिखापिशङ्गितम्—सितांबुदच्छेदतिरोहितात-
 वम्—
 एतेषां समासवाक्यानि लिख ।

VIRACHARITA.

रामः । तत् किमित्यस्तिवाच्यायितं भवता ।

जामदग्न्यः । न किञ्चित् ।

संभूयैव सुखानि चेतसि परं भूमानमातन्वते

यत्रालोकपथावतारिणि रतिं प्रसूति नेत्रोत्सवः ।

स त्वं नूतन एव कंकणधरः श्रीमान् प्रियश्चेतसो

हंतथ्यः परिभूतवान् गुरुमिति प्रागेव दूयामहे ॥

रामः । भार्गव ज्ञायते मामनुकंपस इति ।

जामदग्न्यः । अरे किमुत जातोऽसि ।

अनृताध्मातजीमूतस्त्रिगधसंहननस्य ते ।

कुठारः कंबुकंठस्य कच्छं कंठे पतिष्यति ॥

रामः । सत्यमेव कुरुष्वया प्रतिक्षिप्तोऽसि ।

जामदग्न्यः । आः मय्येव कुकुटीधरः संवृत्तः । अरे

क्षत्रियछिंभ त्वं किल शिशुर्नववधूटिका-

परिग्रह इत्यपूर्वमुपतप्यतेऽस्माभिः ।

सुप्रसिद्धः प्रवादोऽयमितिहेति च गीयते ।

जामदग्न्यः स्वयं रामो मातुर्मर्धानमाच्छिनत् ॥

Answer the following questions :—

1. संभूयैवेत्यादि पूर्वार्द्धस्य व्याख्यां लिख ।
2. कंकणधरशब्दस्य कोऽर्थः ।
3. परिभूतवान् गुरुमिति—कोऽसौ गुरुः कथंवासौ रामेण परिभूत इति ।
4. अनृताध्मातजीमूतस्त्रिगधसंहननस्य ते—अस्य का-
ऽर्थः ।

5. त्वं किल शिशुर्नववधूटिकापरिग्रह इत्यपूर्वमुपत-
प्यतेऽस्माभिः—अस्य कोऽर्थः ।

TUESDAY, April 6th.—Afternoon, 2 to 5½.

SANSKRIT.

Examiner,—PUNDIT ESHWAR CHANDRA BIDYASAGAR.

1. Translate the following passage into English :—

अथ जानपदो विप्रः शिशुमप्राप्तयौवनम् ।
अवतार्य्यकशय्यास्थं द्वारि चक्रंद भूपतेः ॥
शोचनीयासि वसुधे या त्वं दशरथापुता ।
रामहस्तमनुप्राप्य कृष्टात् कष्टतरं गता ॥
श्रुत्वा तस्य शुचो हेतुं गोप्तो जिज्ञाय राघवः ।
न ह्यकालभवो नृत्युरिच्छाकुपदमस्पृशत् ॥
स मुहूर्त्तं क्षमस्वेति द्विजमाश्रास्य दुःखितम् ।
यान सस्मार कौवेर वैवस्वतजिगीषया ॥
आसन्नस्त्रस्तदध्यास्य प्रस्थितः स रघूदहः ।
उच्चचार पुरस्तस्य गूढरूपा सरस्वती ॥
राजन् प्रजासु ते कश्चिदपचारः प्रवर्त्तते ।
तमन्विष्य प्रथमयेर्भवितासि ततः कृती ॥
इत्याप्तवचनाद्रामो विवेक्यन् वर्षविक्रियाम् ।
दिशः पथात् पत्रेण वेगनिष्कंपकेतुना ॥

2. Translate the following passage into Sanskrit :—

“Having resided at Agra till there was no more to be
learned, I travelled into Persia, where I saw many remains

of ancient magnificence, and observed many new accommodations of life. The Persians are a nation eminently social, and their assemblies afforded me daily opportunities of remarking characters and manners, and of tracing human nature through all its variations. From Persia, I travelled through Syria, and for three years resided in Palestine, where I conversed with great numbers of the Northern and Western nations of Europe ;—the nations which are now in possession of all power and all knowledge, whose armies are irresistible, and whose fleets command the remotest parts of the globe. When I compared these men with the natives of our own kingdom, and those that surround us, they appeared almost another order of beings. In their countries it is difficult to wish for any thing that may not be obtained : a thousand arts, of which we never heard, are continually labouring for their convenience and pleasure ; and whatever their own climate has denied them, is supplied by their commerce.”

TUESDAY, April 6th.—Morning, 10 to 1½

BENGALI.

Examiner,—PUNDIT ESHWAR CHANDRA BIDYASAGAR.

MOHABHARAT.

যুগি বলে মহাশয়, শুনি শ্রীজনমেজয়,
 হেন মতে নিবসে পাণ্ডব ।
 এক দিন আচম্বিত, শ্রীনারদ উপনীত,
 সর্বত্র গমন মনোজর ॥
 জেয় জ্ঞান যোগ হুজ্য, অমর অহর পুজ্য,
 চতুর্বেদ জিজ্ঞাসিতে বৈসে ।
 ব্রহ্মার অঙ্কেতে জন্ম, বিজ্ঞ মত ব্রহ্মকর্ম,
 ব্রহ্মাণ্ড হুজেন অনায়াসে ॥

পরমার্থ অম্ববলি, বিজ্ঞের বিগ্রহ সজি,
 কলহ গায়নে বড় প্রীত ।
 নিরেতে পিজল জটা, লজাটে পিজল কোটা,
 অবশে কুণ্ডল উজ্জাসিত ॥
 যুগ্মে হরি নাম অবৈ, হুজুম্ব বীণার রবে,
 গতি মন্দ যেমন মাতঙ্গ ।
 বারিজন নয়ন দুগে, বহে বারি ঘেন মেঘে,
 পুজকে কদম্ব পুণ্ড অঙ্গ ॥
 শরদিন্দু মুখাঙ্গুজ, আজাহুজস্থিত হুজ,
 প্রকৃত অনঙ্গ দীপ্তকায় ।
 পরিধান কৃষ্ণাজিন, সঙ্গে মুমি কত জন,
 উপনীত পাণ্ডবসভায় ॥
 দেখিয়া নারদ ঋষি, যে ছিল সভায় বসি,
 সন্তুমে উট্টল ততক্ষণে ।
 আশ্বে যশ্বে ধর্ম্মহুত, সহোদরগণহুত,
 প্রণাম করেন সে চরণে ॥
 হুগল উদক দিয়া, পদহুগ পাখাগিয়া,
 বসিতে দিলেন সিংহাসন ।
 যথা শিষ্ঠশুবহার, পাণ্ড অর্ঘ্য দিয়া তাঁর,
 ভক্তিভাবে করেন পুজন ॥
 তবে মুমি স্নেহবশে, জিজ্ঞাসেন হুজুম্ব,
 কহ রাজা ভদ্র আপনার ।
 কুজের কৌজিক কর্ম্ম, ধন উপাধ্বন ধর্ম্ম,
 নিবিষ্টেতে হয় কি তোমার ॥
 সাধু বিজ্ঞ যত জন, অধ্বজ মত্তিগণ,
 এ সবার রাখ কি বচন ।
 একক অনেক সহ, বিচার কি না করহ,
 কাজে না কি রাখ মুখাগণ ॥

ভয়/ দ্রষ্ট বখাষত, ভায় হুলে কিম কত,
 না রাখত ছিজের দক্ষিণা ।
 তব অম্বরক্ত যত, ভয়ে কি শরণাগত,
 দুঃখত না পায় কোন জনা ॥
 বিজ্ঞ যোন্ত পুদ্রোহিত, দৈবজ্ঞ জ্যোতিষরিত,
 আছে কি বন্ধক বিনোদক ।
 অনাথ অতিথি লোকে, আশুন ব্রাহ্মণ মুখে,
 সদা দেহ হত অম্বোদক ॥
 রাজ্যের যতেক রাজা, পায় যথোচিত পূজা,
 সবে অম্বুগতত ভোমার ।
 ধাত্ত ধন বহু মত, উদক আয়ুধ যত,
 পূর্ণ করিয়াছত ভাণ্ডার ॥
 প্রাতঃকালে নিদ্রাবেশ, বৈকালেতে ক্রীড়ারস,
 আলস্য ইন্দ্রিয় নিবারণ ।
 ধর্ম কর্মে ধন হুয়, কর মিথ্য উপচয়,
 পুত্রবৎ পাল প্রজাগণ ॥

Answer the following questions :—

1. “সর্বত্র গমন মনোজব,”—এ স্থলে মনোজব পদের অর্থ কি? এই পদে সমাস আছে কি না? যদি থাকে সে সমাসের নাম কি? যে দুই শব্দে সমাস হইয়াছে উহাদিগের পৃথক পৃথক অর্থ লিখ ।
2. “বিজ্ঞ যত ব্রহ্মকর্ত,”—ইহার অর্থ স্পষ্ট করিয়া লিখ ।
3. “পরমার্থ অম্বরক্তি, বিজ্ঞের বিগ্রহ সন্নি, কজহ গায়নে বড় প্রীত,”—এই শ্লোকটির অর্থ কি?
4. “বারিজ নয়ন হগে, বহে বারি যেম মেমে, পুলাকে কদম্ব পুলা অজ,”—বারিজ নয়ন হগে এই স্থলে বারিজ

শব্দের অর্থ কি? এই শব্দে ঐ অর্থ বুঝায় কেন? আর এই শব্দের সহিত বহুমান শব্দের কিরূপে অঙ্গ হয় হইবেক? নারদের নয়ন যুগে কি কারণে বারি বহিষ্ঠেছে? পুংলকে বদন পুংল অঙ্গ ইহার অর্থ ও তাৎপৰ্য কি?

5. “নরদিন্দু যুথায়ুজ, আজাহুগম্বিত ভুজ, প্রমুল অমল দীপ্তকায়,”—এই শ্লোকাক্ষরের অর্থ লিখ, কোন স্থলে কি সমাস আছে বলা? এবং যে কয়েকটা শব্দ আছে, পৃথক পৃথক লিখিয়া প্রত্যেকের অর্থ লিখ।

6. “পরিধান কৃষ্ণাজিন,”—কৃষ্ণাজিন পদের অর্থ কি? এক শব্দ কি দুই শব্দ? যদি দুই শব্দ হয় তবে পৃথক করিয়া লিখ, আর ঐ দুই শব্দে কি সমাস আছে, এবং সমাস হইয়া দুই শব্দের কি অবয়ব পরিবর্ত হইয়াছে বলা?

7. “দেখিয়া নারদ ঋষি, যে স্থিঙ্গ সভায় বসি, সমুদ্রে উঠিল ততক্ষণে,”—এই স্থলে ঋষি পদে কোন কারক আছে বলা? উঠিল ক্রিয়ার কর্তা কে? ততক্ষণে এই পদের অর্থ কি?

8. “আন্তে ব্যস্তে ধর্ম্মহত, সহোদরগণহত,”—ধর্ম্মহত শব্দে কোন ব্যক্তিকে বুঝাইতেছে? এই শব্দে ঐ ব্যক্তিকে বুঝায় কেন?

9. “সুগন্ধি উদক দিয়া,”—এ স্থলে “দিয়া” ক্রিয়াপাদ কি না?

10. “যথা শিষ্ঠব্যবহার,”—এই অংশের অর্থ কি?

11. “কার্য্যে না কি রাখ যুগ্মগণ,”—ইহার অর্থ লিখ।

12. “তব অম্বরক্ত যত, ভয়ে কি শরণাগত,”—ইহার অর্থ কি? আর শরণাগত পদে কি সমাস হইয়াছে বলা? এবং ঐ দুই শব্দের পৃথক পৃথক অর্থ লিখ।

13. “বিজ্ঞ যোগ্য পুরোহিত, দৈবজ্ঞ জ্যোতিষবিত, আছে কি বন্দক বিনোদক,”—দৈবজ্ঞ বন্দক ও বিনোদক শব্দের অর্থ স্পষ্ট করিয়া লিখ।
14. “অনাথ অতিথি লোকে, আশুন ব্রাহ্মণ মুখে, সদা দেহ হৃত অঘোদক,”—এই শ্লোকাক্ষরের অর্থ কি?
15. “প্রাতঃকালে নিদ্রাবেশ,”—ইত্যাদি এই শ্লোকের অর্থ লিখ।

POOROOSH PARIKHYA.

গোদাবরী নদী তীরে বিশালা নামে এক নগরী তাহাতে সমুদ্রসেন নামে এক রাজা ছিলেন। তাহার পুত্র চন্দ্রসেন নামা তিনি অত্যন্ত সরলহৃদয়। তাহাকে দেখিয়া সেই নগরবাসী কোন বন্ধক বণিক্ রাজপুত্রের ধনাপহরণে চিন্তা করিল। তাহা পশ্চি-তেরা कहিয়াছেন, যেমত হৃগ সকল ব্যাঘ্রের ভক্ষণীয় হয়, এবং সর্পেরা গরুড়ের ভক্ষ্য হয়, এবং অন্য পক্ষিগণ সাঁচান পক্ষির ভক্ষ্য হয়; সেই প্রকার সাধুলোক কুলোকের ভক্ষণীয় হয়। অতএব বণিক্ বিবেচনা করিল যে এই রাজকুমার অতি স্বপ্রকৃতি ইহার ধন আমার স্বথগ্রাহ হইবে, সেই কারণ ইহার উপাসনা করি। পরে বণিক্ সেই রাজপুত্রের সেবা করিতে লাগিল। তিস্তিড়ী ফলের ন্যায় দুর্জনের প্রকৃতি প্রথম স্বরসা পরিণামে বিরসা হয়। বণিক্ সেই প্রকৃতিদ্বারা সেবা করত নামোপসনাতে রাজকুমারকে বশীভূত করিল।

Answer the following questions:—

1. সাধুলোক কুলোকের ভক্ষণীয় হয়,—ইহার অর্থ ও তাৎপর্য কি?
2. ইহার ধন আমার স্বথগ্রাহ হইবে,—এ স্থলে স্বথগ্রাহ শব্দের অর্থ কি বল?

3. তিস্তিভী ফলের ন্যায় দুর্জনের প্রকৃতি প্রথম স্বরূপ পরি-
ণামে বিরূপ হয়,—ইহার অর্থ ও তাৎপর্য লিখ।

TUESDAY, April 6th.—Afternoon, 2 to 5½.

BENGALI.

Examiner,—PUNDIT ESHWAR CHANDRA BIDYASAGAR.

Translate the following passage into English :—

এক দিবস মাধব, প্রভাতে গাজোখান করিয়া, যৎপরো-
নাস্তি বিরক্ত হইয়া মনে মনে কহিতে লাগিলেন, এই মৃগয়া-
শীল রাজার সহচর হইয়া আমার প্রাণ গেজ। প্রতিদিন
প্রাতঃকালে মৃগয়ায় যাইতে হয়, এবং এই মৃগ, ঐ বরাহ, এই
শাদ্দুল, এই করিয়া মধ্যাহ্নকাল পর্য্যন্ত বনে বনে ভ্রমণ করি-
তে হয়। গুম্বাকালে পল্লল ও নদ নদী সকল শুষ্ক প্রায় হইয়া
আইসে; যে অল্প প্রমাণ জন থাকে, তাহাও বৃক্ষের গলিত
পত্র সকল অনবরত পতিত হওয়াতে অল্পকটু ও কষায় হই-
য়া উঠে। পিপাসা পাইলে সেই বিরস বারি পান করিতে হয়।
আহারের সময় নিয়মিত নাই; প্রতিদিন অনিয়ত সময়েই আ-
হার করিতে হয়। আহার সামগ্রীর মধ্যে শৃঙ্গমাংসই অধি-
কাংশ; তাহাও প্রকৃত স্বচাকুরূপ পাক করা হয় না। আর
প্রাতঃকাল অবধি মধ্যাহ্নকাল পর্য্যন্ত অল্প শুষ্ক পরিভ্রমণ করি-
য়া সর্ব শরীর বেদনারূপ একরূপ অভিভূত হইয়া থাকে, যে রাত্রিতেও
স্থানে নিদ্রা যাইতে পারি না। রাত্রি শেষে নিদ্রার আবেশ
হয়; কিন্তু ব্যাধগণের বন গমন কোলাহলে অতি প্রত্যুষেই
নিদ্রাভঙ্গ হইয়া যায়; স্বরায়ে যে এই সকল ক্লেশের অবসান
হইবেক তাহারও সম্ভাবনা দেখিতেছি না। সে দিবস আমরা
পঞ্চাৎ পড়িলে, একাকী এক স্থানের অমুসরণক্রমে তপোবনে
প্রবিষ্ট হইয়া, আমাদের দুর্ভাগ্যক্রমে শকুলতা নামী এক

তাপসকন্যা নিরীক্ষণ করিয়াছেন। তাহাকে দেখিয়া অবধি আর
নগর গমনের কথাও মনে আনেন না। এই ভাবিতে ভাবিতেই
রাত্রি প্রভাত হইয়া গেল, একবারও চক্ষু মুদি নাই।

Translate the following passage into Bengali :—

“ Having resided at Agra till there was no more to be learned, I travelled into Persia, where I saw many remains of ancient magnificence, and observed many new accommodations of life. The Persians are a nation eminently social, and their assemblies afforded me daily opportunities of remarking characters and manners, and of tracing human nature through all its variations. From Persia, I travelled through Syria, and for three years resided in Palestine, where I conversed with great numbers of the Northern and Western nations of Europe; the nations which are now in possession of all power and all knowledge, whose armies are irresistible, and whose fleets command the remotest parts of the globe. When I compared these men with the natives of our own kingdom, and those that surround us, they appeared almost another order of beings. In their countries it is difficult to wish for any thing that may not be obtained: a thousand arts, of which we never heard, are continually labouring for their convenience and pleasure; and whatever their own climate has denied them, is supplied by their commerce.”

TUESDAY, April 6th —Morning, 10 to 1½.

HINDEE.

Examiner,—PUNDIT ESHWAR CHANDRA BIDYASAGAR.

RAMAYUN.

1. স্মৃতি সেতু পালক রাম তুম জগদীশ মায়া জানকী।
জো হুজতি অগ পালতি হুৱতি বখ পাৱ হুপানিধানকী॥

2. जो सहस्रशीस अहीश महीधर लघन सचराचर धनी ।
सुर काज धरि नरराज तनु चले दलन खल निशि-
चर अनी ॥
3. राम सरूप तुझार वचन अगोचर बुद्धि पर ।
अभिगति अकथ अपार नेति नेति नित निगम कह ॥
4. जगपेखन तुम देखनिहारे ।
बिधि हरि शंभु नचावन हारे ॥
5. तेउ न जानहिं मर्म तुझारा ।
और तुमहिं को जानन हारा ॥
6. सो जानै जेहि देऊ जनाई ।
जानत तुझै तुमहिं होइ जाई ॥
7. तुझरी कृपा तुझहि रघुनंदन ।
जानत भक्त भक्ति उरचंदन ॥
8. चिदानंदमय देह तुझारी ।
बिगत बिकार जान अधिकारी ॥
9. नरतनु धरेऊ संत सुरकाजा ।
कहऊ करऊ जस प्राकृत राजा ॥

Answer the following questions :—

1. प्रथम और द्वितीय श्लोकोंका अर्थ खड़ी बोली में लिखो ।
2. बुद्धि पर, अकथ, अपार—इन तीन पदों का अर्थ क्या है ?

3. नेति नेति नित नियम कह,—इस् का अर्थ स्पष्ट कर लिखो।

4. बिधि हरि शंभु नचावन हारे,—इस् का तात्पर्य क्या है ?

5. जानत तुझै तुमहिं होइ जाई,—इस् का अर्थ स्पष्ट कर लिखो।

6. नरतनु धरेऊ संत सुरकाजा। कहऊ करऊ जस प्रासत राजा ॥—इस् श्लोक का अर्थ क्या है ?

SABHABILAS.

1. गुन वारौ संपत लहै लहै न गुन बिन कोय। काढ़े नीर पतालते जौ गुनयुत घट होय ॥—इस् का अर्थ लिखो।

2. कोऊ दूर न कर सकै उलटे बिधि के अंक। उदधि पिता तऊ चंद कौ धोय न सक्यौ कलंक ॥—इस् का अर्थ क्या है ?

3. समभाये समभक्त नहीं पलक देत नहीं चैन। नीर भरे प्यासे रहे निपट अनौखे नैन ॥—नीर भरे प्यासे रहे—इस् का अर्थ कहो ?

4. बाला प्रथम बियोगिनी घरही घर पूछंत। बलमपयाने ये सखी बलयाह्न बाढ़ंत ॥—इस् श्लोक का तात्पर्य क्या है ?

5. बिरही लोयन में रहत तिय बिन नीर गंभीर।
मीन रहत सब नीर में इन मीन में नीर॥—मीन
रहत सब नीर में इन मीन में नीर—इस् का अर्थ औ
अभिप्राय लिखो।

6. धन बाढ़ै मन बढ़ गयौ नाहिन मन घट होय।
जा जल संग बाढ़ै जलज जलघट घटै न सोय॥—इस्
श्लोक का तात्पर्य लेकर एक छन्द प्रस्ताव लिखो।

TUESDAY, April 6th —Afternoon, 2 to 5½.

HINDEE.

Examiner,—PUNDIT ESHWAR CHANDRA BIDYASAGAR.

1. Translate the following passage into English :—

राजा युधिष्ठिर पांडव औ कौरवों को ले गंगास्नान
को बाजेगाजे से गये। तीर पर जाय दंडवत कर रज
सगाय आचमन कर स्त्रीसहित नीर में पैठे। उन के
साथ सब ने स्नान किया। पुनि ऋाय धोय सथा
पूजन से निश्चित होय बल्ल आभूषण को पहन सब
को साथ लिये राजा युधिष्ठिर कहाँ आते हैं कि
जहाँ मयदैत्य ने अति सुन्दर मन्दिर सुवर्ण के रतन
जटित बनाये थे वहाँ जाय राजा युधिष्ठिर सिंहासन
पर बिराजे। उस काल गंधर्व गुन गाते थे। चारख
बन्दी जन यश बखान ते थे। सभा के बीच पातर
नृत्य करती थी। इस बीच राजा युधिष्ठिर के आने
के समाचार पाय राजा दुर्योधन भी कपट छेड़ किये

वहां मिलने को बड़ी धूमधाम से आया। वहां मय ने चौक के बीच ऐसा काम किया था कि जो कोई जाता तबसे थल में जल का भ्रम होता था और जल में थल का। जो राजा दुर्योधन मन्दिर में पैठा तो उसे थल देख जल का भ्रम ऊठा। उस ने बल्ल समेट उठाया लिये। पुनि आगे बढ़ जल देख उसे थल का धोखा ऊठा जो पांव बढ़ाया तो उस के कपड़े भींगे। यह चरित्र देख सब सभा के लोग खिलखिला उठे। राजा युधिष्ठिर ने हंसी को रोक मुंह फेर लिया। सब के हंस पड़ते ही राजा दुर्योधन अति लज्जित हो महा क्रोध कर उलटा फिर गया। सभा में बैठ कह ने लगा कि कृष्ण का बल पाय युधिष्ठिर को अति अभिमान ऊठा है। आज सभा में बैठ मेरी हंसी की। इस का पलटा मैं लू और उस का गर्व तोड़ू तो मेरा नाम दुर्योधन नहीं तो नहीं।

2. Translate the following passage into Hindee :—

“Having resided at Agra till there was no more to be learned, I travelled into Persia, where I saw many remains of ancient magnificence, and observed many new accommodations of life. The Persians are a nation eminently social, and their assemblies afforded me daily opportunities of remarking characters and manners, and of tracing human nature through all its variations. From Persia, I travelled through Syria, and for three years resided in Palestine, where I conversed with great numbers of the Northern and Western nations of Europe; the nations which are now in possession of all power and all knowledge, whose armies are irresistible, and whose fleets command the remotest parts

of the globe. When I compared these men with the natives of our own kingdom, and those that surround us, they appeared almost another order of beings. In their countries it is difficult to wish for any thing that may not be obtained : a thousand arts, of which we never heard, are continually labouring for their convenience and pleasure ; and what their own climate has denied them, is supplied by their commerce."

WEDNESDAY, *April 7th.*—Morning, 10 to 1½.

HISTORY.

Examiner,—E. B. COWELL, Esq., M.A.

1. Give a sketch of the rise of Philip I of Macedon. To what causes do you attribute his success against the Greeks?
2. Give a short history of the Maccabæan family until the death of John Hyrcanus. Compare them with the leaders of the Phocians in the second sacred war.
3. What were the principal agrarian laws? Briefly describe the political state of Rome when each was brought forward.
4. Describe the condition of the Spartan *Periæci* and Helots, the Saxon Ceorls, and the Norman Villeins; and compare them with the Sudras of Manu's Code.
5. Give a history of the Italian states after their conquest by Rome until the end of the Social war.
6. Compare the state of the Jewish nation in the time of Solomon and Jehoshaphat.
7. Describe the principal mountain ranges of Greece and Palestine, and show how they influenced the history of each country.

8. Give the dates of the following events; The death of Alexander the Great; the battles of Mantinea, Cannæ, Pharsalia, Flodden Field, and Blenheim; the Babylonish captivity; the discovery of America; and the accession of Humayun, Aurungzib, and Edward I.

9. Discuss the historical evidence for Elphinstone's "Hindu Period," with especial reference to the Mahabharata war and the era of Asoka.

WEDNESDAY, April 7th.—Afternoon, 2 to 5½.

HISTORY.

Examiner,—E. B. COWELL, Esq., M A.

1. What are the principal arguments for and against the opinion that the Brahmanical tribes were a race of foreign conquerors.

2. Give a short history of the Rajput tribes from the accession of Akbar to the death of Bahadur Shah.

3. Compare the extent and internal strength of the Mogul empire at the beginning and end of Aurungzib's reign. Shew by facts from Elphinstone's history the causes of its decline.

4. A short sketch of the life of Asaf Jah.

5. Give the history of Parliamentary taxation from the reign of Edward I to 1641. How far was the principle recognised under Charles II, and shew how it influenced his reign?

6. Discuss James the First's title to the crown of England. Who was George I, and by what right did he succeed Anne?

7. Give the dates and the principal terms of the treaties of Bretigni, Utrecht, and Bassein.

8. What kings of England came to the throne, while in their minority? Trace any effects which it may have produced on their reigns.

9. Mention the scenes of the principal events in the campaigns against Scindia and Holkar, and give their latitude and longitude.

THURSDAY, *April 8th.*—Morning, 10 to 1½.

MATHEMATICS AND NATURAL PHILOSOPHY.

Examiner,—REV. THOS. SMITH.

1. Convert the number 3,78,462 into the scale whose base is 7.

2. A class consists of eleven boys, in how many ways may they be arranged?

3. Given the binomial theorem as proved for positive integer indices, prove it for negative and fractional indices.

4. Investigate a formula for finding the value of an annuity for a given number of years.

5. Find by the method of Indeterminate Coefficients the value of $\text{Log}(1 \pm x)$.

6. Find the value of the base of the Napierian system.

7. Of all triangles having the same base and perimeter, the greatest is that which is isosceles.

8. The squares of the sides of any triangle are together triple of the squares of the distances of the angles from

the point of intersection of lines drawn from them to the bi-sections of the opposite sides.

9. Construct a triangle, being given the base, vertical angle and altitude.

THURSDAY, *April 8th* — *Afternoon*, 2 to 5½.

MATHEMATICS AND NATURAL PHILOSOPHY.

Examiner,—REV. THOS. SMITH.

1. If four diverging lines cut any line harmonically, they will cut any other intercepted line harmonically.

2. There can be only five regular solids.

3. If through the extremities of the transverse axis of an ellipse two tangents be drawn to meet a third, the circle described on the intercepted tangent will pass through the foci.

4. Investigate the value of the altitude of a triangle in terms of the sides.

5. A particle at the centre of a regular hexagon is impelled towards the angles by six forces proportional to the numbers 1, 2, 3, 4, 5, and 6; find the magnitude and direction of the resultant.

6. If two bodies be dropped from the same point, but not at the same time, the distance between them increases in arithmetical progression.

7. Give a distinct explanation of the construction of the barometer, and explain how it is applicable (1) as a weather-glass, and (2) as an instrument for the measurement of heights.

8. Explain the law of refraction when a ray passes from a rarer to a denser, and from a denser to a rarer medium.

9 There *must* be two eclipses in a year, and there *may* be seven : Prove this.

FRIDAY, April 9th.—Morning, 10 to 1½.

CHEMISTRY AND PHYSICAL GEOGRAPHY.

Examiner,—H. SCOTT SMITH, Esq., B.A.

✱ 1 Explain how a copper caste may be taken from a plaster one by the aid of the galvanic battery.

2. Describe the process for electrotype gilding and plating, mentioning the solutions required.

3. Mention some exceptions to the law that fluids expand under the influence of heat, and contract under that of cold.

4. What is the point of maximum density in water? How does the selection of this point illustrate the wisdom and goodness of our Maker?

5. What is the difference between pig-iron and steel; How is the former converted into the latter; and how is the latter annealed for the manufacture of various kinds of cutlery?

✱ 6 Give in symbols the composition of alcohols, and of the acids into which each admits of being converted by oxydation. ✱

7. Tidal phenomena may be classed under three heads, viz:—

- a. occurs twice a day,
- b. occurs twice a month,
- c. occurs twice a year.

Describe and trace each to its causes.

8. Explain the phenomena of bores; and illustrate your account by that in the Bristol Channel.

9. Trace the courses of the two principal oceanic currents, the *Lagullas* and the Gulf Stream.

10. Account for these

1stly. By the Winds.

2ndly. By Tides.

3rdly. By Evaporation.

4thly. By Expansion and contraction of Water by heat and cold.

5thly. By the rotation of the Earth on its axis.

11. Describe accurately the Earth's figure, mentioning the excess of one axis over the other.

12. Until very lately it was supposed, that 200 miles beneath the Earth's surface, the most refractory substances were in a state of fusion. What gave rise to this theory, and why is it probably incorrect?

FRIDAY, *April 9th.*—*Afternoon, 2 to 5½.*

ANIMAL PHYSIOLOGY.

Examiner,—H. SCOTT SMITH, Esq., B.A.

1. What office do the lungs perform in the mammalia?

2. What is meant by a complete circulation?

3. Compare the circulation in mammals, in fishes, in reptiles, and in birds.

4. Give the leading points of distinction between man and the other mammalia.

5. Shew how the teeth in carnivorous, insectivorous, fructivorous, and herbivorous animals are severally adapted to their respective wants.

6. Describe the compound stomach in ruminants: and state the uses of the several parts?

7. Describe the nervous system in vertebrated animals; how does it differ in the invertebrata?

8. Describe the structure of the human eye; and account for the contraction and dilatation of its pupil.

9. In what would you place the true distinction of species?

10. What are the three great families of the human race? Give their distinguishing characteristics and geographical positions.

11. What are the elements of blood? State how the corpuscles differ in form and size in mammalia, birds, fishes and reptiles.

12. Cuvier has classified the animal kingdom into four primary divisions; name them, and state their fundamental differences:—

1st, In the nervous system.

2nd, In the circulation.

3rd, In the limbs and muscular system.

4th, In the organs of sensation.

SATURDAY, *April 10th.*—*Morning, 10 to 1½.*

MENTAL AND MORAL SCIENCE.

Examiner,—REV. A. DUFF, D.D., L.L.D.

I. MENTAL PHILOSOPHY.

1. State the specific objects of Mental as contra-distinguished from Natural Philosophy; and vindicate the importance of the former, in its relation to Physical Science and those varied arts of which the mind itself is the subject.

2. How do we gain the notion and conviction of *self*? How would you distinguish between the notion of *self* and the notion of *identity*? How would you maintain the reality and fundamental nature of intuitive or *first truths*?

3. The mind being a simple spiritual essence or uncompounded substance, shew in what sense its phenomena may be regarded as complex and susceptible of analysis. Analyse "Memory" and "Imagination;" explaining the philosophical principles on which the former may be improved, and exhibiting the kind of influence, for good or evil, which the latter may exert in the formation of individual character.

4. How do we come originally to know and believe in the existence of an external world? What say you as to the nature of the connection between external objects and the percipient mind? and as to the adequacy or inadequacy of ancient and modern theories which have been framed for the purpose of explaining it?

5. Expose the radical error of the metaphysical system, which would regard all phenomena of mind either as sensations or transformed sensations; and, from your statements and reasonings on the subject, deduce a conclusive argument against the doctrine of materialism.

6. In the mind, thoughts and feelings are constantly succeeding each other:—Is this succession casual?—or, is there an order of sequence? If so, into how many may all the principles or general laws or innate tendencies of suggestion be reduced?

7. Do we *perceive* the relations of objects as we perceive objects themselves? If not, how are we made acquainted with these relations? Note the distinction between relations of co-existence and relations of succession; and furnish a brief estimate of the practical value of the knowledge of these relations to man.

8. How are emotions to be discriminated from sensations on the one hand, and intellectual states on the other? How does the purely psychological treatment of them differ from the purely ethical? And, with reference to the saying, that, "We have been formed not to feel that we may think, but to think that we may feel," what relative rank would you be disposed to assign to them in the mental economy?

II. MORAL PHILOSOPHY

9. State the specific objects of Moral as contra-distinguished from Mental Philosophy; shewing under what particular aspect Moral Science may be held as paramount, in importance to every other.

10. Expound and vindicate from objections the thesis, which asserts that there is in man a conscience or moral faculty, a power capable of distinguishing, with more or less accuracy, between right and wrong, of approving the former and disapproving the latter; and unfold the import and significancy of the saying, that "Had conscience strength as it had right, had it power as it had manifest authority—it would absolutely govern the world."

11. Define rectitude in the action and in the agent—proving that it has a real existence, independent of legislative enactments, or of utility in any of its forms, or of sympathy or any other elements connected with the arbitrary constitution of the human mind.

12. Explain the difference between the rule or standard, and the foundation or ultimate ground of moral rectitude, stating what alone can be regarded as the perfect rule and true ultimate ground of it.

13. Point out the distinction which has been drawn between desire and will; shew how the most perfect freedom of will is compatible with the most absolute certainty of its acts; and, admitting the agency and uniformity of motives or moral causes, shew how we are to account for the fact

that men's wills are influenced in such very different ways, with the same motives before them.

14. Assuming, on the ground of varied demonstrative evidence, the existence of one great Intelligent Being—the Creator of all, Himself uncreated, infinite, eternal—shew how the distinctive functions of conscience point to His moral attributes, and how the conviction of the superintendence of a Supreme Moral Governor of the Universe, in connection with the workings of conscience, tends to originate an impression of man's moral responsibility, as well as of an after-state of moral retribution.

15. Since, ethically considered, relation to other beings involves obligation, mention—

First,—As deduced from the light of reason, conscience, or any other source, the leading relations which we sustain to God, and the obligations which these necessarily involve; and,

Secondly,—the leading relations which we sustain to our fellow-men, and the obligations which these necessarily involve, with special reference to the claims of justice and benevolence, chastity and veracity—pointing out, at the same time, the way in which our relations to God materially affect and influence our relations to our fellow-men

16. Aristotle, in his Nicomachian ethics, “draws a striking comparison between a man, who, being first misled by sophistical reasonings, has gone into a life of voluptuousness under an impression that he was doing no wrong—and one who has followed the same course in opposition to his own moral convictions. The *former*, he contends, might be reclaimed by arguments, but the *latter* he considers as incurable.” In this specific instance, the Grecian Philosopher concludes that there has been such a disruption of the moral harmony of the mind that “No power appears within itself capable of restoring it to a healthy condition.”

From a similar review of the moral phenomena generally, what legitimate inference does sound philosophy constrain us to draw, with respect to the nature and extent of the present derangement of our moral being; as well as with respect to the hope or the hopelessness of an effectual remedy proceeding from the exercise of any of its own powers, or from a transforming influence emanating from a higher source.

SATURDAY, *April 10th.*—*Afternoon, 2 to 5½.*

LOGIC.

Examiner,—REV. A. DUFF, D.D., L.L.D.

1 Give a short statement of the proper object of Logic—distinguishing between Logic as an Art and Logic as a Science.

2 Explain distinctly the difference between the analytical and synthetical methods; and point out some of their applications.

3. Give the Logical definition of simple apprehension, judgment and reasoning; indicate the sources of error to which we are exposed under each of these heads; and shew against which of these sources of error Logic may effectually guard us.

4. Explain the following Logical terms:—First and second intention, differentia, equivocal, univocal, analogous, syncategorematic.

5. Notice some of the principal ambiguities to which the following words are liable:—Reason, experience, truth, possible, impossible, necessary.

6. When are propositions said to be opposed to each other? What are the contraries, sub-contraries, subalterns, and contradictories?

7. Define syllogism, stating and defending Aristotle's dictum. In the constitution of a simple categorical syllogism, what is meant by the *matter*, and what by the *form*? What are the conditions or the rules which every valid syllogism must fulfil?

8. What are the figures and modes of syllogism? What the number of the former, and possible number of the latter. Of the latter how many alone satisfy the conditions of legitimate syllogism? And why? Give the scholastic names, and specify the figure and mode of the following:—

Some good men are not rich,
All good men are happy,
Therefore some happy men are not rich.

No deceitful man merits confidence,
All honest men merit confidence,
Therefore no honest man is deceitful.

Every thing base should be avoided,
Some pleasures are base,
Therefore some pleasures should be avoided.

9. Why is I A I an allowable mode in the *third* figure, but not in the first? Why A A A allowable in the first figure, and not in the third? Why A E E allowable in the second, and not in the first?

10. What is meant by the reduction of a syllogism? How may a constructive syllogism be reduced to a destructive? and a disjunctive to a conditional? Name the mode and figure of the following, and reduce it to *Darii*:—

Prudence has for its object the benefit of individuals;
But prudence is a virtue;
Therefore some virtue has for its object the benefit of individuals.

11. What is meant by a term being distributed or non-distributed? With regard to the distribution or non-

distribution of the predicate in affirmative or negative propositions, state the rule and the reason of it. Has the notion represented in the predicate a determinate quantity in the mental apprehension of the speaker or writer? If so, why is it not ordinarily expressed?

12. What are technically called convertible terms? What is illative conversion? What conversion by limitation?

13. What in Logic is a fallacy? Distinguish between, and give the general designation of the fallacies which depend on the *form*, and those which affect the *matter* of a syllogism? Point out and name the fallacy in the following syllogisms, stating the rule violated in each, and the reason of the rule—

Some men are sternly honest,
Some men are dacoits,
Therefore some dacoits are sternly honest.

All cold is to be expelled by heat,
This man's disorder is a cold,
Therefore this man's cold is to be expelled by heat.

Individuals of the same caste have a claim on my kindness,
Babu Nilmoni is not a member of my caste,
Therefore he has no claim on my kindness.

14. Exemplify fallacies of the different kinds now indicated, by actual arguments occurring in common conversation, or that you may have met with in the course of your own reading.

15. How do you distinguish between the fair argument of a syllogism in Barbara, and the fallacy of "petitio principii."

16. Explain the enthymeme, and the kind of connection between it and an inductive argument. Supply what is syllogistically deficient in the following :—

Polygamy checks the increase of the human race, and therefore ought to be abolished.

The prohibition of the re-marriage of widows is the source of much evil, and ought therefore to be removed.

A sound female education promotes the improvement of the whole circle of domestic and social economy, and ought therefore to be universally introduced.

An ignorant superstitious people must be unhappy, therefore the Hindus must be so.

Mercury, Venus and the Earth move round the sun, therefore all planets do so.

17. Give the definition of the dilemma ; with examples, of the simple constructive, the complex constructive, and the destructive dilemmas. Into what may every dilemma be resolved ?

18. Explain the sorites—plain and hypothetical. Expand the following propositions into a regular series of separate syllogisms :—

The mind is a thinking substance ; a thinking substance is a spirit ; a spirit has no extension ; what has no extension has no parts ; what has no parts is indissoluble ; what is indissoluble is immortal ?—therefore, the mind is immortal.

19. Take the idea of space and the idea of matter. State which of these ideas is the logical condition of the other ; and which of them is the chronological condition of the other.

20. State the difference between proof and inference—between a verbal and a real question—between a Logical and a Physical discovery—together with the difference and agreement between the Organon of Aristotle and the Organon of Bacon.

BACHELOR OF LAWS.

Pass Examination.

MONDAY, March 1st —Morning 10 to 1½.

GENERAL PRINCIPLES OF JURISPRUDENCE.

Examiner,—W. GRAPEL, Esq., M.A.

1. Define Jurisprudence, and shew wherein it differs from Casuistry?

2. Distinguish between right (substantive) and right (adjective); how are rights appropriated?

3. Grotius defines Law to be "a Rule of Moral Acts obliging to what is right"; explain this fully.

4. Why is it an identical proposition, to say that Law emanates from superiors?

5. What is meant by a Law declaratory; a Law permissive; a Law fundamental; and a Law *ex post facto*?

6. Of the three great maxims of Law set forth in the Institutes, the first contains the other two:—prove this, and distinguish between obligations legal, and obligations imperfect. Is this, in strictness, an ethical distinction?

7. Discuss Ulpian's definition of the Law of Nature, and shew that in one sense it may be maintained.

8. Whence does customary law derive its authority? Set forth its requirements (1) under the Roman, and (2) under the English system.

9. Explain the saying of Lord Bacon, that "It is not in the rule that we are to look for the reason of its being established; it indicates but does not create the law."

10. Distinguish between a legislative and a judicial act.

11. Define equity; and give a rapid historical sketch of the mode in which was developed the equitable Jurisdiction (1) of the Roman Prætor, and (2) of the English Chancellor.

12. Distinguish accurately between laws immutable and laws arbitrary; and state the limitations of the latter.

13. What is a presumption of law, and what a presumption of fact? Give examples.

14. Explain fully the principle and the application in English law of the following maxims:—

a. Omission is in Law an Act.

b. No man can better his condition by his own wrong.

c. It is of natural equity that he who suffers the inconvenience should enjoy the benefit.

d. Want of skill causes responsibility.

e. Lapse of time cannot cure that which in the beginning is vicious.

15. What is meant by *Lex Loci*, and what by *Lex Domicilii*? Give instances of conflict which may arise between them.

16. Savigny says—"For law, as for language, there is no moment of absolute cessation; it is subject to the same movement and development as every other popular tendency; and this very development remains under the same law of inward necessity, as in its earliest stages." Apply this idea to the consideration of any rule in the Jurisprudence whether of Rome, or of England.

MONDAY, March 1st —Afternoon, 2 to 5½.

PERSONAL RIGHTS AND STATUS, &c.

Examiners,— { W. GRAPEL, } ESQUIRES.
 { W. A. MONTRIOU, }

1. Define Civil Freedom; and shew fully the force of the following words of Sir James Mackintosh:—

“Men are more free under every government, even the most imperfect, than they would be if it were possible for them to exist without any government at all; they are more secure from wrong, more undisturbed in the exercise of their natural powers, and therefore more free, even in the most obvious and grossest sense of the word, than if they were altogether unprotected against injury from one another..”

2. Give the arguments of Sir George Lewis to prove that the Family is essentially human, and the germ of the State.

3. What is the maxim of the Civil Law as to consent in the contracting of marriage?

4. The general rule is that in questions of the validity of marriage, the *Lex Loci* of the place of celebration should be upheld; are there any and what exceptions to this rule?

5. How far, according to the law of England, may a wife during coverture act as a *Feme sole*?

6. Wherein does the capacity of a married woman in equity differ from that at Common Law?

7. The English differs from the Roman law as to legitimacy; state the difference, and discuss the relative superiority of the rules.

8. Under the Roman system were all illegitimate children capable of legitimation?

9. Mention some of the more important privileges of infants.

10. Distinguish between the void, and the voidable acts of infants.

11. What are the provisions of the English Law as to appointment of testamentary guardians? Name the Act by which was first granted the power to appoint them.

12. Discuss the maxim—"He who does a thing through agency of another does it himself"; and give examples of cases in which a man (1) is liable for the acts of his hired servant, and (2) is not so liable.

13. A contracted with B for repair of a house; B contracted with C to do the work; C contracted with D to furnish the material; the hired servant of D brought lime to the house, and placed it in the road whereby the carriage of X was overturned; who was answerable for the damage? and on what principle?

(*N. B.—The answers to the following questions must be folded in a separate packet.*)

14. What description of persons are subject to the several Courts of Wards in Bengal?—and how subject?

15. What are the essentials of a *Dattaca* adoption?—and do they differ in *Brahmin* and *Sudra* families?

16. How does the status of a Mahomedan wife differ from that of a wife under the law of England?

17. Will a civil action lie in the Courts of the E. I. C. in Bengal for any verbal abuse, or for mere assault or touching in anger, without proof of actual injury or damage? Give the grounds of your answer.

TUESDAY, *March 2nd.—Morning*, 10 to 1½.

THE RIGHTS OF PROPERTY, &c.

Examiners,— $\left\{ \begin{array}{l} \text{W. GRAPEL,} \\ \text{W. A. MONTRIOU,} \end{array} \right\}$ ESQUIRES.

1. Explain the legal meaning and effect of the terms *mokurreree kudumee*, *istemraree*, *mourusee*, as applicable to interests in land.

2. Define the principal landed interests or modes of property in land, both superior and subordinate, in the Fort William Presidency, as recognised by the different settlements.

3. Describe the character and extent of the property or interest of a Bengalee Hindu widow, upon her succession to her intestate husband in default of male issue.

4. Define the right called *hukshafai*, stating in what manner and by whom it is claimable.

5. When and how may a Bengal Zemindar enhance his ryot's rent?

6. Can any and what length or mode of occupation of land, *e. g.*, as *abadkar* or *jotedar*, in Bengal, confer a prescriptive right of property as *malik*? Give the grounds of your answer?

7. Sheopershad, a Hindu of Tirhoot, member of an undivided family of eight brothers, makes a gift of property, on his marriage, to his wife,

The brothers separate, and a division is made of the family property; before which separation and division, however, Sheopershad had, by his unaided personal exertions,

acquired considerable property for himself. Sheopershad dies, survived by his wife, their daughter, and his seven brethren ;

The widow dies,

How is the entire property disposed of, viz., the family or ancestral, the self-acquired, and that given to the wife :—

1st, at the family separation and division.

2ndly, at Sheopershad's death.

3rdly, at the widow's death.

8. When may a holder of less than one hundred beegahs of land, as lakhiraj, rely upon the period of twelve years as a prescriptive title against the Zemindar's claim under Reg. XIX, 1793, Sec. 6 ?

(N. B.—*The answers to the following questions must be folded in a separate packet.*)

9. Trace accurately the development of the right of property. What things are still common, and why ?

10. Savigny says, "All Property is founded on Adverse Possession ripened by Prescription." Explain this.

11. Give a full account of the Statute of Uses ; shewing when it was passed, its proposed objects, and its actual effects.

12. Define an Easement ; distinguish between Easements appurtenant and Easements in gross, and state the similar distinction which prevailed in the Roman Law.

13. What is the leading rule for the interpretation of Wills ? When is a legacy *adeemed*, and when *lapsed* ?

14. Enumerate the principal duties of an English Executor, and shew wherein they resembled those of the Roman *hæres*.

TUESDAY, *March 2nd* —*Afternoon*, 2 to 5½.

THE LAW OF CONTRACTS.

Examiner,—W. GRAPEL, Esq., M.A.

1. Define a contract, and shew accurately wherein it resembles and wherein differs from a pollicitation.

✓ 2. What is the presumption of law as to the capacity to contract?

3. State the leading rules for the construction of contracts, and give examples.

4. Define a condition; and distinguish between conditions suspensive, resolutory, potestative, casual, and mixed.

✓ 5. Enumerate the principal defects which may occur in contracts.

✓ 6. A consideration may be (1) executed; (2) executory; (3) concurrent; (4) mixed. Distinguish between these, and give examples of each.

7. What is a nude pact? State the general rule of English law as to nude pacts, and state any practical limitations to it. Give any arguments which may occur to you against the policy of this rule, and state that of Blackstone in support of it.

8. Set forth the provisions of the fourth and of the seventeenth sections of the Statute of Frauds. Specify the contracts to which the latter section is extended by 9 Geo. IV, c. 14, s. 7.

9. Does the misrepresentation or concealment of a material fact in every case invalidate a contract? If not, state the exceptions, and discuss the principles upon which they rest.

10. Explain the points of resemblance and of difference between the quasi-contracts of Roman, and the implied contracts of English law.

✓ 11. In what cases may parol evidence be admitted to explain a written contract?

12. What are the requisites to a valid sale?

13. Define a lien. Distinguish between liens general and particular; and state how liens may be gained, and how lost.

14. What is stoppage *in transitu*? State the nature of this right, and the circumstances under which it is lost.

15. Enumerate the peculiar legal qualities which are incident to that instrument of contract which is called a Bill of Exchange.

16. Define Bailment. Enumerate the several kinds, and distinguish between the different kinds of negligence for which bailees are liable,

17. What are the liabilities of Carriers at Common Law? and what ~~as~~ limited by Statute (1) as to Carriers by Land, and (2) ~~as to~~ Carriers by Sea.

18. ~~State~~ how the authority of an agent may be created; and how determined. What is meant by a *del credere* commission?

19. How is the liability of a principal affected by the taking of his agent's bill?

20. Define a Novation, and state its different kinds.

21. A vendee gives a Bill of Exchange as the price of warranted goods; can he set up breach of warranty as defence to an action upon the Bill.

22. Wherein does the set-off of English differ from the acceptilation of Roman Law?

WEDNESDAY, *March 3rd* —*Morning 10 to 1½.*

PROCEDURE AND THE LAW OF EVIDENCE.

Examiner,—W. A. MONTRIOU, ESQ.

1. Give some account of the actions *ex contractu* in the Queen's Courts.

2. What is a plea in confession and avoidance?

3. Explain the object and character of the Answer in Equity procedure.

4. Distinguish what is commonly called the Section X Proceeding in a Mofussil suit from the issues joined in an English Common Law action.

5. What do you consider the first and leading rule in the Law of Evidence?

6. Why is Hearsay excluded?

7. State some of the principal presumptions of law.

8. Give two instances of estoppel

9. Explain the *onus probandi*, and on whom it rests.

10. What is a dying declaration, and why is it admitted?

11. When is opinion admissible in evidence?

12. What is re-examination of a witness, and what its object?

13. State generally when parol testimony is admissible to explain or modify written proof.

WEDNESDAY, *March 3rd.—Afternoon, 2 to 5½.*

CRIMINAL LAW.

Examiner,—W. A. MONTRIOU, Esq.

1. What is a crime? and how are crimes classed in English Law?

2. What is an indictment, and what must it contain?

3. If A, in the prosecution of an intention to kill and slay an animal belonging to B, accidentally kill C, is this murder? Give the grounds of your answer.

4. What are the essential ingredients of the crime of perjury?

5. Where lost goods are appropriated by the finder to his own use; under what, if any, circumstances, will such acquisition be larceny?

6. What is the origin and primary character of the office and power of a Justice of the Peace; and by what authority does a Justice of the Peace deal with a criminal charge summarily, i. e., by punishment and not committal?

7. Distinguish between *kutl-i-amud*, *shibah-i-amud*, and *kutl basubbub*.

8. In what cases is it the duty of a Mofussil Session's Judge to refer the proceedings of a trial for the judgment of the *Nizamut Adawlut*.

9. When is the Court (in the Mofussil) not bound or guided by the Law Officer's *futwa*, i. e., not bound by the provisions of Mahomedan law?

10. When does the prosecution of the crime of perjury differ in the Courts of the East India Company and the Queen's Courts?

11. How is burglary proved in the Mofussil and in the Queen's Courts?

12. Are all or any offences prosecuted in the Courts of the East India Company in the name and on behalf of the Government or the Public? Give reasons with your answer.

13. What is the meaning of a conviction on violent presumption, or *Zun-i-ghalibe*?

14. How does the office and duty of a Zillah Magistrate, as a committing officer, differ from that of a Justice of the Peace in dealing with a charge which he cannot summarily dispose of?

15. What is embezzlement?

16. Can there be an accessory to a misdemeanor in English Law?

17. What are the several modes in which a person charged with crime may be brought to trial before a Jury by English Law?

18. By what different modes may a Session's Judge in a Bengal Zillah try a charge of homicide?

B. L. HONOR EXAMINATION.

WEDNESDAY, *March 24th.—Morning*, 10½ to 1½.

ROMAN CIVIL LAW AND THE CONFLICT OF LAWS.

Examiner,—W. GRAPEL, Esq., M.A.

1. Discuss fully the growth and development of the double legislation in the Roman Republic; state whether there were practically any and what checks to the Tribunitian veto; and the measures which were from time to time

introduced, in order to remedy the inconvenience arising from this conflict of authority.

2. State accurately the doctrines as to Mistake (1) of the Roman Law, (2) of the English Common Law, and (3) of the English Court of Chancery.

3. Distinguish accurately between the three kinds of Roman tutelage, and show wherein the jurisdiction of the English Court of Chancery assimilates to, and wherein it differs from that of the Roman prætor.

4. Give the general principles which govern the Roman Law as to possession; with a summary view of Savigny's theory as to this subject.

5. Was there in the Roman system any, and, if so, what method of effecting an entail?

6. Define *fidei commissa*, and show the several modes of their extinction.

7. What is the law of the Institutes as to the bequest of an article pledged or mortgaged? Is such article to be given to the legatee free, or subject to the incumbrance?

8. State the three maxims of Huberus as to international jurisprudence, and give Story's opinion of them.

9. What is meant by the "Comity of Nations"? This has, by many jurists been deemed an inadequate expression, give your own views as to its propriety; and in so doing quote the sentence from Vattel, and the passage from one of Lord Stowell's judgments which are set forth by Story.

10. How do Courts of Justice arrive at the knowledge of foreign laws?

11. Give the general purport of Lord Stowell's argument in *Dalrymple vs. Dalrymple*, as to whether ignorance of

the law of a foreign country should be permitted to release a party from the obligation of a contract there made.

12. The surrender by a nation, of fugitives from justice who escape into its territories, and seek there an asylum from punishment, has been considered by certain jurists as a matter of Comity, and by certain others as a national duty; state the view of the case taken respectively by Paul Voet, by Vattel, by Grotius, by Puffendorf, and by Lord Coke. Discuss the question, weigh the several arguments, and give your own decision with the principles on which it rests.

WEDNESDAY, March 24.—Afternoon, 2 to 5½.

LAW AS ADMINISTERED IN THE COURTS OF THE EAST INDIA COMPANY.

Examiner,—W. A. MONTRIOU, Esq.

1. State and describe the documents of a *zemindary serishtah*, which are recognized by the Courts.

2. One Kissenchund, being much indebted, bought an estate in the name of his brother Manickchund, and suffered the latter to obtain a Collectory mutation in his own name. One Koonjee Singh having wrongfully got possession; Kissenchund sues him, alleging, in his plaint, that he had bought in the name of his brother, in order to protect the estate from his creditors, none of whom, however, are before the Court. The seller to Kissenchund, and Manickchund himself, both support, by their testimony, Kissenchund's title. How would the Sudder Court deal with the suit "*Kissenchund vs. Koonjee Singh*" on the above facts?

3. A ryot, by a caboolent recently entered into (counter-part of a *meyadee pottah*), undertakes to pay to the

Zemindars a yearly sum of Rs. 65 under the following heads, *viz.*, Rs. 56 rent, Rs. 2 salamee, Rs. 4 *punchuk* or *punch-gana*, Rs. 3 chowkeedaree. Is there any legal objection or obstacle to this yearly payment, or to any and which part of it, being enforced? Give the grounds of your opinion.

4. When may a Zemindar recover interest (accrued before suit) upon arrears of rent?

5. What, if any, prescriptive right, or adverse possession conferring right, to land, is recognized in the Bengal Mofussil Courts?

6. Nemychurn, one of a divided family of Zemindars, each enjoying separately his own share of the family lands, grants a putnee-talook of a village on the banks of a small river to Smith, and also grants, with the putnee, a right to the settlement of alluvial or accreted land. No butwarra had been made of the family Zumeendary, which was recorded *ijmalee* in the Collectorate. After the grant to Smith, a chur forms in the river, adjoining to Smith's putnee land:—To whom does the chur belong?—and would the proprietorship be differently awarded (and why) in the Civil and in the Revenue Courts, *i. e.*, in the Sudder Dewanee Court, and by the Board of Revenue?

7. A mortgage of land in Bengal, executed as an English deed, contains a power or permission to the creditor (mortgagee), after default made in payment of the debt on a specified day, and on a month's notice to be given to the owner of the land (mortgagor), to sell the land out and out, repaying himself his loan, with interest and costs, from the price, and rendering the surplus to the mortgagor. Default occurs, and the sale takes place, as stipulated. The mortgagor interferes, and prevents the purchaser (who has paid his purchase money) taking possession. Can the

latter, and how, enforce his title to the land in a Zillah Court? Give the grounds of your opinion.

8. A Revenue Commissioner employs one Gomes, a Deputy-Collector, to report upon a disputed boundary between two Government grantees, Sheikh Esmael and Jones. Gomes reports in favor of the Sheikh; whereupon Jones (by his mukhtar) addresses a petition to the Commissioner, in which occurs the following: "The report of the Deputy-Collector is unworthy of credit, for he is a partner with Sheikh Esmael in the land in dispute." The name of Jones was signed by the mukhtar who had acted for him throughout the proceeding; but no authority was shown for the defamatory paragraph, which is false.

If Gomes sue Jones for defamation, how, on the above facts, would the Sudder Court deal with the case, on appeal?

9. When Government buys an estate sold for arrears of revenue, will the Courts recognize, and upon what ground, a claim by the former malik, to settlement?

10. Shib Sunker Sein sues upon a bond or *tumasook* entered into by the defendant in favour (not of Shib Sunker Sein, but) of Ramlochun Goopt. Can such an action, under any and what circumstances, be maintained?

11. Give instances of suits (which have been or would be upheld) in the Mofussil Courts, for declaration of right, without other relief or object; and shew the circumstances essential to maintain such a suit.

12. What is a suit for "adjustment of rent"?—and by what proof must it be supported?

13. A Zemindar granted a talook of a portion of his estate in exchange for a copy of the Koran, but not reserving anything by way of rent. The talook continued to be so

held, i. e. without any return or rent from the holder for upwards of 50 years. Can the talookdar's interest be sustained in the terms of the grant—especially with reference to Reg. 1 of 1793, Sec. 10? Give the grounds of your opinion.

LICENTIATE IN MEDICINE AND SURGERY.

First Examination.

DESCRIPTIVE AND SURGICAL ANATOMY.

Examiner,—DR J. HARRISON.

1. What ligaments connect the bones entering into the composition of the ankle joint, and what is the disposition of the tendons, vessels, and nerves around the joint?
2. What are the characteristics of the prostatic portion of the urethra?
3. What are the course and relations of the external iliac artery, and its branches?
4. What is the distribution of the gustatory nerve, and what dissection is required to expose its whole course?
5. What are the anatomical distinctions between a portion of the transverse colon, and a portion of the lower end of the jejunum.

MATERIA MEDICA.

Examiner,—DR. S. G. CHUCKERBUTTY.

1. Describe the therapeutic action and uses of opium.

2. To what natural orders do the following native medicines belong :—

Chaulmogra,
Gurjon Oil,
Kameyla,
Bael and,
Kaladana?

How and when are they used, and what are their doses?

3. State the prominent peculiarities of action of the following purgatives, and the circumstances which contra-indicate their employment :—

Sulphate of Magnesia,
Bitartrate of Potash,
Calomel,
Aloes,
Rhubarb,
Croton Oil,
Oil of Turpentine,
Senna and Jalap.

4. What states of the constitution are benefitted by the salts of Iron?

5. Name the officinal preparations of Ammonia, and state their doses, and relative Therapeutic differences.

6. How will you prepare Tartar-Emetic and Iodide of Iron?

7. Mention what substances are commonly used as Caustics, and what are the principal features in their different modes of action.

8. What is the ordinary dose for an adult of Cod-Liver Oil, Tincture of Cantharidis, Hydrochlorate of Morphia, Extract of Conium, Acetate of Lead, and Wine of Colchicum.

9. Explain how Hydrocyanic Acid causes death when swallowed in immoderate doses.

CHEMISTRY.

Examiner,—DR. F. N. MACNAMARA.

1. Explain the terms :

Specific Gravity,
Latent Heat,
Maximum density of Vapours,
Dimorphism,
Polybasic,
Oxidation.

2. How is Ozone prepared?—what are its properties?

3. Explain the construction of a cell of Daniel's Battery, and the changes which occur in it while the Battery is at work.

4. What do you consider the most generally applicable test for Arsenic? Mention the precautions which you would take in using it for Medico-legal purposes.

5. How is the Daguerreotype process managed? What impurities would you expect to find in the chemicals used in the process?—and how might they be detected?

6. What general distinctions do you recognise between organic and inorganic chemical bodies.

7. Explain the changes which take place during the process for the preparation of ferro-cyanide of potassium. What is the action of a solution of that salt on a solution of a persalt of iron? Write the changes which occur in symbols.

8. What are the tests for albumen, blood, sugar, hippuric acid—in the urine?

9. What chemicals, and what supply of each would you place in a medical ward of the Hospital for clinical purposes? For what especial purposes would each of them be most commonly used.

Candidates for the Scholarship will omit the five first questions, and take the following in their stead:—

1. By what methods may a ray of light be polarised? Explain the effect of the polarizers by the undulatory theory of light.

2. How are the three chief constituents of opium separated from the drug.—What are the properties of each, and how may they be recognised in solution?

3. Compare the constituents of the red corpuscles of the blood with those of the serum, and from the comparison draw some inferences as to the functions of the former.

BOTANY.

Examiner, —DR. T. THOMSON.

1. What are stomates; on what part of plants do they occur; in what plants are they absent; describe their structure and function?

2. In what part of the flower is the pollen produced; what is its function; describe its formation, and development?

3. State the chief differences between exogens and endogens, giving also the exceptions under each character.

4. Give the characters of the natural order Leguminosæ.

ENTRANCE EXAMINATION PAPERS.

1858.

· MONDAY, *March 1st* — *Morning*, 10 to 1½

ENGLISH.

Examiner,—W. GRAPEL, Esq., M A.

1. State what you know of the life and character of Cowper. He has been called “the great regenerator of modern poetry” in what sense is this true?

2

Mighty winds

That sweep the skirt of some far-spreading wood
 Of ancient growth, make music not unlike
 The dash of ocean on his winding shore,
 And lull the spirit while they fill the mind,
 Unnumbered branches waving in the blast,
 And all their leaves fast fluttering, all at once.
 Nor less composure waits upon the roar
 Of distant floods, or on the softer voice
 Of neighbouring fountain, or of rills that slip
 Through the cleft rock, and chiming as they fall
 Upon loose pebbles, lose themselves at length
 In matted grass, that with a livelier green
 Betrays the secret of their silent course.
 Nature inanimate employs sweet sounds
 But animated nature sweeter still,
 To soothe and satisfy the human ear.

Paraphrase these lines very literally.

3. Of what verb is "cleft" the past participle? Mention any other English verbs which have two forms of this participle

4. Give the literal meanings of the following words; *transient*; *trivial*; *aquiline*; *articulate*; *labyrinth*; *sinuous*; *hypocrite*; *supercilious*; *demagogue*.

5. State in your own words the nature of the distinction which Cowper draws between Knowledge and Wisdom. *sw*

6. I was a *stricken* deer, *that* left the herd
Long since; with *many* an arrow *deep* infixed
My parting side *was charged*, when I withdrew
To seek a tranquil death *in* distant shades.

Parse the words in Italics

7. Distinguish between the following expressions:—

Since the Steamer *has* arrived?

If the Steamer *be* arrived?

8. Define a participle, and state its principal uses.

9. Defend me, therefore, Common Sense, say I,
From reveries so airy, from the toil
Of dropping buckets into empty wells,
And growing old in drawing nothing up!

Of what has Cowper here been speaking? Give a very brief outline of the context.

10. Explain the terms Ellipsis, Pleonasm, and Apposition, giving examples of each.

11. Would I had fallen upon those happier days
That poets celebrate! those golden times
And those Arcadian scenes that *Maro* sings,
And *Sidney*, warbler of poetic prose.

State what you know of "Maro" and of "Sidney"; and give the names of their principal works.

12. "The Committee was of one mind."

"The Committee were of one mind"

Which of these expressions is correct? Or are both so? If the latter, what idea predominates in the first, and what in the second case? Give the general rule as to the number of the verb that shall accompany collective nouns.

MONDAY, *March 1st.*—*Afternoon, 12 to 5½.*

ENGLISH.

Examiner,—W. GRAPEL, Esq., M.A.

1. In what year was the battle of Trafalgar fought, and how old was Nelson at that time?

2. Who commanded the French and Spanish fleets respectively at Trafalgar, and what was the fate of these Admirals.

3. *a.* "Nelson groaned over the spirit of overreasoning caution and unreasoning obedience"

b. "Regardless of this interdict, which under the circumstances it would have been an act of suicidal folly to have regarded, he anchored in the bay."

Explain these sentences.

4. State what you can of the Battle of the Nile. Which side had the advantage of numbers in ships, guns, and men? What incident caused the firing on both sides to cease for a time?

5. What were the effects of the battle of the Nile on Austria, on Russia, and on Naples respectively.

6. Describe in few words the state of Naples at this period.

7. On what single occasion did Nelson refuse to obey the order of a superior officer.

8. Give instances of nouns which by a simple transposition of the accent become verbs.

9. Distinguish between verbs transitive and verbs intransitive.

10. "I *walked* to town."

"He *walked* the Horse to the stable."

Is the verb "to walk" transitive or intransitive? And is it the same in both these examples.

11. Distinguish between the following expressions:—

- a. { Long and repeatedly did Nelson solicit the troops
to effect the reduction of this important place.
Long and repeatedly did Nelson solicit troops to
effect the reduction of this important place.
- b. { The Captain and Commodore.
The Captain and the Commodore.
- c. { The two first frigates.
The first two frigates.

13. "The battle being over, the fleet withdrew."
In what case is 'battle'?

Write a very short essay on this sentence in Southey's account of Nelson's early death:—

"He cannot be said to have died prematurely whose work was done, nor ought he to be lamented who died so full of honours, and at the height of human fame."

TUESDAY, *March 2nd.*—*Morning*, 10 to 1½.

GREEK.

Examiner,—W. GRAPEL, Esq., M.A.

1. ὦ πόποι ἦ μέγα πένθος Ἀχαιῖδα γαῖαν ἰκάνει
 ἦ κεν γηθῆσαι Πρίαμος, Πριάμοιο τε παῖδες,
 ἄλλοι τε Τρῶες μέγα κεν κεχαρόιατο θυμῷ,
 εἰ σφῶιν ταδὶ πάντα πυθόιατο μαρναμένοιιν
 οἱ περὶ μὲν βουλήν Δαναῶν περὶ δ' ἔστέ μάχεσθαι.
 ἀλλὰ πίθεσθ'. ἄμφω δὲ νεώτερω ἔστον ἐμῆιο.
 ἦδη γάρ ποτ' ἐγὼ καὶ ἀρείοσιν ἤεπερ ὑμῖν,
 ἀνδράσιν ὠμίλησα, καὶ οὐποτέ μ' οἷγ' ἀθερίζον.
 οὐ γάρ πω τοίους ἴδον ἀνέρας, οὐδὲ ἴδωμαι,
 οἷον Πειρίθοόν τε Δρυάντά τε, ποιμενα λαῶν,
 Καννέα τ' Ἐξαδίον τε καὶ ἀντίθεον Πολύφημον
 Θησέα τ' Αἰγείδην, ἐπιέικελον ἀθανάτοισι.
 κάρτιστοι δὴ κῆिनοι ἐπιχθονίων τράφεν ἀνδρῶν,
 κάρτιστοι μὲν ἔσαν, καὶ καργίστοις ἐμάχοντο
 Φηρσὶν ὄρεσκόοισι, καὶ ἐκπ' ἀγλῶς ἀπόλεσαν.
 καὶ μὲν τοῖσιν ἐγὼ μεθόμιλεον ἐξ Πύλου ἐλθὼν.
 τηλόθεν ἐξ Αἰπὶς γαίης· καλέσαντο γὰρ αὐτοί.
 καὶ μαχόμεν κατ' ἐμ' αὐτόν ἐγώ, κέινουσι δ' ἄν
 οὔτις
 τῶν, οἳ νῦν βροτοὶ εἰσιν ἐπιχθονιοὶ μαχεόιτο.
 καὶ μὲν μεν βουλέων ζύνιεν, πειθοντό τε μύθῳ.
 ἀλλὰ πίθεσθε καὶ ὕμμες, ἐπεὶ πείθεσθαι ἄμεινον.

μήτε σὺ τόνδ', ἀγαθός περ ἐὼν ἡποάιρεο κούρην,
 ἀλλ' ἕα, ὡς οἱ πρῶτα δόσαν γέρας υἱες Ἀχαιῶν
 μήτε σὺ, Πηλείδην, 'θελ' ἐριζέμεναι βασιλῆϊ
 ἀντιβίην. ἐπεὶ ὕποθ' ὁμοίης ἔμμορε τιμῆς
 σκηπτοῦχος βασιλεὺς, ὥτε Ζεὺς κῦδος ἔδωκεν.
 εἰ δὲ σὺ καρτερὸς ἐσσί, θεὰ δέ σε γείνατο μήτηρ
 ἀλλ' ὅγε φέρτερός ἐστιν, ἐπεὶ πλειόνεσσιν ἀνάσσει.
 Ατρείδην, σὺ δὲ πᾶνε τεὸν μένος, αὐτὰρ ἔγωγε
 λίσσομ', Ἀχιλλῆϊ μεθέμεν χόλον, ὅς μέγα πᾶσιν
 ἔρκος Ἀχαιοῖσι πέλεται πολέμοιο κακοῖο.

Translate this passage into English.

2. Give the number, tense, mood, and voice of the following verbal forms, with the Attic forms (when different), and the Present Indicative of each:—*κεχαροίατο*, *μαρναμένοιιν*, *τράφεν*, *ἕα*, *ἐριζέμεναι*, *ἔμμορε*, *γείνατο*.

3. What are the future and second aorist forms in use for *φέρω*, *τρέχω*, *πίθω*, *εἶδω*.

4. Give the comparatives and superlatives of *ἄγαθος*, *καλός*, *ἡδὺς*, *αἰσχυρὸς*, *ταχύς*.

5. What is the absolute case in Greek? What does it serve to mark? Give an example of a Greek sentence in which it is used.

6. Decline *βασιλεύς*, *μήτηρ*, *πένθος*, *κύδος*, *ἕαρ*.

7. What tenses of the verb *ἵστημι* are transitive? And what intransitive?

8. Translate into Attic Greek the following sentences:—

a. "Homer, Prince of Poets, sings the wrath, the lasting wrath of Achilles, son of Peleus."

b. "The great king's beautiful daughter, upraising her hands prayed to Phœbus Apollo."

c. "Trojans and well-greaved Greeks endure much on account of white-armed Helen."

TUESDAY, March 2nd.—Afternoon, 2 to 5½

GREEK.

Examiner,—W. GRAPEL, ESQ., M.A.

1. Assuming the *Cyropædia* to be a kind of political romance, what may be conceived to be the objects of the author?

2. Translate into English:—

"Ἄνδρες φίλοι, ἐγὼ ὑμᾶς ὁρῶν αὐτοὺς μὲν καθωπλισμένους ὄντω, καὶ ταῖς ψυχαῖς παρεσκεασμένους, ὥς χεῖρας συμμίζοντας τοῖς, πολεμίοις τοὺς δὲ ἐπομένους ὑμῖν Πέρσας γιγνώσκων, ὅτι οὕτως ὀπλισμένοι εἰσὶν, ὥς ὅτι προσωτάτο σταθεντες μάχεσθαι, ἔδεισα. μή ὀλίγοι στες καὶ ἔρημοι συμμάχων συμπίπτοντες πολεμίοις πολλῶις, πάθοιτε τι. Νῦν μὲν οὖν, ἔφη, ἑσώματα χοντες ἀνδρῶν ἤκετε ὅν μεμπτά. ὅπλα δὲ ἔσται αὐτοῖς ὅμοια τοῖς ἡμετέροις. τάς γε μὴντοὶ ψυχὰς αὐτῶν θήγειν ὑμέτερον τὸ ἔργον. "Ἀρχοντος γὰρ ἐστίν, οὐχ ἑαυτὸν μόνον ἀγαθὸν παρέχειν, ἀλλὰ δεῖ καὶ τῶν ἀρχομένων ἐπιμελεῖσθαι, ὅπως ὥς βέλτιστοι ἔσονται. "Ὁ μὲν οὕτως εἶπεν· οἱ δ' ἡσθησαν μὲν πάντες, νομίζοντες μετὰ πλείονων ἀγωνεῖσθαι.

3. Parse ὁρῶν, συμμίζοντας, ταχθέντες, πάθοιτε, ἥσθησαν, giving the principal tenses of the verbs from which they come.

4. Give the future and perfect forms in use for πᾶσχω, ὀφλισκανω, πίνω, πυνθάνομαι, πίπτω, ἐλάυνω.

5. Give the derivations of οἰνόχοος, νόμος, ἀγορά, ἀρπαγή, ἔφηβος, ἔννοια.

6. What is the force of παρὰ in composition? Give examples.

7. Distinguish between the uses of ὅν and μὴ.

8. Translate into Greek the following sentences:—

a. "Cyrus was the son of Cambyses, king of the Persians."

b. "They teach the boys to draw the bow, and to hurl the javelin."

c. "They brought tidings to Astyages that the enemy was in his country."

d. "Cræsus, the Lydian, is said to be at the head of ten thousand cavalry, and of many targeteers and bowmen."

TUESDAY, *March 2nd.—Morning*, 10 to 1½.

LATIN.

Examiner,—W. GRAPEL, ESQ., M.A.

1. Translate into English:—

Postquam divitiæ honori sese cœpere, et eas gloria, imperium, potentia sequebatur; hebescere virtus, paupertas probro haberi, innocentia pro malevolentia duci cœpit. Igitur ex divitiis, juventutem luxuria et avaritia cum superbia

invasere: rapere, consumere; *sua* parvi pendere, aliena cupere; pudorem, pudicitiam, divina atque humana promiscua, nil pensi neque moderati habere. Operæ pretium est, quum domos atque villas cognoveris in urbium modum exædificatas, visere templa deorum, quæ nostri majores, religiosissimi mortales, fecere. Verum illi delubra deorum pietate, domos suas gloria decorabant; neque victis quicquam, præter injuriæ licentiam eripiebant. At hi contra, ignavissimi homines per summum scelus omnia ea sociis adimere, quæ fortissimi viri victores reliquerant: proinde quasi injuriam facere, id demum esset imperio uti.

2. Distinguish between *potestas* and *potentia*; between *cupere*, *optare* and *avere*; between *adimere* and *eximere*; between *vir* and *homo*; between *templum*, *fanum* and *delubrum*; and between *culpa*, *scelus*, *crimen*, *flagitium* and *facinus*.

3. *Haud facile animus verum providet ubi illa obficiunt; neque quisquam omnium libidini simul et usui paruit. Ubi intenderis ingenium, valet; si libido possidet, ea dominatur, animus nihil valet.* Magna mihi copia est memorandi, Patres Conscripti, qui reges atque populi, ira aut misericordia impulsī, male consuluerint; sed ea malo dicere, quæ majores nostri, contra libidinem animi, sive recte atque ordine fecere. Bello Macedonico quod cum rege Perse gessimus, Rhodiorum civitas magna atque magnifica, quæ populi Romani opibus creverat, infida atque adversa nobis fuit; sed postquam, bello confecto, de Rhodiis consultum est, majores nostri, ne quis divitiarum magis, quam injuriæ causa bellum inceptum diceret, impunitos eos dimisere. *Item bellis Punicis omnibus, cum sæpe Carthagenienses et in pace et per inducias, multa nefaria facinora fecissent, nunquam ipsi per occasionem talia fecere; magis, quid se dignum foret, quam quid in illos jure fieri posset, quærebant.*

a. Explain briefly the historical allusions.

b. Translate the clauses in italics.

c. Distinguish between *consulit Cæsarem*; *consulit Cæsari*; and *consulit in Cæsarem*.

4. Is there any, or what ground for believing that the character of Catiline, as drawn by Cicero and Sallust should be looked on with suspicion?

5. Give the perfects, and supines of *cado*, *cædo*, *occido*, *traho*, *quæro*, *gaudeo* and *torreo*.

6. How is the English present infinitive translated after the verbs *to promise*, *to hope*, and *to undertake*? Give examples of each.

7. "Ad hoc Si quis indicavisset de conjuratione quæ contra rempublicam facta erat, præmium servo libertatem et sestertia centum; libero impunitatem ejus rei et sestertia ducenta."

a. Translate, giving in parenthesis the value in English money.

b. Derive the word sestertius; distinguish between it and sestertium.

a. Lucius Catiline, a man sprung of noble race, was of great strength as well of body as of mind, but of an understanding wicked and depraved.

b. Supreme power is easily retained by those methods by which at first it was obtained.

c. Catiline, mindful of his race and former dignity, rushes into the thickest of the foe, and there battling perishes.

TUESDAY, March 2nd.—Afternoon, 2 to 5½.

LATIN.

Examiner,—W. GRAPEL, Esq.

1. Jam satis terris nivis atque diræ
Grandinis misit Pater, et rubenti,
Dextera sacras jaculatus arces,
Terruit Urbem ;
Terruit gentes, grave ne rediret
Seculum Pyrrhæ, nova monstra questæ,
Omne cum Proteus pecus egit altos,
Visere montes
Piscium ét summa genus hæsit ulmo,
Nota quæ sedes fuerat palumbis ;
Et superjecto pavidæ natarunt
Æquore damæ.
Vidimus flavum Tiberim, retortis
Litore Etrusco violenter undis,
Ire dejectum monimenta regis
Templaque Vestæ.
Ilis dum se nimium querenti
Jactat ultorem, vagus et sinistra
Labitur ripa, Jove non probante, u-
Xorius amnis,
Audiet cives acuisse ferrum
Quo graves Persæ melius perirent
Audiet pugnas vitio parentum
Rara juvenus.
Quem vocet divum populus ruentis
Imperi rebus ? prece qua fatigent
Virgines sanctæ minus audientem
Carmina Vestam ?

Cui dabit partes scelus expiandi
Jupiter? Tandem venias, precamur,
Nube candentes humeros amictus

Augur Apollo;

Sive tu mavis, Erycina ridens,
Quam Iocus circumvolat et Cupido;
Sive neglectum genus et nepotes

Respicis, auctor,

Heu! nimis longo satiate ludo
Quem juvat clamor galeæque leves,
Acer et Marsi peditis cruentum

Vultus in hostem;

Sive mutata juvenem figura
Ales in terris imitaris, almæ
Filius Maiæ, patiens vocari

Cæsaris ultor;

Serus in cœlum redeas, diuque
Lætus intersis populo Quirini:
Neve te nostris vitiis iniquum

Ocior aura

Tollat. Hic magnos potius triumphos,
Hic ames dici pater atque princeps;
Neu sinus Medæ equitare inultos

Te duce, Cæsar.

1. Translate the above into English.
2. What is the historical allusion in the sixth stanza?
3. Explain fully the etymology of the following words in the extract: æquore, acuisse, expiandi, neglectum, auctor, satiate, iniquum, princeps.
4. Distinguish between lævis and lēvis.
5. Give the perfects of hæreo, vinco, curro, patior, surgo, ferio, differo.

6. Te semper anti

Clavos trabales et cancos ;

Gestans athena ; nec semerata

Uncus abest ; liquidumque plumbum.

Translate into English, and explain the meaning of the words in italics.

7. Give the comparatives and superlatives in use of malus, bonus, magnus, parvus.

8. Translate into Latin prose.

a. Wan Death strikes with impartial foot at the hovels of beggars, and the towers of kings.

b. To-morrow will we wend across the sea.

c. The man, my Fuscus, sound of life and clear of crime, stands not in need of Moorish darts, of bow, nor of the quiver heavy with empoisoned shafts.

d. The huntsman tarries beneath the chilly sky, unmindful of his tender spouse.

TUESDAY, March 2nd.—Morning, 10 to 1½

BENGALI.

Examiner,—PUNDIT ESHWAR CHANDER BIDYASAGUR.

1. রাজ্যখণ্ড ছাড়ি রাম যান বনবাসে ।

শিরে হাত দিরা কান্দে সন্তে নিজবাসে ॥

কান্দে সীতা আলো পাছে দুই মহাবীর ।

ভিন্ন জন হইলেন পুত্রীর বাহির ॥

শ্রী পুরুষ কান্দে যত অসহায় বগবান ।

কান্দকের পাছে গেল কান্দকের সারী ॥

সে সীতা না দেখিলেন ফিরের কিরণ ।

দেখ সীতা বলে যান দেব সর্বজন ॥

যেই রাম অমেন সোণার চতুর্দোহন ।
 হেন প্রভু রাম পথ বাহেন সুভমে ॥
 কোথাও না দেখি হেন কোথাও না শুনি ।
 হাহাকার করে হুঙ্কার বান্ধে রমণী ॥
 জগতের মাথ রাম যান তপোবনে ।
 বিদায় হইতে যান পিতার চরণে ॥
 বুদ্ধি নাহি ভূপতির হরিয়াছে জ্ঞান ।
 রাম বনে গেলে তাঁর কিসে রবে প্রাণ ॥
 রাজারে পাগল কৈল কৈকেয়ী রাক্ষসী ।
 রাম হেন পুণ্য যার হৈল বনবাসী ॥
 মনে বুদ্ধি রাজার যে নিকট মরণ ।
 বিপরীত বুদ্ধি হয় এই সে কারণ ॥
 জানকী সহিত রাম যান তপোবন ।
 রাজ্য স্বত্বভোগ ছাড়ি চলিল জঙ্গল ॥

Answer the following questions:—

a. রাজ্যখণ্ড ছাড়ি রাম যান বনবাসে।—রাম কি জন্মে রাজ্যখণ্ড ছাড়িয়া বনবাসে চলিলেন তাহার সবিশেষ লিখ ।

b. যে সীতা না দেখিলেন স্বর্গের কিরণ।—ইহার অর্থ ও তাৎপৰ্য্য কি ?

c. রাম পথ বাহেন সুভমে।—ইহার অর্থ কি ?

d. বন ও তপোবন এই উভয়ের বিশেষ কি বল ?

e. বুদ্ধি নাহি ভূপতির হরিয়াছে জ্ঞান।—এস্থলে হরিয়াছে জ্ঞানার কৰ্ত্তা কে ?

f. রাজারে পাগল কৈল কৈকেয়ী রাক্ষসী।—কৈকেয়ী কে, তাহাকে রাক্ষসী বলিল কেন, কেই বা রাজাকে কিরূপে পাগল করিল ; এস্থলে পাগল শব্দের অর্থ কি ? আর পাগল শব্দের প্রকৃত অর্থের সহিত ই অর্থের ভেদ কি ?

g. মনে বুদ্ধি রাজার ঘে নিকট মরণ। বিপরীত বুদ্ধি হয়
এই সে কারণ ॥—ইহার অর্থ কি ?

h. রাজ্য স্বত্বভোগ ছাড়ি চলিল মজ্জণ।—মজ্জণ কি জ্ঞে
রাজ্য স্বত্বভোগ ছাড়িয়া চলিলেন এবং কোথায় বা চলিলেন
বল ?

2. Turn the following lines into prose :—

পিচ্ছশাক ভাতশোক মাঘের অযশ।
ভরত করেন দেখ রজনী দিবস ॥
আমা হেতু পিতা মরে জাতা বনবাসী।
এতেক জানিলে কেন দেশে আমি আসি ॥
বশিষ্ঠ বলেন তুমি ভরত পণ্ডিত।
তোমাতে বুঝাব কত এ নহে উচিত ॥
সদ্য পালি ভূপতি গেলেন স্বর্গবাস।
তাহার কারণে কান্দ হয় পুত্র নাশ ॥
রাম হেন পুত্র যার গুণের নিধান।
কে বলে মরিল রাজা আছে বিজ্ঞমান ॥
এই রূপে বুঝান বশিষ্ঠ মহামুনি।
ভরত না শুনে কিছু কহে খেদ বাণী ॥
কিমতে ধরিব প্রাণ পিতার মরণে।
কিমতে ধরিব প্রাণ রামের বিহনে ॥
কিরূপে হইব স্থির কাহারে মিরথি।
হুই শোকে প্রাণ রহে কোথাও না দ্রুথি ॥
শশধর যেমন হইলে মেঘাচ্ছন্ন।
বিবর্ণ ভরত অতি তেমনি বিষন্ন ॥

3. পরে রজনীতে আত্মীয় বর্গের সহিত নির্জন স্থানে বসিয়া
পাত্রকে আত্মান পূর্বক সকলকে পত্রার্থ জ্ঞাত করাইয়া
কহিলেন তোমরা বিবেচনা কর ইহার কি কর্তব্য।

প্রধান প্রধান সকল মন্ত্রিরা মবাবের অত্যাচারে প্রপীড়িত হইয়া আমাকে আত্মা লিপি লিখিয়াছেন।

ক্ৰমেক পরে পাত্র নিবেদন করিলেন মহারাজ! দেশাধিকারীর বিষয়ে অতি সাবধান পূর্বক বিবেচনা করিতে হইবেক।

ইহা স্থির হইলে কিঞ্চিৎ কালের পর পাত্র প্রেরিত হইলেন।

হঠাৎ মহারাজের যাওয়া পরামর্শ সিদ্ধ হয় না।

Answer the following questions :—

1. নির্জন, পত্রার্থ, আত্মালিপি, পরামর্শসিদ্ধ—ইহার মধ্যে কোন পদে কোন সমাস হইয়াছে বল।

2. অত্যাচারে প্রপীড়িত হইয়া—এস্থলে অত্যাচারে কোন কারক।

3. অতি সাবধান পূর্বক বিবেচনা করিতে হইবে—এস্থলে হইবে ক্রিয়ার কর্তা কে? আর সাবধান পূর্বক এই প্রয়োগ শুদ্ধ কি অশুদ্ধ; যদি অশুদ্ধ বোধ কর তাহার কারণ বল।

4. পাত্র প্রেরিত হইলেন—ইহা কোন বাচ্যের প্রয়োগ; এই বাচ্যের কর্তা কন্ম ক্রিয়া দেখাইয়া দাও।—

TUESDAY, March 2nd.—Afternoon, 2 to 5½.

BENGALI.

Examiner,—PUNDIT ESHWAR CHUNDER BIDYASAGUR.

1. Translate the following lines into English :—

রাজা বাসায় আসিয়া মহারাজ মহেন্দ্র, রাজা রাজনারায়ণ, রাজা রাজবল্লভ ও জগৎ শেঠ এবং মীরজাফর আলি খাঁ, ইহা-
দিগের সহিত সাক্ষাতের বাসনায় লোক প্রেরণ করিলেন।
তাহাতে সকলেই অস্বমতি করিলেন রায়ে আসিতে কহিও।

ক্রমে ক্রমে রাজা সকলের নিকট রাষ্ট্রে গমন করিয়া আত্ম নিবেদন করিলেন। জনগণ শেঠ কহিলেন, এ দেশে অসন্তুষ্ট উপ-
দ্রব্ব হইয়াছে, দেশাধিকারী অতি দুরন্ত, কাহারো বাস্তু শুনে
না, দিন দিন অসন্তোষের হৃদয় হইতেছে; অতএব সকলে ঐশ্ব-
র্যমত অবলম্বন পূর্বক উপায় চিন্তা না করিলে, কাহারো নিকৃতি
নাই, দেশ অচিরে উচ্ছন্ন দশায় নিপতিত হইবেক। রাজা
কৃষ্ণচন্দ্র রায় এতাবস্থান্ত আকর্ষণ করিয়া কহিলেন, আপনারা
রাজস্বারের কর্তা, আমি আপনাদিগের মতাবলম্বী; ক্ষেত্রপ কহি-
বেন সেই রূপ কার্য করিব। ইহা শুনিয়া জনগণ শেঠ কহিলেন,
আপনি বাসায় যাউন; আমি মহারাজ মহেন্দ্রের সহিত পরা-
মর্শ করিয়া নিম্নত স্থানে বসিয়া আপনাকে ডাকাইব। ইহা
শ্রব হইলে, রাজা বিদায় হইয়া বাসায় গেলেন ॥

2. Translate the following sentences into Bengali:—

1. The air is really a heavy substance, although it seems to be so light.

2. Every day the sun rises in the sky until noon, and then descends again until evening, when it sets entirely out of sight.

3. At night, after the sun has set, the surface of the earth sends back into the air a great deal of the heat it had received during the day, and consequently then becomes much colder than the air.

4. When solid substances are made intensely hot, they are changed into liquids. If they are subjected to still higher degrees of heat, the liquid becomes vapour.

5. Man has within his throat a little instrument or organ, by means of which he can produce sound whenever he pleases. This is called the organ of voice.

TUESDAY, March 2nd.—Morning, 10 to 1½. *Her*

SANSKRIT.

Examiner,—PUNDIT ESHWAR CHUNDER BIDYASAGUR.

अथाजिनाषाद्धरः प्रगल्भवाक् ज्वलन्निव ब्रह्ममयेन
तेजसा ।

विवेश कश्चिज्जटिलस्तपोवनं शरीरबद्धः प्रथमाश्रमो यथा ॥
तमातिथेयी बद्धमानपूर्वया सपर्यया प्रत्युदियाय पार्वती ।
भवन्ति साम्येऽपि निविष्टचेतसां वपुर्विशेषेष्वधिगौरवाः
क्रियाः ॥

विधिप्रयुक्तां परिगृह्य सत्क्रियां परिश्रमं नाम विनीय च
क्षणम् ।

उमां स पश्यन् ऋजुनैव चक्षुषा प्रचक्रमे वक्तुमनुज्झितक्रमः ॥
अपि क्रियार्थं सुलभं समित्कुशं जलान्यपि स्नानविधि-
क्षमाणि ते ।

अपि स्वशक्त्या तपसि प्रवर्त्तसे शरीरमाद्यं खलु धर्मसाध-
नम् ॥

अपि त्वदावर्जितवारिसम्भृतं प्रबालमासामनुबन्धि वीर-
धाम् ।

चिरोज्झितालक्तकपाटलेन ते तुलां यदारोहति दन्तवा-
ससा ॥

अपि प्रसन्नं हरिणेषु ते मनः करस्थदर्भप्रणयापहारिषु ।
य उत्प्लाव्य प्रचलैर्विलोचनैः क्षवाक्षिसादृश्यमिव प्रयुञ्जते ।
यदुच्यते पार्वति पापहृत्तये न रूपमित्यव्यभिचारि तद्वचः ।
तथाहि ते श्रीलमुदारदर्शने तपस्विनामप्युपदेशतां गतम् ॥

Answer the following questions :—

1. अजिनाषाद्धरः—अस्य कोऽर्थः कोवाच समासः कीदृशं वा समासवाक्यम् ।

2. शरीरबद्धः प्रथमाश्रमो यथा—अस्य कोऽर्थः ।

3. भवन्ति साम्येऽपि निविरुचेतवां वपुर्विशेषेष्वधि-
गौरवाः क्रियाः ।—अस्य कोऽर्थः ।

4. उमां स पश्यन् ऋजुनैव चक्षुषा—अत्र ऋजुनैति-
विशेषणस्य किं तात्पर्यम् । किंच ऋजुशब्दस्य त्रिषु
लिङ्गेषु प्रथमा द्वितीया तृतीया विभक्तिषु रूपं लिख ।

5. अनुज्झितक्रमः—अस्य कोऽर्थः कोवाच समासः
कीदृशं वा समासवाक्यम् ।

6. समित्पुत्रम्—अत्र कः समासः कीदृशं वा समास
वाक्यम् ।

7. ज्ञानविधिचक्रमाणि—अत्र कः समासः कीदृशं वा
समासवाक्यम् । किंच ज्ञानाणीत्यत्र कथं गत्वम् ।

8. अपि स्वशक्त्या तपसि प्रवर्त्तसे शरीरमाद्यं खलु धर्म-
साधनम् । अस्य कोऽर्थः ।

9. पितरोज्झितालङ्ककपाटलेन—अस्य कोऽर्थः—को-
ऽत्र समासः कीदृशं वा समासवाक्यम् ।

10. दन्तवाससा—अत्र कथं तृतीया । दन्तवासाः-
शब्दस्य कोऽर्थः कथं वा सोऽर्थः प्रतीययते । किंच अस्य
शब्दस्य प्रथमा तृतीया त्रयी विभक्तिषु रूपं लिख ।

11. करस्वदर्भप्रसवापहरिवु—अस्य कोऽर्थः ।

12. प्रयुज्यते—कस्य घातोः कस्मिन् काले कस्मिन् वचने च प्रयोगोऽयम् । किंच अस्य क्रियापदस्य कर्त्तृपदं प्रदर्शय ।

13. यदुच्यते पार्वति पापवृत्तये न रूपमित्यथभिचारि तद्वचः । अस्य कोऽर्थः । पापवृत्तये इत्यत्र का समासः । किंच अथभिचारि शब्दस्य त्रिषु लिंगेषु प्रथमा द्वितीया पंचमी सप्तमी विभक्तिषु रूपं लिख ।

TUESDAY, March 2nd.—Afternoon, 2 to 5½.

SANSKRIT.

Examiner,—PUNDIT ESHWAR CHUNDER BIDYASAGUR.

1. Paraphrase the 2nd and 4th slokas in the following passage :—

1. नमोविश्वरूपे पूर्वं विश्वं तदनु विभ्रते ।
अथ विश्वस्य संहर्षं तुभ्यं त्रेधास्थितात्मने ॥
2. रसान्तराख्येकरसं यथा दिव्यं पयोऽश्नुते ।
देशे देशे गुणेष्वेवमवस्थास्त्वमविक्रियः ॥
3. अमेयो मितषोक स्वमनर्थी प्रार्थनावहः ।
अजितो जिघृक्षु रत्यक्तमयत्तो व्यक्तकारणम् ॥
4. प्रत्यक्षोऽप्यपरिच्छेद्योमह्मादिर्महिमा तव ।
आप्तवागनुमानाभ्यां साध्यं त्वां प्रति वा कथा ॥
5. महिमानं बहुकीर्त्यं तव संक्रियते वचः ।
अमेज्ज तदश्रया वा न गुणानामियत्तया ॥

2. Translate the following lines into English :—

तमार्जवसमायुक्तमनाय्यं सत्यवादिनम् ।

उवाच रामं कैकेयी वचनं हृष्टदाशनम् ।

“ मयाद्य याचितो राजा भरतस्याभिषेचनम् ।

गमनं दृष्टकारण्ये तव चाद्यैव राघव ।

अदि सत्यप्रतिज्ञं त्वं पितरं कर्तुमिच्छसि ।

आत्मानं च नरश्रेष्ठ मम वाक्यमिदं शृणु ।

त्वयारण्यं प्रवेष्टव्यं नव वर्षाणि पञ्च च ।

भरतश्चाभिषिच्येत यदेतदभिषेचनम् ।

त्वदर्थं विहितं राज्ञा तेन सर्वथा राघव ॥

Translate the following sentences into Sanscrit :—

1. The air is really a heavy substance, although it seems to be so light.

2. Every day the sun rises in the sky until noon, and then descends again until evening, when it sets entirely out of sight.

3. At night, after the sun has set, the surface of the earth sends back into the air a great deal of the heat it had received during the day, and consequently then becomes much colder than the air.

4. When solid substances are made intensely hot, they are changed into liquids. If they are subjected to still higher degrees of heat, the liquid becomes vapour.

5. Man has within his throat a little instrument or organ, by means of which he can produce sound whenever he pleases. This is called the organ of voice.

TUESDAY, March 2nd.—Morning, 10 to 1½.

HINDEE.

Examiner,—PUNDIT ESHWAR CHUNDER BIDYASAGUR.

तब कह गृध्र बचन धरि धीरा ।
 सुनऊ राम भंजन भव भीरा ॥
 नाथ दशानन यह गति कीन्ही ।
 ते हि खल जनकसुता हरि लीन्ही ॥
 लै दक्षिण दिशि गयेउ गुसाईं ।
 बिलपति अति कुररी की नाई ॥
 दरस लागि प्रभु राखेउ प्राणा ।
 चलन चहत अब कृपामिधाना ॥
 राम कहा तनु राखऊ ताता ।
 मुख मुसकाइ कही तेइ बाता ॥
 जाकर नाम मरत मुख आवा ।
 अधमौ मुक्त कोइ अति गावा ॥
 सो मम लोचन मोचर आमे ।
 राखौ देह नाथ के हि लागे ॥
 जखभरि नयन कहा रघुराई ।
 तात कर्म बिजते मति पाई ॥
 पर हित बस जिन्ह के मन माहीं ।
 तिनह कहं अगदुर्लभ कहु नाहीं ॥

1. Answer the following questions :—

a. सुनऊ राम भंजन भवभीरा ।—भंजन भवभीरा
 इसका अर्थ क्या है । इस पद में कौन समास है ।

b. नाथ दशानन यह गति कीन्ही ॥—नाथ पद में कौन कारक है कीन्ही क्रिया का कौन कर्त्ता है। दशानन पद का अर्थ क्या है और इस पद में कौन समास है।

c. बिलपति अति कुररी की नाई ॥—इसका अर्थ क्या है ॥

d. चलन चहत अब कृपानिधाना ॥—चहत क्रिया का कर्त्ता कौन है, कृपानिधाना किसका विशेषण है; इस पद में कौन कारक औ कौन समास है।

e. जाकर नाम मरत मुख आवा। अधमौ मुक्त होइ अति गावा ॥—इसका अर्थ क्या है ॥

f. परहित बस जिन्हके मन माहीं। इसका अर्थ क्या है ॥

2. Turn the following lines into prose:—

कोमल पित अति दीन दयाला।

कारण विनु रघुनाथ कृपाला ॥

गृध्र अधम खग आमिष भोगी।

गति तेहि दोन्ह जो जाचत योगी ॥

पुनि सीत हि खोजत हौ भाई।

चले बिलोकत बन बज्रताई ॥

संकुल लता विटप घन काजल।

बज्र खग नृग तहं गज पंचामन ॥

आवत पंथ कबंध निमाता।

तेहं सब कह्यो आप की बाता ॥

दुर्बासा मोहि दीन्ही आपा ।
 प्रभुपद पेखि मिटा सो पापा ॥
 सुन गन्धर्व कहौ मैं तोही ।
 मोहि न सुहाइ ब्रह्म कुद्रोही ॥

TUESDAY, March 3rd,—Afternoon, 2 to 5½

HINDEE.

Examiner,—PUNDIT ESHWAR CHUNDER BIDYASAGUR.

1. Translate the following lines into English :—

इस बात के सुनते ही श्रीकृष्णजी ने हंसते हसते सत्ताजीत से कहा कि यह मणि राजाजी को दो और संसार में जस बड़ाई लो। देने का नाम सुनते ही वह प्रणाम करचु पचाप वहां से उठ शीघ्र विचार करते अपने भाई के पास जा बोला कि आज श्रीकृष्णजी ने मुझ से मणि मांगी और मैं ने न दी। इतनी बात जो सत्ताजीत के मुंह से निकले तो क्रोध कर उसके भाई प्रसेन ने मणि ले अपने गले में डाली। औ शस्त्र लगाय घोड़े पर चढ़ अहेर को निकला। महाबन में जाय धनुष चढ़ाय लगा साबर चीतल पाढ़े रोम औ नृग मारने। इस में एक हरिण जो उसके आगे से भपटा तो इस ने भी खिजलाय के विस के पीछे घोड़ा दपटा औ चला चला अकेला कहां पड़ंचा कि जहां युगानुयुग की एक बड़ी खौड़ी गुफा थी। नृग औ

घोड़े के पांव की आइट पाय उस में से एक सिंह निकला। वह इन तीनों को मार मखि ले फिर उस गुफा में बड़ गया।

2. Translate the following sentences into Hindee:—

1. The air is really a heavy substance, although it seems to be so light.

2. Every day the sun rises in the sky until noon, and then descends again until evening, when it sets entirely out of sight.

3. At night, after the sun has set, the surface of the earth sends back into the air a great deal of the heat it had received during the day, and consequently then becomes much colder than the air.

4. When solid substances are made intensely hot, they are changed into liquids. If they are subjected to still higher degrees of heat, the liquid becomes vapour.

5. Man has within his throat a little instrument or organ, by means of which he can produce sound whenever he pleases. This is called the organ of voice.

TUESDAY, March 2nd.—Morning, 10 to 1½.

OORDOO.

Examiner,—CAPT. W. N. LEES.

1. To be rendered into English:—

پرستاروں نے یہ اسکو بنایا
 کہ اُسکا حسن دونا کر دکھایا
 کی اس انداز سے بالوں میں کنگھی
 کہ بکھرا دیکھنے والوں کا وان جی

ٻيٽ اُنکي جو اُدم آئي يکبار
 هوئي کافور بوى مشک تاتار
 گهجيوري گوندهي وه پاڪيزه چوٽي
 اور اسکے نيچے اک محبوب ميندي
 کئي لعلون کے آويزه درخشان
 لڳائو اسمين پنهن و نمايان
 چمک ديکھين اگر انکي سراسر
 تصدق هون شب يلداهے اختر
 پهر اک شينم کي انگيا چچهي لال
 هرايک تار اُسکا صيد دل کاتها جال
 بنت اُسپر نهايت جهم جهماتي
 نبت اسلوب سے دهرې ٽکي تهي
 سچي جون هين کلس سي چهاٽيون پر
 سما اسنے دکھايا يه ترڪ کو
 پري جسکي نظر اسپر وه بولا
 شفق مين واہ واہ کيا چاند نکلا
 پهر اسپر پهنې اک وبسي هي ڪري
 که تا هوه عيان رنگت بدن کي
 شھاني دانگ کي اک بهاري پشواز
 پهر اسنے پهنے با صد ناز و انداز

مغرقِ تلاش کا اک پایچاما
 پہن کر پھر تو اک عالم کو روڈنا
 بھری جب مانگ اُسکی موتیوں سے
 ہوئے شرمندہ تارے کہکشان کے
 لگایا اسکے جون ماتھے پر ٹیکا
 ہوا غل چاند پر تارا ہی نکلا
 پنہایا کلن میں اسکے وہ جھمکا
 کہ مدھم ہو گیا عقدِ ثریا
 ینہا چنپا کلی باندھا جو دلرا
 بنات النعش کو حیرت میں دالا
 وہ نت کی جھرنک بالے کا دہ کنا
 وہ سے منہ کا گھونگٹ میں چمکنا
 بناتا تھا ہراک کو نقشِ دیوار
 جو تھا ذی روح وان تھا محوِ دھار

TUESDAY, March 2nd.—Afternoon, 2 to 5½

OORDOO.

Examiner,—CAPT. W. N. LEES.

1. What is the rule for forming the past participle of a verb in Hindostáni?—(a.) Does the termination of the root, in any case, affect the rule?

2. How many kinds of compound verbs are there in Hindostáni?—(a.) Give examples of them; if not of all, of as many as you can.

3. Give examples of the precativ and respectful forms of six (6) Hindostáni verbs, taking opportunity to show the various forms of humility in addressing used by inferiors to their superiors.

4. Express in writing and in figures the following fractional, whole, and mixed numbers: $\frac{1}{2}$ — $1\frac{3}{4}$ — $2\frac{4}{5}$ —6—60—97—100—1,000—100,000,—10,000,000.

5. How are feminine nouns obtained from masculines?

6. Give in Hindostáni the simple and inflected forms of the words:—

“Horse”—“house”—“water”—“a pearl”—“a king”—and of the nouns and adjectives “A wise boy”—“a pretty girl”—“a black horse”—also the gender of each word.

7. To be rendered into Hindostáni:—

a. Her, father, mother, brother, all three, were meditating her marriage.

b. On the banks of the Ganges lay a corpse torn by the dogs and jackals.

c. He came in the twinkling of an eye; but, on reaching the spot, he found his house burnt to the ground.

d. Eyes have not seen, nor ears heard, of such marvellous things before.

e. On hearing this he struck his youngest daughter two blows on the face, and sent her into the female apartments.

f. Tell the servant to go to Raj Krishna Banerjea's house, and to wait there until I come.

8. To be rendered into English:—

ا - جو وہ ملي تو هماري جان رهي تھين تو گئي

ب - جونھين کتے نے کھایا وونھين چھتپتا کے
مر گیا

ج - نوکر چاکر جو اُسکے دورے تو اُسکو اسکے پاس سے پکڑ لیگئے

د - حاکم نے سب لوگوں کو بلا کر ایک ایک لکڑی ہاتھ ہاتھ بھر کی ہر ایک آدمی کو دی
 ۛ - اگر کوئی اس میں تجھے پکڑے تو اسے میرے پاس لے انا

و - روح اتنا اُسکو شاہین کے چنگل میں دیکھ کر کلیجہ پکڑ کر رہ گئی

N. B. Remark upon any peculiarity of idiom or form of expression that occurs in the above phrases.

TUESDAY, March 2nd.—Morning, 10 to 1½.

PERSIAN.

Examiner,—CAPT. W. N. LEES.

To be rendered into English:—

من آنم کہ چون حملہ آوردی
 بر صبح از کف انگشتی بردی
 ولی چون نکرد احترام یلوری
 گرفتند گردم چو انگشتی
 غنیمت شمردم طریق گریز
 کہ نادان کند با قضا پنجه تیز

چه یاری کند مغفر و جوشنم
 چو یاری نکرده اختر روشنم
 کلید ظفر چون نباشد بدست
 ببازو در فتح نتوان شکست
 گروهی پلنگ افکن پیل زور
 در آهن سر مرد و سم ستور
 همان دم که دیدیم گرد سپاه
 زره جامه کردیم و مغفر کلاه
 چو ابر اسپ تازی برانگیختم
 چو باران بلالک فرو ریختم
 دو لشکر بهم بر زدند از کمین
 تو گفתי زدند آسمان بر زمین
 ز باریدن تیر همچون تگرگ
 بهر گوشه بر خواست طوفان مرگ
 به صید پریان برخاش ساز
 کمند اژدهائی دهن کرده باز
 زمین آسمان شد ز گرد کبود
 چو انجم درو برق و شمشیر و خود
 سواران دشمن چو در یافتیم
 پیاده سپو در سپر یافتیم

چه زور آورد بهجه جهد مرد
 چو بازوي توفيق ياري نکرده
 نه شمشير جنگ آوران کند بود
 که کين آوري ز اختر تند بود
 کس از لشکر ما زهيچا برون
 نيامد جز آغشته خفتان بخون
 کسان را نه شد نلوک اندر حرير
 که گفتم بدوزند سندان به تير
 چو صد دانه مجموع در خوشه
 فتاديم هر دانه گوشه
 بنا مردی از هم بداديم دست
 چوماهی که با جوش افتد به شست
 چو طالع ز ما روی بر پيچ بود
 سپر پيش تير قضا هيچ بود

TUESDAY,—*March 2nd.*—*Afternoon, 2 to 5½.*

PERSIAN.

Examiner,—CAPT. W. N. LEEB.

1. When two nouns come together, how is the genitive case ordinarily formed ;—and how when the first of the two is terminated by a quiescent *ء* or *ي* or by an *ا*—as in *جا* or *و* as in *بو*

2. Point out the very remarkable license taken by the poet *Sadi* in the following distich

برگ درختان سبز در نظر هوشیار
هر ورق دفترست معرفت کردگار

3. Mention the different uses of the letter *ی* when added to nouns; and what, in each instance, it is termed in grammar?

4. What words are used to form the subjunctive and potential moods?

5. How are causals formed?—Give examples.

6. Give the Persian suffixes most ordinarily in use for forming nouns of place, and adjectives implying possession, plenty, mixture, or color?

7. To be rendered into Persian:—

a. It is enough now—you are a very good grammarian.

b. Very well: if thou canst come earlier even, there is no objection.

c. In his service there used to be three servants—and no more.

d. The remedy for a tight shoe is taking the foot out of it, and the cure for the tooth-ache is extraction.

e. I had intended when you came, to tell you what had vexed me; but what am I to say since all pain is removed from my heart the moment you come.

f. To which of my mistakes are you alluding; I fear, in my distress, I may have talked much at random.

ا — از این اندک خسارت او را رنج
نخواهد شد

- ۲ — ان کس ظاهراً بسیار خاطرداری نمره
- ۳ — ایشان از حصول نقد پنج روبیه سر صد خواهند گذاشت
- ۴ — از روی عدل ملاحظه نمایند سخنم راست است یا دروغ
- ۵ — بیائید نوشته خود را با تحریر شما مقابله
- ۶ — در این استعداد او بسیار ظاهر میشود

TUESDAY, March 2nd.—Morning, 10 to 1½.

ARABIC.

Examiner,—CAPT. W. N. LEES.

To be rendered into English :—

الحمد لله الذي هدانا
و اختارنا للعلم اذ ادبنا
فان للآداب فضلاً يذكر
فلا تخاطب كل من لا يشعر
يا مدعى الحكمة في كلامه
و من يروم السحر في نظامه

خُذْ حِكْمًا جَمِيعَهَا امْتَالُ

لَيْسَ لَهَا فِي عَصْرِنَا مِثَالُ

الْفَهَا ابْنُ حِجَّةٍ لِلنَّجْبَاءِ

لأن فيها رأسُ مالِ الادبَاءِ

واختارها من مفرداتِ الصّادِحِ

وكان ذا من اكبرِ المصالحِ

من كلّ بيتٍ ان تَمَثَّلَتْ بِهِ

سَكَنْتُ من سامِعِهِ في قلبِهِ

وقد تَهَجَّجْتُ إِلَى الشَّرِيفِ

لكنني خاطبتُ بالمعروفِ

وجئتُ من كلامِهِ بِنُبْذَةٍ

تَجْلِبُ لِلسَّامِعِ كُلِّ لَذَّةٍ

و ترفعُ الاديْبَ ان تَمَثَّلَا

بِهَا اذا خاطَبَ اربابَ العُلَى

من حكم تَتَبَّعَهَا وصايا
 مَقْبُولَةٌ من احسن السَّجَايا
 من اولٍ و اوسطٍ و آخرٍ
 جمعتها جمع اديبٍ شاعرٍ
 حتى دنا البعيدُ للقريبِ
 و انتظم البديعُ بالغريبِ
 وانسجمت في جمعها ارجوزة
 بديعةٌ غريبةٌ وجميزة
 و كل من انكرَ ما احكمتُ في
 ترتيبها يكون غير مُنْصِفٍ
 فلمنظر الاصلَ ليعرف السَّبَبَ
 ويعترف ان كان من اهل الادب

TUESDAY, *March 2nd.*—*Afternoon, 2 to 5½.*

ARABIC.

Examiner,—CAPT. W. N. LEES.

1. What are the peculiarities of the following forms of the Arabic verb *تَفْعِيل - اِمْتَفَاعِل*

2. How is the past tense of verbs of the eighth form (i. e., *اَفْعَلْ - اَفْعِلْ*) formed, when the first letter of the root is
و * ث * ز * ذ * د * ظ * ط * ض * ص
or ي

3. What part of speech is *قِي*—what is its root; and how have the changes in its form been produced?

4. Decline the relative *الَّذِي* masculine and feminine.

5. Point (i. e., give the *airáb* to) the following sentences, taking opportunity to notice any particular rule or rules of grammar that may be exemplified therein.

- a. ضرب ابراهيم فرعون قبل صلوة العصر خمسة اسواط
- b. اعطيتك الدراهم كي تدخل البستان وتأخذ الرمان
- c. أخبرتني فدا ان الامير ركب الى القصر مع العساكر
- d. كم عسكر كان مع السلطان عند خروجه الى تيروان

6. Give the plural or plurals of the following words:—

قَرْيَةٌ a village, *صَحِيفَةٌ* a leaf, *أَحْمَرٌ* red, *رُمْحٌ* a
spear, *بَحْرٌ* the sea, *رَامٌ* an archer.

7. The following passages to be rendered into Arabic ; all the vowel points, &c., being given :—

- a. The Sultan gave his *Wazir* poisoned water to drink.—
The *Wazir* received poisoned water to drink.
- b. In this year it was that the Khalif slew Jafir.
- c. This is he whose father killed Amro.
- d. I passed by a man of handsome countenance (or appearance.)
- e. Their hearts are blind though their eyes see.
- f. Between the Hijra and the Deluge there are three thousand nine hundred and seventy-four years.

8. The following passage to be rendered into English :—

- ا - اِنَّمَا تَغَرَّ مِنْ تَرَىٰ وَ يَغَرَّكَ مِنْ لَا تَرَىٰ
- ب - اِذَا قَالَ الْجَنُّونُ سَوْفَ اُرْمِيكَ فَاَعَدَّ لَهُ رِفَادَةً
- ج - الْجَرَّ عَبْدًا اِذَا طَمَعَ وَالْعَبْدَ حُرًّا اِذَا قَنَعَ
- د - شَرَّ النَّاسِ مَنْ لَا يَبَالِي اِنْ يَرَاهُ النَّاسُ
مَسِيًّا
- ه - وَ جَرَىٰ لَهُ (اى سَبِيْبِيَه) مَعَ الْكِسَاىِ
- و - اَتَبَحُّثُ الْمَشْهُورَ فِي قَوْلِكَ كُنْتُ اُظَنَّ لِسَعَةَ الْعَقْرِبِ
اَشَدَّ مِنْ لِسَعَةِ الزَّبُورِ
- ز - وَ اَحْضَرَ بَيْنَ يَدَيِ الْمَقْتَدِرِ وَ صَارَ الْوَزِيرَ
يَبْلُغُ كَلَامَهُ اِلَى الْخَلِيْفَةِ وَيُرَدُّ الْجَوَابُ عَنِ الْخَلِيْفَةِ

WEDNESDAY, *March 3rd.—Morning*, 10 to 1½.

VEGETABLE PHYSIOLOGY.

Examiner,—H. S. SMITH, Esq., A.B.

1. Explain the organs of respiration in a plant, and shew their influence on animal life.
 2. Compare a plant with an animal, noting their points of agreement and difference, and their common organs and functions.
 3. Explain the meaning of the terms annual, biennial, and perennial. How can these terms be applied to bulbous plants?
 4. Describe the composition and use of cellular tissue; How does it differ in the bark and leaf?
 5. What duty does nitrogen perform in the economy of vegetation.
 6. Explain what is meant by vascular tissue, and mention in what plants it is most usually found.
-

WEDNESDAY, *March 3rd.—Afternoon*, 2 to 5½.

ANIMAL PHYSIOLOGY.

Examiner,—H. S. SMITH, Esq., A.B.

1. Distinguish the order Ophidia from Sauria by an analysis of the head; mention an animal partaking of the distinctive marks of each.
2. Describe the heart, the venous, and the arterial systems in the classes *pisces* and *aves*.

3. Describe the development of a frog; noting the changes that the organs of respiration undergo.

4. Show that cold blood arises from a different cause in fishes and in reptiles.

5. Arrange systematically the following animals;—Man, Tiger, Camel, Crocodile, Frog, and Tortoise.

6. Describe the vertebral arrangement in the order testudinata.

7. Sketch the skeleton of the human arm and hand, naming the several parts.

8. Mention the corresponding members in the Whale, the Mole, the Bat, and the Horse, noting their points of divergence from the human archetype, and tracing their adaptation to special purposes.

WEDNESDAY, *March 3rd.*

ORAL EXAMINATION,—ENGLISH.

Examiner.—W. GRAPEL, Esq., M.A.

Soon after Nelson asked him if he did not think there was a signal wanting. Captain Blackwood made answer that he thought the whole fleet seemed very clearly to understand what they were about. These words were scarcely spoken before that signal was made which will be remembered as long as the language, or even the memory of England shall endure—Nelson's last signal—

“ENGLAND EXPECTS EVERY MAN TO DO HIS DUTY!”

It was received throughout the fleet with a shout of answering acclamation, made sublime by the spirit which it

breathed, and the feeling which it expressed. "Now," said Lord Nelson, "I can do no more. We must trust to the Great Disposer of all events and the justice of our cause. I thank God for this great opportunity of doing my duty."

1. Read this passage.
2. What are the parts necessary to form a complete sentence?
3. What is a conjunction?

WEDNESDAY, *March 3rd.*

ORAL EXAMINATION,—GREEK.

Examiner,—W. GRAPEL, ESQ., M.A.

Μάντι κακῶν, οὐπω ποτέ μοι τὸ κρήγυον εἶπας.
 αἰεὶ τοι τὰ κακ' ἐστὶ φίλα φρεσὶ μαντεύεσθαι
 ἐσθλὸν δ' οὐδέ τί πω εἶπας ἔπος, οὐδ' ἐτελεσσας,
 καὶ νῦν ἐν Δαναοῖσι θεοπροπέων ἀγορεύεις,
 ὥς δὴ τῶνδ' ἔνεκα σφιν Ἐκηβόλος ἄλγεα τέυχει,
 ὄυνεχ' ἐγὼ κούρης Χρυσήιδος ἀγλά' ἄποινα
 οὐκ ἔθελον δέξασθαι ἐπεὶ πολὺ βούλομαι αὐτὴν
 οἴκοι ἔχειν. καὶ γὰρ ῥα Κλυταιμνήστρης προβέβουλα,
 κουριδίης ἀλύχου. ἐπεὶ οὐ ἔθεν ἐστὶ χερείων
 οὐ δέμας, οὐδὲ φυὴν, οὐτ' ἀρ' φρένας, οὔτε τι ἔργα.
 ἀλλὰ καὶ ὥς ἐθέλω δόμεναι πάλιν, εἰ τογ' ἄμεινον.
 βούλομ' ἐγὼ λαὸν σ' οὖν ἔμμεναι, ἢ ἀπολίσσθαι.
 αὐτὰρ ἐμὸι γέρας ἀντίχ' ἐτοιμάσατ' ὄφρα μὴ οἶος
 Ἀργείων ἀγέραςτος ἔω· ἐπεὶ οὐδὲ ἔοικε.

λεύσσετε γὰρ τότε πάντες, ὃ μοι γέρας ἔρχεται ἄλλῃ.

a. Read these lines.

b. Parse δέξασθαι, ἔω, ἀπολέσθαι.

c. What are the positive and superlative forms in use for the comparative ἄμεινων ?

WEDNESDAY, *March 3rd.*

ORAL EXAMINATION,—LATIN.

Examiner,—W. GRAPEL, ESQ., M.A.

Scriberis Vario fortis et hostium

Victor Mæonii carminis alite

Quam rem cunque ferox navibus aut equis

Miles te duce *gesserit*.

Nos, Agrippa, neque hæc dicere, nec gravem

Pelidæ stomacham, cedere nescii,

Nec cursus duplicis per mare Ulixei

Nec *sævam* Pelopis domum

Conamur, *tenues grandia* ; dum pudor

Imbellisque lyræ Musa potens vetat

Laudes egregii Cæsaris et tuas

Culpa deterere ingeni.

1. Read these lines.

2. Parse the words in Italics.

3. What is *tnesis*?—does any instance occur in the above passage?

WEDNESDAY, March 3rd.

ORAL EXAMINATION,—PERSIAN.

Examiner,—CAPTAIN W. NASSAU LEES.

دوست . مشمار انکه در نعمت زند
 لاف یاری و برادر خواندگی
 دوست آن دامنم که گیرد دست دوست
 در پریشان حالی و در ماندگی
 دیدم که متغیر می شود و نصیحت من بغرض
 می شنود نزدیک صاحب دیوان رفتم به سابقه
 معرفتی که میان ما بود صورت حالش بگفتم تا بکاری
 مختصرش نصب کردند چند روز برین برآمد لطف
 طبعش بدیدند و حسن تدبیرش به پسندیدند
 کارش ازان در گذشت و بمرتبه برقراران متمکن شد
 و نجم سعادتش در ترقی بود تا باوج ارادت برسید
 و مقرب حضرت سلطان شد و مشار الیه و معتمد
 علیه بر سلامت حالش شادمانی کردم *

1. Explain literally the passages underlined.
2. What is the ی in the sentence بکاری مختصرش termed—and what is its signification ?

3. Where was Sadi born; in what century did he flourish; in what year and at what place did he die;—and what are his most celebrated compositions?

Translate the following passage, with some attention to elegance, into Persian—without consideration:—

“In accordance with the orders of the Secretary to Government, Foreign Department, I this morning waited on His Honor the Lieut.-Governor, who was pleased to express his satisfaction with my conduct, and to hold out hopes of advancement.”

WEDNESDAY, March 3rd

ORAL EXAMINATION,—OORDOO.

Examiner,—CAPTAIN W. NASSAU LEES.

بادشاہ نے پوچھا کہ ہمارا مذہب اوردین وائیں
قبول کریگا۔ تو مبارک ہی * وونہیں بتخانہ کا
نقارخانہ بجنے لگا۔ اور بھاری خلعت مجھے پہنائے۔
اور ایک رسی سیاہ میرے گلے میں ڈال کر کھینچے
ہوئے بت کی سنگھاسن کے آگے لیجا کر سجدہ کروا کر
کہرا کیا * بت سے آواز نکلی کہ ای خواجہ زادہ
خوب ہوا کہ تو ہماری بندگی میں آیا۔ اب
ہماری رحمت اور عنایت کا امیدوار رہ * یہہ منکر
سب خلقت نے سجدہ کیا اور زمیں میں لوٹنے لگے
اور پکارے۔ دہی ہی کیوں نہ ہو۔ تم ایسے ہی

تھا کر ہو * جب شام ہوئی بادشاہ اور وزیر سوار
ہو کر وزیر کے محل میں داخل ہوئے *

1. Why is the particle *ne* نے inserted before the verbs
پوچھا in the first line?

2. Explain the difference in signification between the
words مذہب — دیں — اُنہیں .

3. What kind of a verb is کروا کر — and how is it formed?

4. What is the force of ہی added to the word ایسے
in the sentence تم ایسے ہی تھا کر ہو

Translate into good Hindostāni the following sentence :—

“It is now sixteen years or more, since I left my home,
in the district of Bhawulpore, and ever since I have been
a wanderer on the face of the earth.”

WEDNESDAY, March 3rd.

ORAL EXAMINATION,—ARABIC.

Examiner,—CAPT. W. N. LEES.

قال الملك فمن رئيس الملائكة الموكلين ببني آدم
وحفظهم و مراعات امورهم قال الحكيم هي النفس
الناطقة الكلية الانسانية التي هي خليفة الله في ارضه

وهى التى قرئت بجسدِ آدم لما خلق من التراب
 وسجدت له الملائكة كلهم اجمعون وهى النفوس
 الحيوانية المنقادة للنفس الناطقة الباقية وابى ابليس
 عن سجدةِ آدم وهى القوة الغضبية والشهوانية وهى
 النفس الامارة بالسوء وهذه النفس الكلية الناطقة هى
 الباقية الى يومنا هذا فى ذريةِ آدم كما ان صورةَ جسدِ
 آدم الجسمانية باقية فى ذريته الى يومنا هذا عليها
ينشئون وبها ينمون وبها يجازون وبها يواخذون
 و اليها يرجعون وبها يقومون يوم القيامة وبها
يبعثون وبها يدخلون الجنة وبها يصعدون الى عالم
الافلاك *

1. What part of speech is the word رئيس
2. What is the literal meaning of the word خليفة
 —and why were the Kings of Arabia so called?—(a) What
 form of the verb is used to express the appointment of a
3. To what word in the sentence does the pronoun ها
 in the passage عليها ينشئون refer; and what are the

literal and technical meanings of the words **يجازون**
يبعثون and **يقومون يرجعون** وواخذون

WEDNESDAY, March 3rd.

ORAL EXAMINATION,—SANSKRIT.

Examiner,—PUNDIT ESHWAR CHUNDER BIDYASAGUR.

1. Read the following lines :—

स सन्निपात्यावरजान् हतौगास्तद्विज्रियादर्शनलुप्तहर्षान् ।
 कौलीनमात्माश्रयमाचचक्षे तेभ्यः पुनश्चेदमुवाच वाक्यम् ॥
 राजर्षिवंशस्य रविप्रसूते रूपस्थितः पश्यत कीदृशोऽयम् ।
 मत्तः सदाचारशुभेः कलङ्कः पयोदवातादिव दर्पणस्य ॥
 पौरेषु सोऽहं बज्जलीभवन्तमपां तरंगेष्विव तैलविन्दुम् ।
 सोऽहं न तत्पूर्वमवर्त्तमीशे आलानिकं स्थाणुमिव द्विपेन्द्रः ॥
 तस्यापनोदाय फलप्रवृत्तावुपस्थितायामपि निर्व्यपेक्षः ।
 त्यक्त्यामि वैदेहसुतां पुरस्तात् समुद्रनेमिं पितुराज्ञयेव ॥

2. Explain the following sentences :—

- तद्विज्रियादर्शनलुप्तहर्षान् ।
- कौलीनमात्माश्रयमाचचक्षे ।
- सोऽहं न तत्पूर्वमवर्त्तमीशे ।
- फलप्रवृत्तावुपस्थितायामपि ।
- समुद्रनेमिं पितुराज्ञयेव ।

WEDNESDAY, March 3rd.

ORAL EXAMINATION,—HINDEE.

Examiner,—PUNDIT ESHWAR CHUNDER BIDYASAGUR.

1. Read the following lines:—

1. बरघा बिगत शरद ऋतु आई ।
2. देखऊ लक्ष्मण परमसुहाई ॥
3. फूली काश सकल मही आई ।
4. जनु बरघा छत भगट बुझाई ॥
5. उदित अमरक्षिपथ जल शोषा ।
6. जिमि लोभ हि शोषै संतोषा ॥
7. सरिता सर जल निर्मल सोहा ।
8. सन्त हृदय जस गतमदमोहा ॥
9. जल संकोच बिकल भए मीना ।
10. अबुधकुटुम्बी जिमि धनहीना ॥

2. Explain the 5th, 6th, 9th and 10th lines.

WEDNESDAY, March 3rd.

ORAL EXAMINATION,—BENGALI.

Examiner,—PUNDIT ESHWAR CHUNDER BIDYASAGUR.

Read the following lines:—

এক দিবস রাজার অসুস্থকরণে উদয় হইল, স্বপ্নস্বার্থ ঘাইব,
 ছাত্রদিগকে আজ্ঞা করিলেন তোমরা অসুস্থ হও। আজ্ঞা প্রবণে

সকলে প্রস্তুত হইল। রাজা অশ্বারোহণে গমন করিয়া নিবিড় বন মধ্যে প্রবেশ করিলেন। বনাভ্যন্তরে উপনীত হইয়া দেখেন এক অতি বৃহৎ স্থান, চারিদিকে নদী, মধ্যে এক ক্ষুদ্র উপদ্বীপ এবং স্থানে স্থানে পশু পক্ষির। নানা স্বরে গান করিতেছে; মরালকুল জলক্রীড়া করিতেছে; মন্ম মন্ম বায়ু প্রবাহিত হইয়া বিকসিত কুসুমসমূহের সৌগন্ধ নাসারন্ধ্রে প্রবেশ করাইতেছে। রাজা এই চিত্তহর স্থান দর্শন মাত্র চিত্তবিনোদন নিমিত্ত সেই স্থানে বিশ্রাম করিতে অভিলাষ করিলেন।

2 Explain the following words and sentences:—

a. হৃগয়ার্থ।

b. বনাভ্যন্তরে।

c. মরালকুল জলক্রীড়া করিতেছে।

d. { বিকসিত কুসুমসমূহের সৌগন্ধ নাসারন্ধ্রে প্রবেশ
করিতেছে।

e. চিত্তবিনোদন নিমিত্ত।

THURSDAY, March 4th.—Morning, 10 to 1½.

HISTORY.

Examiner.—E. B. COWELL, Esq., M.A.

1. Give a sketch of the Ionian revolt. How were the Asiatic Greeks affected by the subsequent treaties of Cimon and Antalcidas?

2. Give a sketch of Pyrrhus' war with Rome; How did he die?

3. Compare the treaties at the end of the first and second Punic wars, and describe the position of Carthage at the latter period.

4. Give a short account of Antiochus the Great.
5. Who was Belisarius? Relate some of his principal actions.
6. Sketch the career of Dupleix in Southern India.
7. Give an outline of Cornwallis' war with Tippoo. What were the conditions of the peace of 1792
8. Compare the Indian invasions of Mahmoud, Mahomed Ghori, Timur and Baber.

THURSDAY, *March 4th.*—*Afternoon, 2 to 5½*

GEOGRAPHY.

Examiner,—E. B. COWELL, Esq., M.A.

1. What are the inland Seas of Asia, and the Rivers which fall into them?
2. Mention the most celebrated Isthmuses in the world, and the Seas which they divide. What attempts have been ever made to cut through them?
3. In the accompanying skeleton map, fill up the principal cities and rivers.
4. Describe the course of the Rhine and the Danube, mentioning the principal cities on their banks.
5. What are the chief rivers of North and South America? How do the Andes affect the latter?
6. What are the provinces between the Nurbudda and the Cavery, with their principal cities.
7. Where are the following cities situated? Name any historical facts associated with some of them: Avignon, Londonderry, Stirling, Quebec, Granada, Tangiers, Dantzic, Quito, Nantes, Teheran.

ENTRANCE EXAMINATION.

FRIDAY, *March 5th.*—*Morning* 10 to 1½.

MATHEMATICS.

Examiner,—REV. T. SMITH.

1. Multiply Rs. 18957-13 by Rs. 568-11½; and divide the same sum by the same sum. Shew that the one of these operations is absurd and impossible, and perform the other.

2. Find the value of the decimal .16854, and deduce the rule arithmetically or algebraically.

3. Extract the square roots of 3 and of .3 to 7 decimal places, and explain the rule that in integers the pointing off of the periods begins from the right hand and in decimals from the left.

4. A plate of metal is beaten to the thickness of $\frac{1}{8}$ of an inch, and the weight of a circular medal cut from it, whose diameter is $1\frac{1}{2}$ inches, is $1\frac{1}{4}$ oz. Troy. If the same plate be beaten to the thickness of $\frac{1}{4}$ of an inch, what will be the weight of a medal cut out of it of the diameter of $1\frac{1}{2}$ inches, (the areas of circles being proportional to the squares of their diameters.)

5. Explain the rule for the signs in algebraical multiplication, and multiply

$$7x^{\frac{1}{2}} - 3y^{\frac{1}{3}} + 2x^{\frac{1}{3}}y^{\frac{2}{3}} \text{ by } 6x^{\frac{1}{3}} - 2y^{\frac{2}{3}} + 7x^{\frac{2}{3}}y^{\frac{1}{3}}$$

6. Find a fraction, such that if 1 be subtracted from its numerator the value shall be $\frac{2}{3}$, and if 6 be added to the denominator the value shall be $\frac{1}{2}$. $= \frac{7}{8}$

7. A and B can do a piece of work in 30 days, A and C in 40 days, and B and C in 50 days. All three work together for 10 days. If then two be taken away, how long will each of the others take to finish it?

FRIDAY, March 5th.—Afternoon, 2 to 5½.

MATHEMATICS.

Examiner,—REV. T. SMITH.

GEOMETRY AND MECHANICS

- ✓ 1. If a straight line be bisected, and produced to any point, the sum of the squares of the whole line thus produced and the produced part, are together equal to twice the square of half the line and twice the square of the line made up of half and the part produced.
- ✗ 2. If one of the acute angles of a right-angled triangle be double of the other, the hypotenuse is double of the shorter side.
- ✗ 3. If any point be taken within an equilateral triangle the sum of the perpendiculars drawn from it to the sides is equal to the perpendicular from the vertex to the base.
4. Two forces which are as 3 and 4 act on a body A, in the directions A B, A C, at right angles to each other, what must be the magnitude and direction of a third force, which shall keep the body at rest?
- ✗ 5. Investigate the proportion between the power and the weight in the inclined plane, when the force acts in a direction parallel to the plane.
- ✗ 6. Explain the nature and properties of the centre of gravity, and find it (1) in the case of a plane triangle, (2) in a system of three bodies weighing respectively 6 lbs., 5 lbs., and 4 lbs., at the angles of a triangle, and connected by rods supposed to be without weight.

